04 - महिलाओं के मानसिक स्वास्थ्य पर विमर्श की दरकार

05 - त्रिकोणीय मुकाबला - बंगाल में गठबंधन, मोदी की गारंटी या दीदी की शपथ

06- 72.97 मतदाताओं ने उत्साह व विश्वास से किया पुर्न-मतदान : कलेक्टर

07- कदम की कविता पर केंद्रित पेंटिंग्स की नुमाइश अंतर्संबंधों को...

A Daily News Magazine
भोपाल
शनिवार, 11 मई, 2024

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 21 अंक 243 नगर संस्करण, पृष्ठ -8, मूल्य रू.- 2 (डाक पंजीयन संख्याः म.प्र./भोपाल/4-391/2018-20)

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

महिला सशक्तिकरण को लेकर बड़े-बड़े वादे, पर हकीकत कुछ और...

दीपांशु मोहन व अदिति देसाई

2024 के लोकसभा चुनावों के बीच, भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) और कांग्रेस (कांग्रेस) दोनों की ओर से महिला सशक्तिकरण (विमेन एम्पावरमेंट) और 'नारी शक्ति' को लेकर कई वादे किए जा रहे हैं। हालांकि, पिछले एक दशक में महिला सशक्तिकरण की दिशा में सरकार के प्रयासों की जांच करना और यह समझना जरूरी है कि आगे क्या होने वाला है।

2014 में, बीजेपी के घोषणापत्र में 'राष्ट्र निर्माता' के रूप में महिलाओं की भूमिका पर जोर दिया गया था और कहा गया था कि सामाजिक विकास और राष्ट्रीय विकास में महिलाओं (नारी शक्ति) की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। महिलाओं के खिलाफ बढ़ी हुई अपराध दर को कम करने, महिला शिक्षा और रोजगार के स्तर को बढ़ाने और संसदीय और राज्य विधानसभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण के लिए एक संवैधानिक संशोधन पेश करके महिला सशक्तिकरण और कल्याण को उच्च प्राथमिकता देने का संकल्प लिया गया था।

महिला सशक्तिकरण पर केंद्रित महत्वपूर्ण योजनाओं में प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाय) सबसे आगे है। 2016 में लॉन्च हुई इस योजना का लक्ष्य गरीबी रेखा से नीचे- बीपीएल परिवारों की महिलाओं को एलपीजी कनेक्शन देना था। हालांकि, एलपीजी कनेक्शन को लेकर दावे हैं कि 99त्न लाभार्थियों को कनेक्शन दिए गए लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही बताती है।

पीएमयूवाय लाभार्थियों के बीच एलपीजी की खपत काफी कम है, हालांकि 2020-21 में कोविड-19 के दौरान खपत में बढ़ोतरी हुई थी क्योंकि तब राहत पैकेज दिया गया था जिसमें मुफ्त में रिफिल करने का विकल्प भी था।

वित्त वर्ष 2021-22 के आंकड़ों में पीएमयूवाय और गैर- पीएमयूवाय उपभोक्ताओं के बीच सिलेंडर रिफिल में असमानता का पता चलता है. वहीं सिलेंडरों की डिलीवरी निर्धारित है जो 7 दिनों में होनी चाहिए लेकिन 36.62 लाख एलपीजी रिफिल की डिलीवरी में 10 दिनों से अधिक (664 दिनों तक) की देरी देखी गई, जो सिलेंडर पहुंचाने की चुनौतियों को रेखांकित करती है।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ (बीबीबीपी) योजना में कुछ गड़बड़ियां देखने को मिली। वित्ती वर्ष 2017-18 में, इसकी ऑडिट रिपोर्ट में पता चला है कि फंड का कम उपयोग किया गया है और मीडिया में विज्ञापन के लिए ज्यादा इस्तेमाल किया गया है। फील्ड सर्वेक्षण और स्टेकहोल्डर्स के इंटरव्यू ने जमीनी स्तर के कर्मियों के बीच स्पष्टता की कमी को उजागर किया, जिससे प्रभावी संसाधन आवंटन में बाधा पैदा हुई। स्टेकहोल्डर्स की प्रतिक्रिया और ऑडिट निष्कर्षों के जवाब में, 2022 से शुरू होने वाली योजना की रणनीति में महत्वपूर्ण संशोधन पेश किए गए हैं।

ऐसी ही एक अन्य योजना प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना है, जिसे 2017 में मातृत्व लाभ (मेटर्निटी) देने के मकसद से शुरू किया गया था। आधिकारिक आंकड़ों से पता चला है कि 2019 तक योजना ने मामूली प्रगति की लेकिन कोविड-19 महामारी के दौरान ये प्रगति काफी कम हो गई थी। योजना से लाभान्वित होने वाली महिलाओं की संख्या 2019-20 में 96 लाख से घटकर 2020-21 में 75 लाख हो गई और 2021-22 में और घटकर 61 लाख हो गई, जो दो सालों की अवधि में लगभग 40 प्रतिशत की कमी दर्शाती है।

इस लोकसभा चुनाव के संदर्भ में देखें तो पिछले सितंबर में महिला आरक्षण कानून लागू हुआ लेकिन इसके बावजूद, राजनीतिक दल लोकसभा में महिला प्रतिनिधित्व को सक्रिय रूप से बढ़ावा देने में अभी भी पीछे हैं। बीजेपी ने हर 6 उम्मीदवारों पर केवल एक महिला उम्मीदवार को मैदान में उतारा, जबकि कांग्रेस ने हर 7 उम्मीदवारों में से एक महिला को उतारा है। एक तरफ दोनों पार्टियां अपने घोषणापत्रों में महिला सशक्तिकरण पर भारी जोर दे रही हैं लेकिन जब बात प्रतिनिधित्व की आई तो आंकड़े काफी निराशाजनक हैं।

बीजेपी के घोषणापत्र में 'सुभद्रा योजना' का जिक्र है, जो पार्टी के सत्ता में आने पर हर महिला को 50 हजार रुपये के नकद वाउचर देने की बात करती है।

इसके अलावा, यह ग्रामीण महिलाओं के लिए लखपति दीदी स्वयं सहायता समूह पहल का विस्तार करने की बात है। इमरजेंसी जैसी स्थितियों में पुलिस स्टेशनों को मजबूत करने के लिए शक्ति डेस्क बनाने की बात भी कही गई है।

इंफ्रास्ट्रक्चर के महत्व को पहचानते हुए, बीजेपी ने वर्कफोर्स (रोजगार) में महिलाओं की अधिक भागीदारी को सुविधाजनक बनाने के लिए महिला हॉस्टल और क्रेच (बच्चों की देखभाल करने की जगह) विकसित करने का वादा किया है।

इसके अलावा, इसका उद्देश्य महिला स्वयं सहायता समूहों (SHG) को आईटी, हेल्थ केयर, शिक्षा, रिटेल और पर्यटन जैसे प्रमुख सेवा क्षेत्रों में स्किल और उपकरण दे कर सशक्त बनाना है, जिससे उनकी आय और इसके बाजार तक पहुंचने में वृद्धि हो सके।

इसके विपरीत, कांग्रेस के घोषणापत्र में 'महालक्ष्मी गारंटी' का जिक्र है, जिसमें सबसे गरीब परिवार में एक महिला को 1 लाख रुपये देने का वादा किया गया है, यह राशि सीधे घर की सबसे बुजुर्ग महिला के बैंक खाते में भेजी जाएगी। इसके अलावा, कांग्रेस के घोषणापत्र में कई सेक्टर्स में उच्च पदों पर महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ाने, लैंगिक भेदभाव को खत्म करने के लिए कानूनों की समीक्षा और संशोधन करने, समान काम के लिए समान वेतन लागू करने, फ्रंटलाइन स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के वेतन में केंद्र सरकार के योगदान को दोगुना करने का वादा किया गया है। इससे आशा, आंगनवाड़ी, मिड-डे मील रसोइया, आदि में काम कर रही महिलाओं को फायदा होगा।

वैसे तो राजनीतिक घोषणापत्र महिला सशक्तीकरण और प्रगति के वादों से भरे हुए हैं, लेकिन जमीनी हकीकत अक्सर एक अलग तस्वीर पेश करती है। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना से लेकर बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ पहल और प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना तक, कई योजनाओं के लागू होने के बाद समस्याएं देखी गईं तो कभी अपर्याप्त संसाधन आवंटन जैसी बाधाओं का सामना करना पड़ा है।

ऊंचे वादों और ठोस परिणामों के बीच अंतर को पाटने के लिए अधिक जवाबदेही, पारदर्शिता और निरंतर प्रयासों की जरूरत है. जैसा कि देश 2024 के लोकसभा चुनावों के बीच है ऐसे में पिछले दशक के सबक पर ध्यान देने की जरूरत है और सार्थक कार्रवाई के लिए प्रतिबद्ध होना जरूरी है जो पूरे भारत में महिलाओं के जीवन में ठोस सुधार लाएगा।

(दि क्विंट हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

नकली शिवसेना अब मुझे जिंदा गाड़ना चाहती है

- महाराष्ट्र के नंदूरबार की सभा में पीएम मोदी ने उद्धव ठाकरे की सेना को घेरा

कहा-कांग्रेस कहती है कि मोदी तेरी कब्र खुदेगी,ये गाली देते हुए भी तुष्टिकरण करते हैं

नंदूरबार (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव के प्रचार के लिए प्रधानमंत्री मोदी ने महाराष्ट्र के नंदूरबार में चुनावी रैली को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा- नकली शिवसेना वाले मुझे जिंदा गाड़ने की बात कर रहे हैं। एक तरफ कांग्रेस है, जो कहती है कि मोदी तेरी कब्र खुदेगी। दूसरी तरफ नकली शिवसेना मुझे जिंदा गाड़ने की बात करती है। मुझे गाली देते हुए भी ये लोग तुष्टिकरण का पूरा ध्यान रखते हैं। इसके अलावा मोदी ने आरक्षण के मुद्दे पर भी चर्चा की। मोदी ने कहा- मैं 17 दिन से कांग्रेस को चुनौती दे रहा हूं। मैंने कांग्रेस से कहा है कि वो लिखकर बताए कि वो एससी-एसटी और ओबीसी के आरक्षण के टुकड़े नहीं करेंगे। और न ही मुसलमानों में बाटेंगे। मेरे सवाल का कांग्रेस ने अब तक जवाब नहीं दिया है। इसका मतलब कांग्रेस का हिडन एजेंडा आपका हक लूटना है। मेरे इस चैलेंज पर कांग्रेस की चुप्पी का मतलब दाल में कुछ काला है। आरक्षण पर कांग्रेस का हाल चोर मचाए शोर वाला है। धर्म के आधार पर आरक्षण बाबा साहेब की भावना के खिलाफ है। संविधान की भावना के खिलाफ है, लेकिन कांग्रेस का एजेंडा है- दलित, पिछड़े, आदिवासी का आरक्षण छीनकर अपने वोटबैंक को देना। कांग्रेस के शहजादे के गुरु अमेरिका में रहते हैं। उन्होंने भारत के लोगों पर रंगभेदी टिप्पणी की है। जिनका रंग भगवान कृष्ण जैसा होता है, कांग्रेस उन्हें अफ्रीकन मानती है। इसलिए द्रौपदी मुर्मू जी का राष्ट्रपति बनना उन्हें मंजूर ही नहीं था। शहजादे के गुरु ने अमेरिका से कहा है कि राम मंदिर का निर्माण और रामनवमी का उत्सव भारत के विचार के खिलाफ है।

अरविंद केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट से मिल गई बड़ी राहत

- 1 जून तक के लिए अंतरिम जमानत, चुनाव प्रचार कर पाएंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। शीर्ष अदालत ने चुनाव प्रचार के लिए केजरीवाल को 1 जून तक के लिए अंतरिम जमानत दे दी है। केजरीवाल को 2 जून को फिर से सरेंडर करना होगा। अंतरिम जमानत के दौरान केजरीवाल चुनाव प्रचार भी कर पाएंगे। जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस दीपांकर दत्ता की पीठ ने पिछली सुनवाई में अंतरिम जमानत पर फैसला सुरक्षित रख लिया था। केजरीवाल के वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि केजरीवाल शाम के समय जेल से बाहर आ गए हैं। सीएम केजरीवाल की बेल पर आज दोपहर 2 बजे के बाद सुनवाई हुई। सुनवाई को जल्द खत्म कर कोर्ट ने केजरीवाल को बड़ी राहत दी। उन्हें 1 जून तक ही जेल से बाहर रहने की इजाजत होगी। हालांकि वह इस दौरान लोकसभा चुनाव के लिए प्रचार कर सकते हैं।

बेबुनियाद आरोप, जानबूझकर भ्रम फैलाने की कर रहे कोशिश

- चुनाव आयोग ने खरगे को लगाई जमकर फटकार, दी नसीहत

कहा-बयान सोच-समझकर दें, वोटिंग में हेरफेर का था आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। चुनाव आयोग ने वोटिंग के आंकड़ों पर सवाल उठाए जाने और 'भ्रम' पैदा करने को लेकर सख्त रुख अपनाया है। आयोग ने अभूतपूर्व कार्रवाई करते हुए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को चल रहे लोकसभा चुनाव में बाधा डालने के लिए फटकार लगाई है। चुनाव आयोग ने वोटिंग के आंकड़ों को लेकर खरगे के आरोपों को खारिज करते हुए उसे 'बेबुनियाद' और 'जानबूझकर भ्रम फैलाने की कोशिश' करार दिया है। आयोग ने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष ने चल रहे चुनावों के बीच में वोटर टर्नआउट के आंकड़ों को जारी करने के बारे में बेबुनियाद आरोप लगाए हैं, जो स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनावों के संचालन में भ्रम, गलत दिशा और बाधाएं पैदा करने के लिए तैयार किए गए हैं। आयोग ने आगे कहा कि इस तरह के बयानों से मतदाताओं की भागीदारी पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है और राज्यों में बड़ी चुनाव मशीनरी का मनोबल गिर सकता है। कांग्रेस अध्यक्ष को दिए गए कड़े शब्दों वाले जवाब में चुनाव आयोग ने उनके बयानों को 'चुनाव संचालन के महत्वपूर्ण पहलुओं पर आक्रमण' बताया। आयोग ने कहा कि चुनाव आयोग ऐसी घटनाओं के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए दृढ़ संकल्पित है, जिनका सीधा असर उसके मुख्य जनादेश के क्रियान्वयन पर पड़ता है। आयोग ने वोटिंग के आंकड़ों पर खरगे द्वारा विपक्षी गठबंधन इंडिया के नेताओं को लिखे गए पत्र का संज्ञान लिया और इसे बेहद अवांछनीय पाया। आयोग ने खरगे के तर्कों को स्पष्ट रूप से खारिज करते हुए उन्हें आक्षेप और बेबुनियाद बताया। चुनाव आयोग ने जोर देकर कहा कि मतदाता मतदान के आंकड़ों के कलेक्शन और प्रसार में कोई चूक या विचलन नहीं हुआ है।

परशुराम की जन्मस्थली पहुंचे सीएम, महाकाल प्रांगण से निकली दर्शन यात्रा

महू/उज्जैन (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भगवान परशुराम की जन्मस्थली महू के जानापाव पहुंचे। उन्होंने कहा कि यहां आकर मन प्रसन्न हुआ। सीएम यादव शाम को उज्जैन पहुंचे। वे रात्रि विश्राम यही करेंगे। इससे पहले सुबह बाबा महाकाल के प्रांगण से श्री परशुराम दर्शन यात्रा निकाली गई। इसमें महिलाएं पीले वस्त्र तो पुरुष श्वेत वस्त्र पहनकर शामिल हुए।

सीएम ने जानापाव में सुनाई भगवान विष्णु और परशुराम की कहानी

महू के जानापाव में सीएम डॉ. मोहन यादव ने कहा कि यह वह स्थान है, जहां भविष्य में विकास की और बड़ी संभावना है। एक इतिहास यह भी है कि भगवान विष्णु को भगवान परशुराम ने यहां पर ही सुदर्शन चक्र भेंट किया था। ऐसे पवित्र स्थान पर आकर मन प्रसन्न हुआ। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने मंच से सभा के दौरान भगवान विष्णु और परशुराम जी की कहानी भी सुनाई।

भोपाल के गुफा मंदिर में परशुराम जन्मोत्सव

पूर्व सीएम शिवराज, नरोत्तम मिश्रा ने पूजा-अर्चना की, बाल विवाह रोकने के लिए टीमें थीं अलर्ट

भोपाल (नप्र)। शुक्रवार 10 मई को अक्षय तृतीय मनाया गया। इस दिन बाल विवाह होने की संभावना भी रहती है। इसलिए भोपाल में 30 टीमें मैदान में शुक्रवार को मैदान में जुटी हुई थी,जो विवाह सम्मेलनों के अलावा मैरिज गार्डन, धर्मशालाओं पर नजर रखे हुई थी। इधर, गुफा मंदिर में श्री परशुराम जन्मोत्सव (प्रकटोत्सव) के मौके पर बड़ा आयोजन हुआ। पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान, पूर्व गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा, पूर्व मंत्री पीसी शर्मा, बीजेपी सांसद प्रत्याशी आलोक शर्मा समेत कई जनप्रतिनिधियों और समाजजनों ने पूजा-अर्चना भी की।

गुफा मंदिर लालघाटी में महंतश्री रामप्रवेश दास और पं. विष्णु राजौरिया के सानिध्य में सुबह 7 बजे से 1100 कलशों की यात्रा निकाली गई। यहां शाम को 1100 दीपों से महाआरती की जाएगी। सुबह 11 बजे पूर्व मुख्यमंत्री, पूर्व गृहमंत्री भी आयोजन में पहुंचे। महापौर मालती राय समेत कई जनप्रतिनिधि भी मौजूद रहे।

प्रशासन दिखा सख्त- प्रेस, हलवाई, कैटर्स, धर्मगुरू, समाज के मुखिया, बैंड संचालक, घोड़ी, ट्रांसपोर्ट संचालकों से कहा गया है कि वे आयु संबंधी प्रमाण-पत्र देखने के बाद ही अपनी सेवाएं दें, वरना वे भी बाल विवाह के सहयोगी माने जाएंगे।

सुप्रभात

वृक्ष की घनी छाया में रखे मटके
के जल का इंतज़ार करती है
पसीने से परेशान अलसाई दुपहरी

वातानुकूलित कमरे में बैठे हुए भी
बचपन के हंगामों और बरगद की छांव के
किस्से सुनती है

प्याज़ के टुकड़ों को जेबों मे छिपाए
कच्ची कैरी के पने से
गर्म थपेड़ों से जूझती
तरबूज के कई हिस्सों में कटकर
बट जाना चाहती है

ठंडी हवा आयी है अभी यकायक
शायद घर पर माँ ने छत पर बिस्तर लगाए हैं
सितारों से सजी मुलायम चादर ओढ़े
दादी के गीतों की गूंज में बेसुध
सपनों में खो जाना चाहती है दुपहरी।

– एकता कानूनगो बख्शी

हरियाणा में जेजेपी के साथ हो सकता है बड़ा 'खेला'

- महाराष्ट्र जैसे बन गए हालात, दुष्यंत को उल्टा पड़ गया दांव, उन्हीं का पत्ता काटने की तैयारी में बागी

चंडीगढ़ (एजेंसी)। तीन निर्दलीय विधायकों का बीजेपी सरकार से समर्थन वापस लेने के बाद हरियाणा की राजनीति गर्माई हुई है। निर्दलीय विधायकों के बाद अब जेजेपी के विधायक भी दुष्यंत चौटाला के साथ बड़ा खेला करने की तैयारी में है। सूत्रों की मानें तो जेजेपी के बागी विधायक अपने दल के नेता बदलने की तैयारी कर रहे हैं। जेजेपी के कुल 10 विधायकों में से 6 पार्टी से नाराज चल रहे हैं। इन 6 नाराज विधायकों में से 4 बीजेपी के तो दो कांग्रेस के संपर्क में है। ये 6 के 6 विधायक दुष्यंत चौटाला की कार्यशैली से नाराज चल रहे हैं। ये बागी विधायक विधानसभा अध्यक्ष को पार्टी का विधायक दल का नेता बदलने के लिए लिखित में दे सकते हैं। अगर ऐसा होता है तो हरियाणा में जननायक जनता पार्टी का वह हाल हो सकता है, जो महाराष्ट्र में बाल ठाकरे की शिवसेना का हुआ था।

नहीं मिलेगी परोल, जेल से चुनाव लड़ेगा अमृतपाल

- असम की जेल से ही नामांकन भरेगा खालिस्तानी समर्थक

चंडीगढ़ (एजेंसी)। असम की डिब्रूगढ़ जेल में बंद खालिस्तान समर्थक अमृतपाल सिंह पंजाब की खडूर साहिब लोकसभा सीट से चुनाव लड़ने जा रह है। वो जेल से ही अपना नामंकन पत्र भरेगा। हाईकोर्ट ने उसे 7 दिन की परोल देने से इनकार कर दी है। पंजाब सरकार ने हाईकोर्ट को जानकारी देते हुए कहा है कि अमृतपाल सिंह जेल में ही नॉमिनेशन की सभी प्रक्रिया को पूरी करेगा। सोमवार को अमृतपाल सिंह के नामांकन का काम पूरा हो जायेगा। इस जानकारी के बाद हाईकोर्ट ने अमृतपाल सिंह की याचिका का निपटारा कर दिया है। इससे साफ है कि अमृतपाल सिंह को अपना नामांकन जेल से भी भरना होगा। उसे इसके लिए 7 दिनों की परोल नहीं दी जाएगी।

भोपाल का तापमान
अधिकतम 40 °c
न्यूनतम 29°c

सुबह सवेरे

भोपाल ■ शनिवार, 11 मई 2024

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

अक्षय तृतीया पर बांके बिहारी के 2 लाख भक्तों ने किए चरण दर्शन

साल में सिर्फ एक बार होते हैं, 1 किमी लंबी लाइन,10 लाख के पहुंचने का अनुमान

मथुरा (एजेंसी)। मथुरा के वृंदावन में अक्षय तृतीया पर शुक्रवार को बांके बिहारी में श्रद्धालुओं की भीड़ रही। बांके बिहारी को सुबह चंदन का लेप लगाया गया। फिर श्रृंगार हुआ। साल में केवल आज ही के दिन भगवान बांके बिहारी के सभी अंगों पर चंदन लगाया जाता है। भक्तों को उनके चरण दर्शन भी कराए जाते हैं। चरण दर्शन भी साल में सिर्फ आज ही के दिन कराए जाते हैं। शुक्रवार को बांके बिहारी मंदिर के पट सुबह 5 बजे खुले। सबसे पहले मंदिर के पुजारी अंदर गए। देहरी पूजन किया। गर्भगृह में पहुंचकर भगवान का अभिषेक किया और फिर चंदन का लेपन कर श्रृंगार किया। आम भक्तों के लिए मंदिर के पट सुबह 7 बजे खोल दिए गए। सुबह 10 बजे तक 2 लाख से ज्यादा भक्त दर्शन कर चुके हैं। मंदिर के गेट नंबर-2 और 3 से

भक्तों को एंट्री दी जा रही है। गेट नंबर-2 पर एक किमी लंबी लाइन लगी है। प्रशासन को शाम तक 10 लाख भक्तों के पहुंचने का अनुमान था। 12 से 4 बजे तक मंदिर बंद रहा। आज भगवान बांके बिहारी को पैरों में पायजेब और लटकनदार हार धारण कराया गया है। शाम के समय सर्वांग दर्शन हुए। यानी भगवान के पूरे शरीर के। भगवान के शरीर पर चंदन का लेप होगा और वह धोती पहने हुए थे। मंदिर के सेवायत आचार्य प्रह्लाद वल्लभ गोस्वामी ने बताया- चंदन खासतौर पर बेंगलुरु से मंगवाया गया है। चंदन के आधा-आधा किलो के 4 लड्डू सुबह, दोपहर, शाम बांके बिहारी के चरण में रखे जाते हैं। पूरे दिन भक्तों के जरिए 200 किलो चंदन चढ़ाए जाने का अनुमान है। मैसूर से चंदन की लकड़ी मंगाई गई थी।

कर्नाटक सेक्स स्कैंडल

एनसीडब्ल्यू बोला-किसी पीड़ित ने शिकायत नहीं की

नई दिल्ली/बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक सेक्स स्कैंडल मामले में देशभर में सरगर्मी है। अब मामले में राष्ट्रीय महिला आयोग ने 9 मई को कहा कि किसी भी पीड़ित ने प्रज्वल रेवन्ना के खिलाफ शिकायत दर्ज नहीं कराई। जो महिला हमारे पास शिकायत कराने पहुंची थी, उसने बताया कि उसे जबरन ऐसा करने के लिए कहा गया था। महिला आयोग ने एक्शन टेकन रिपोर्ट का भी हवाला दिया। इसके मुताबिक, यौन शोषण की शिकायत के आधार पर जो दो केस रजिस्टर हुए हैं एटीआर ने पीड़ितों द्वारा यौन शोषण की

शिकायतों के आधार पर दो मामलों के दर्ज होने का संकेत दिया। इसके साथ ही एक पीड़ित के रिश्तेदार की तरफ से अपहरण के लिए एक अतिरिक्त शिकायत भी दर्ज की गई। हालांकि, इस मामले में कोई भी पीड़ित आयोग में शिकायत दर्ज कराने के लिए नहीं आया है। महिला आयोग के मुताबिक, महिला ने कहा कि उसे कई नंबरों से कॉल कर शिकायत करने की धमकी दी गई। यह भी पता चला कि इस शिकायतकर्ता को लोगों के एक ग्रुप ने मजबूर किया गया था।

ईरान ने जब्त किए जहाज से 5 भारतीयों को किया रिहा

तेहरान (एजेंसी)। ईरान ने 13 अप्रैल को जब्त किए जहाज एरीज पर सवार 5 भारतीय को रिहा कर दिया है। ईरान में मौजूद भारतीय दूतावास ने गुरुवार को बताया कि सभी लोग भारत के लिए रवाना हो गए हैं। उन्होंने ईरान अधिकारियों को सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। दरअसल, इजराइल पर हमले से पहले ईरान ने भारत आ रहे पुर्तगाल के झंडे वाले एक जहाज को ओमान की खाड़ी में होर्मुज पास से जब्त किया था। इस पर 25 क्रू मेंबर मौजूद थे जिनमें 17 भारतीय और दो पाकिस्तानी थे। यह शिप इजराइली अरबपति की एक कंपनी का था। बचे हुए 11 सदस्य अब भी ईरान की कैद में हैं। इससे पहले 18 अप्रैल को एक भारतीय महिला कैडेट एन टेसा जोसेफ को रिहा किया गया था। भारत के विदेश मंत्रालय ने जोसेफ की रिहाई पर कहा था कि सरकार शिप पर मौजूद बाकी 16 भारतीयों के संपर्क में हैं।

नक्सलियों के साथ फोर्स की एक बार फिर मुठभेड़

जगदलपुर/बीजापुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में शुक्रवार सुबह से ही सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ चल रही है। बताया जा रहा है की गंगालूर इलाके में पीडिया के जंगल में फोर्स के जवानों ने नक्सलियों के बड़े लीडर्स को घेर रखा है। नक्सलियों की पश्चिम बस्तर डिवीजन कमेटी के साथ जवानों की मुठभेड़ चल रही है। जानकारी मिली थी कि हार्डकोर नक्सली कमांडर लिंगा, पापाराव समेत बड़े लीडर्स का पीडिया में जमावड़ा है। नक्सलियों की कमेटी में बड़े नक्सली लीडर हैं। इसी सूचना पर दंतेवाड़ा, बीजापुर और

सुकमा इन तीन जिलों से फोर्स ने जॉइंट ऑपरेशन लॉन्च किया था। कोबरा बटालियन समेत फोर्स के 1200 से ज्यादा जवानों ने इलाके को घेर रखा है। सूत्र बता रहे हैं कि कुछ नक्सलियों को गोली लगी है। हालांकि, अधिकारी तौर पर इसकी पुष्टि अभी नहीं हुई। बीजापुर एसपी जितेंद्र यादव ने मुठभेड़ की पुष्टि की है। 15 अप्रैल को कांकेर जिले के माड़ इलाके में सुरक्षाबलों ने 29 नक्सलियों को मार गिराया था। इनमें नक्सली लीडर शंकर राव भी शामिल था। मुठभेड़ में इंस्पेक्टर रमेश चौधरी सहित 3 जवान घायल हुए। उस दौरान मौके से 5 एके-47 बरामद की गई थी।

जैसे ही लगी अर्थव्यवस्था को चपत, घबरा गया मालदीव

- **भागे-भागे भारत आए विदेश मंत्री, बोले- समझौता मजबूत करिए**

नई दिल्ली (एजेंसी)। मालदीव के विदेश मंत्री मूसा जमीर ने गुरुवार को संकेत दिया कि मुइज्जू सरकार भारत के साथ काम करना चाहती है, जबकि विदेश मंत्री एस जयशंकर ने इस बात पर जोर दिया कि द्विपक्षीय

संबंध आपसी हितों और पारस्परिक संवेदनशीलता पर आधारित हैं। जयशंकर-जमीर की बैठक के दौरान दोनों पक्षों ने मालदीव में भारत द्वारा चलाई गए कई प्रोजेक्ट की स्थिति पर चर्चा की। सूत्रों ने बताया कि दोनों पक्षों ने इन योजनाओं के जरिए होने वाले विकास और अन्य प्रोजेक्ट को लेकर अपनी-अपनी बात रखी। सूत्रों ने बताया कि मालदीव में भारत विरोधी बयानबाजी के बीच जमीर की भारत यात्रा इस बात का संकेत है कि पड़ोसी देश कामकाजी रिश्ते बनाने की कोशिश कर रहे हैं। सूत्रों ने बताया कि संसदीय चुनावों में शानदार जीत के बाद मुइज्जू प्रशासन बयानबाजी को किनारे रखकर भारत के साथ काम करना चाहेगा, जो अपनी आजादी के बाद से मालदीव में संकटों का सबसे पहले जवाब देने वाला देश रहा है। अपनी बयान में जमीर ने भारत की कुछ चिंताओं का समाधान करने का प्रयास किया और कहा कि उनके देश की सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए जरूरी कार्रवाई कर रही है कि लोग भारत के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी न करें।

सलकनपुर में कार पलटी, 3 की मौत, 9 घायल

भोपाल से बेटे का मुंडन कराने गए थे, लौटते समय डिवाइडर से टकराई

सीहोर (नप्र)। सीहोर जिले के सलकनपुर में शुक्रवार को कार बाउंड्रीवॉल से टकराकर पलट गई। हादसे में एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि नौ लोग घायल हो गए। सभी लोग भोपाल के रहने वाले हैं। वे कार से बेटे का मुंडन संस्कार कराने गए थे। हादसा शुक्रवार शाम करीब 6 बजे भैरव घाटी के पास हुआ। घायलों को रेहटी के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है। यहां से भोपाल रेफर किया जा रहा है।

भोपाल के डीआईजी बंगला क्षेत्र के चौकसे नगर में रहने वाले भरत पांडेय ने बताया, 'शुक्रवार सुबह मेरे बड़े भाई मोहित पांडेय के तीन महीने के बेटे का मुंडन संस्कार के लिए पिता शारदा पांडेय और चाचा राजेंद्र पांडेय परिवार समेत टवेरा से सलकनपुर गए थे। गाड़ी में तीन बच्चों समेत 12 लोग थे।'

एसडीओपीबुधनी शशांक गुर्जर ने बताया ' बिजासन माता के दर्शन के बाद भोपाल लौटते समय भैरव घाटी पर गाड़ी का संतुलन बिगड़ गया। कार घाट की बाउंड्रीवॉल से टकराकर पलट गई। राहगीरों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने एम्बुलेंस की मदद से घायलों को अस्पताल भिजवाया। दो लोगों की मौके पर मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति ने अस्पताल जाते समय रास्ते में दम तोड़ दिया।'

हादसे में इनकी मौत

राजेंद्र प्रसाद पांडे (70), शारदा प्रसाद पांडे (72) और लक्ष्मी नारायण निवासी हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, भोपाल।

ये लोग हुए घायल

1. मोहित पांडे (33) पिता राजेंद्र पांडे
2. शिखा तिवारी पांडे (29) पति मोहित पांडे
3. ज्योति वाजपेयी पति भरत पांडे
4. अपर्णा वाजपेयी पांडे पति सुरेश पांडे
5. मोनिका पांडे पिता राजेंद्र पांडे
6. गायत्री पांडे
7. पुष्पलता अवस्थी (90) पति स्व. सुशील अवस्थी
8. ओम पांडे (5 महीने) पिता मोहित पांडे
9. उषा पांडे पति राजेंद्र पांडे।

प्रो. संजय द्विवेदी डब्लूजेएसए के चेयरमैन बने

भोपाल। देश के वेब पत्रकारों के संगठन वेब जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन ऑफ इण्डिया की स्व नियामक इकाई वेब जर्नलिस्ट्स स्टैंडर्ड अथॉरिटी (डब्लूजेएसए) के पुनर्गठन के तहत प्रो. संजय द्विवेदी को चेयरमैन नियुक्त किया गया है। बिहार के से वानिवृत्त

आईपीएस कथाकार, कवि एवं लेखक ध्रुव नारायण गुप्त तथा सेवानिवृत्त आईएएस ओम प्रकाश यादव को मानद सदस्य मनोनीत किया गया है।

सात सदस्यीय इस एसआरबी में देश के वरिष्ठ पत्रकार उदय चन्द्र सिंह को वरिष्ठ पत्रकार मानद सदस्य और पटना उच्च न्यायालय के अधिवक्ता किंकर कुमार को मानद विधिक सदस्य की जिम्मेदारी दी गयी है। पूर्व की भांति संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष वरिष्ठ पत्रकार आनन्द कौशल और राष्ट्रीय महासचिव पत्रकार अधिवक्ता रंगकर्मी डॉ अमित रंजन को कार्यालयी सदस्य मनोनीत किया गया है। डब्लूजेएसए के राष्ट्रीय अध्यक्ष आनन्द कौशल ने कहा कि संस्था वेब पत्रकारिता में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत की वेब पत्रकारिता को नये आयाम प्रदान करेगी।

भारतीय मूल की उमा सोफिया ने लौटाया मिस टीन यूएसए का खिताब

वॉशिंगटन (एजेंसी)। भारतीय-मैक्सिकन मूल की उमा सोफिया श्रीवास्तव ने मिस टीन यूएसए का खिताब लौटा दिया है। उमा को पिछले साल, 2023 के लिए मिस टीन यूएसए का ताज पहनाया गया था। बुधवार को खिताब छोड़ने का ऐलान करते हुए श्रीवास्तव ने कहा कि उनके व्यक्तिगत मूल्य संगठन की दिशा के साथ पूरी तरह मेल नहीं खाते हैं। ऐसे में वह इस टाइटल को लौटा रही हैं। मिस टीन यूएसए ने उमा के फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए उनकी सेवाओं के लिए उनका शुक्रिया करते हुए कहा कि हम अपने कर्तव्यों से हटने के उमा सोफिया के फैसले का सम्मान और समर्थन करते हैं। संगठन ने कहा कि हम जल्द ही नई मिस टीन यूएसए की ताजपोशी की घोषणा करेंगे। उमा के खिताब लौटाने से दो दिन पहले ही मानसिक स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों का हवाला देते हुए नोएलिया वोइगट ने मिस यूएसए टाइटल छोड़ने का ऐलान किया है। उमा ने ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट में कहा, कई महीनों से इस पर फैसला लेने की कोशिश कर रही थीं, जिस पर आखिरकार मैंने निर्णय लिया है। मैंने मिस टीन यूएसए से रिजाइन करने का फैसला लिया है।

हुनर ऐसा कि इस लड़की के आगे बड़े-बड़े फैशन डिजाइनर

मिलेगा बड़ा मंच, बागपत की यह लड़की अब कान्स में दिखाएगी अपना जलवा

बागपत (एजेंसी)। कान्स फिल्म फेस्टीवल दुनिया के सबसे सम्मानित पुरस्कार समारोह में से एक है। जहां जाने का सपना हर फिल्म मेकर और ऐक्टर का होता है। इस बार ऐश्वर्या राय 14 मई से 25 मई तक होने वाले कान्स में वापसी के लिए तैयार हैं, तो अदिति राव हैदरी भी इसका हिस्सा बनेंगी। लेकिन, अब इन दोनों हसीनाओं से ज्यादा चर्चा उत्तर प्रदेश के बागपत जिले की एक लड़की की हो रही है, जो यहां अपने फैशन का जलवा दिखाएगी। दरअसल, हम बात कर रहे हैं सोशल मीडिया

इन्फ्लुएंसर और उभरती हुई फैशन डिजाइनर नैन्सी त्यागी की, जो अपने कमाल के फैशन सेंस के लिए जानी जाती हैं। नैन्सी न सिर्फ अपने कपड़े खुद डिजाइन करती हैं बल्कि वह थोड़े से बजट में ही बड़े-बड़े डिजाइनरों के आउटफिट भी तैयार कर देती हैं। आइए उनके कुछ आउटफिट पर नजर डालते हैं, जिनके सामने डिजाइनर भी फेल हैं। नैन्सी को इंस्टाग्राम पर 8 लाख 31 हजार लोग फॉलो करते हैं और उनकी क्रिएटिविटी को पसंद करते हैं। नैन्सी यहां ऑरेंज कलर के ऑफ शोल्डर गाउन में नजर आ रही हैं। जिसमें गोल्डन शिमरी टच है और गलव्स स्टाइल वाली स्लीवस लगी हैं। साथ ही थाई हाई स्लिट भी दिया गया है। जिसे उन्होंने हैवी ईयररिंग्स के साथ पेयर किया है।

देश के सिर्फ 22 लोगों के लिए काम करते हैं नरेंद्र मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। राहुल गांधी ने एक चुनावी जनसभा के दौरान कहा कि नरेंद्र मोदी 22 लोगों के काम करते हैं। जिनके पास 70 करोड़ लोगों के बराबर पैसा है। इसके लिए इंडिया गठबंधन ने फैसला किया है कि हम 22 अरबपति की जगह करोड़ों गरीब परिवारों को लखपति बनाएंगे। यूपी के कन्नौज लोकसभा से सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव चुनावी मैदान में हैं। जहां उनके समर्थन में चुनावी रैली के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने लोगों को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने जनता से कहा कि बीजेपी और मोदी सरकार ने देश का पैसा केवल 22 लोगों को दिया है। ये पैसा 70 करोड़ लोगों के बराबर है। अगर मोदी सरकार 22 अरबपति तैयार कर सकती है तो हम करोड़ों गरीब परिवारों की एक सूची तैयार करके उन्हें लखपति बनाएंगे।

भक्तिपथ

चार धाम यात्रा शुरू, केदारनाथ-यमुनोत्री और गंगोत्री के कपाट खुले, उमड़ी भीड़

- **पहले ही दिन भारी भीड़ प्रशासन के लिए चुनौती बनी, सीएम धामी ने किए दर्शन**

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड की चार धाम यात्रा शुक्रवार से शुरू हो गई है। केदारनाथ के कपाट सुबह 6.55 बजे और यमुनोत्री के कपाट सुबह 10.29 बजे खोले गए। दोपहर 12.25 बजे गंगोत्री धाम के कपाट खोले गए। जबकि बद्रीनाथ मंदिर में दर्शन 12 मई से होंगे। केदारनाथ के कपाट खुलने के बाद सीएम पुष्कर सिंह धामी अपनी पत्नी के साथ दर्शन के लिए पहुंचे। यहां पहले ही दिन हजारों लोगों की भीड़ के कारण अव्यवस्था देखने को मिली। इन चारों धामों पर दिन का तापमान 0 से 3 डिग्री दर्ज किया जा रहा है। वहीं, रात में पारा माइनस में पहुंच रहा है। इसके बावजूद केदारनाथ धाम से 16 किमी पहले गौरीकुंड में करीब 10 हजार श्रद्धालु पहुंच चुके हैं। पिछले साल यह आंकड़ा 7 से 8 हजार के बीच था। यहां करीब 1500 कमरे हैं, जो भरे हुए हैं। रजिस्टर्ड 5,545 खच्चर बुक हो चुके हैं। हरिद्वार और ऋषिकेश में 15 हजार से ज्यादा यात्री पहुंच चुके हैं। चार धाम यात्रा के लिए अब तक 22.15 लाख से ज्यादा श्रद्धालु पंजीकरण करा चुके हैं। पिछले साल रिकॉर्ड 55 लाख लोगों ने दर्शन किए थे। केदारनाथ-बद्रीनाथ मंदिर समिति के अध्यक्ष अजयेंद्र अजय के मुताबिक 9 मई की शाम 4 बजे डोली केदारधाम पहुंची। इसी से सबक लेते हुए उत्तराखंड पुलिस और पर्यटन विभाग ने पहली बार चार धाम यात्रा में श्रद्धालुओं की प्रतिदिन की संख्या सीमित कर दी है। पिछले साल चारों धामों में रोजाना 60 हजार से अधिक तीर्थयात्री दर्शन के लिए पहुंचे रहे थे। पर्यटन सचिव सचिन कुर्वे के मुताबिक एक दिन में 15 हजार श्रद्धालु केदारनाथ धाम पहुंचे।

नरेंद्र दाभोलकर हत्याकांड में दो लोगों को उम्रकैद की सजा

- **मास्टरमाइंड माने जा रहे डॉक्टर तावड़े समेत 3 लोग हुए बरी, पुणे की कोर्ट ने 11 साल बाद सुनाया फैसला**

पुणे (एजेंसी)। महाराष्ट्र अंधश्रद्धा निर्मूलन समिति के प्रमुख नरेंद्र दाभोलकर हत्याकांड में 11 साल बाद शुक्रवार को कोर्ट का फैसला आया है। पुणे में सीबीआई की स्पेशल कोर्ट के एडिशनल सेशन जज पीपी जाधव ने आरोपी सचिन अंदुरे और शरद कलस्कर को दोषी करार दिया। कोर्ट ने दोनों को उम्रकैद की सजा सुनाई है। हत्याकांड में कुल 5 आरोपी थे। इनमें डॉक्टर विरेंद्र सिंह तावड़े, विक्रम भावे और संजीव पुनालेकर को सबूतों के अभाव में बरी कर दिया गया। इनमें तावड़े, अंदुरे और कलस्कर जेल में हैं, जबकि पुनालेकर और भावे जमानत पर हैं। 20 अगस्त, 2013 को पुणे के महर्षि विट्ठल रामजी ब्रिज पर दो बाइक सवार अपराधियों ने दाभोलकर की गोली मारकर हत्या की थी। वीरेंद्र तावड़े पर दाभोलकर की हत्या की साजिश रचने का आरोप था। वह हत्याकांड का मास्टरमाइंड माना जा रहा था। दाभोलकर की हत्या के बाद अगले चार साल में तीन अन्य कार्यकर्ताओं की हत्याएं हुई थीं। फरवरी 2015 में कम्युनिस्ट नेता गोविंद पानसरे और उसी साल अगस्त में कन्नड़ स्कॉलर और लेखक एमएम कलबुर्गी की कोल्हापुर में गोली मारकर हत्या कर दी गई।

यूट्यूबर पर हमले में संदेहियों के फुटेज मिले

भोपाल पुलिस की तीन टीम तलाश में जुटी, 6 जगहों के सीसीटीवी भी देखे

भोपाल (नप्र)। भोपाल के मालवीय नगर में यू ट्यूबर भूपेंद्र जोगी पर हमले में आरोपी दो दिन बाद भी बेसुराग हैं। हमलावरों की तलाश में पुलिस की तीन टीमें जुटी हैं, जिसमें शामिल 15 पुलिसकर्मी अलग-अलग एंगल पर जांच कर रहे हैं। घटनास्थल के आस-पास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। एक जगह पुलिस पर संदेहियों के फुटेज मिले हैं। फुटेज धुंधले होने के कारण आरोपियों की पहचान नहीं हो सकी है। एसीपी अक्षय चौधरी ने बताया कि आरोपियों की तलाश में जोन-2 के तीन थानों से तीन टीमें जुटी हैं। इसमें 15 पुलिसकर्मी शामिल हैं। घटनास्थल के आस पास लगे 6 से ज्यादा सीसटीवी को खंगाला जा चुका है। एक जगह संदेहियों के फुटेज दिखे, लेकिन धुंधले होने के कारण शिनाख्त नहीं हो सकी। फरियादी ने किसी पर शक नहीं जताया है। किसी से भी रंजिश होने की बात से भी इनकार किया है। जल्द आरोपियों की गिरफ्तारी

कर ली जाएगी। बता दें कि मंगलवार को न्यू मार्केट स्थित दुकान बंद कर रात करीब 10:15 बजे भूपेंद्र जोगी (38) घर के लिए निकला था। अरेरा हिल्स थाने के नजदीक बापू की कटिया के पास मोपेड सवार दो युवकों ने पीछे से आने के बाद उन्हें पीछे चलते वाहन पर चाकू से कंधे पर वार किया। उनके गिरते ही आरोपियों ने एक अन्य वार हाथ में किया। इसके बाद बदमाश फरार हो गए। दोनों आरोपी चेहरे पर नकाब पहने हुए थे। फिलहाल वह निजी अस्पताल में भर्ती हैं।

6 महीने में मिली शोहरत

भूपेंद्र का 6 महीने पहले मीम वायरल हुआ था। 24 सितंबर 2023 को वायरल हुए इस मीम के बाद महज 6 महीने में भूपेंद्र इंटरनेशल फेम बन चुके हैं। अकेले इंस्टाग्राम पर उनके दो लाख से अधिक फॉलोवर्स हैं।

फॉलोवर्स में पूर्व मुख्यमंत्री भी शामिल

पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान भी भूपेंद्र की फॉलोवर्स लिस्ट में शामिल हैं। पिछले साल सितंबर महीने में पूर्व मुख्यमंत्री ने उनसे मुलाकात की थी। उन्हें सीएम हाउस आने का निमंत्रण दिया गया था। तब पूर्व मुख्यमंत्री ने भी उनके मीम को लेकर बात की थी। इसी के साथ प्रदेश सरकार की योजनाओं से संबंधी बातचीत भी की थी।

सोशल मीडिया से डेढ़ लाख रुपए से अधिक कमाई: भूपेंद्र ने बताया कि सोशल मीडिया पर उनकी बनाई वीडियोज को पसंद किया जाता है। उनकी हर वीडियो लाखों की संख्या में लोग देखते हैं। अकेले सोशल मीडिया से उनकी डेढ़ लाख रुपए से अधिक की कमाई हर महीने हो जाती है।

कम उम्र से कर रहे बिजनेस

महज 38 साल की उम्र में भूपेंद्र को बिजनेस करते हुए 15 साल बीत चुके हैं। उनका कहना है कि कम उम्र में उन्होंने पहले एक गार्मेंट्स शॉप में नौकरी कर एक्सपीरियंस हासिल किया। इसके बाद स्वयं इसी कारोबार को शुरू किया। आज भोपाल के सबसे बड़े बाजार न्यू मार्केट में स्वयं की दुकान का संचालन कर रहे हैं।

भोपाल में कारोबारी के घर 32 लाख नकद मिले

हवाला कारोबार से जुड़े होने की आशंका; बोला- कटे-फटे नोट बदलने का काम करता हूं

भोपाल (नप्र)। अशोका गार्डन के एक घर से पुलिस ने गुरुवार की रात करीब 32 लाख कटे-फटे, पुराने और नए नोट बरामद किए हैं। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि युवक मनी एक्सचेंज का काम करता है। उसके पास से एक लेटर मिलने की बात भी सामने आई है। हालांकि, पुलिस ने किसी तरह का पत्र मिलने से इनकार किया है। पुलिस हवाला के एंगल से भी मामले की जांच कर रही है। डीसीपी प्रियंका शुक्ला ने बताया कि कैलाश खत्री (38) पंथ नगर अशोका गार्डन में स्वयं के मकान में पत्नी और बच्चों के साथ रहते हैं। मुखबिर से मिली सूचना के बाद आचार संहिता के चलते उनके घर दबिश दी गई। उनके घर 31 लाख 87 हजार 73 रुपए मिले। इसमें पांच, दस, बीस, पचास और सौ रुपए के कटे-फटे और पुराने व नए नोट हैं। कैलाश ने पुलिस को बताया कि वह 2006 से मनी एक्सचेंज का काम कर रहा है। उसकी जहांगीराबाद में दुकान भी है।

कारोबारी बोला- नोट एक्सचेंज का काम करता हूं

कैलाश ने पुलिस को बताया कि वह पुराने कटे-फटे नोट एक्सचेंज करने का काम करता है। फटे नोट एक्सचेंज कराने पर एक लाख रुपए के बदले 75 हजार रुपए लौटाया करता था। आरबीआई ने वर्ष 2015 में पीएनबी को पत्र लिखा था, जिसमें कैलाश को फटे-पुराने नोट लेकर बैंक में जमा करने के लिए अधिकृत किया गया है। कैलाश ने बताया कि कुछ समय से बैंक ने यह नोट लेना बंद कर

दिए। इसके बाद वह इन्हें मुंबई और आगरा में जाकर बेचने लगा।

कोई लीगल दस्तावेज पेश नहीं कर सका

डीसीपी ने बताया कि आरोपी इतनी बड़ी संख्या में घर में कैश क्यों रखा था, इसका जवाब नहीं दे सका है। इसी के साथ उसके पास नोट एक्सचेंज कारोबार से जुड़े होने का कोई लीगल दस्तावेज नहीं मिला है। उससे पूछताछ की जा रही है। कुल रकम कितनी है, यह गिनती पूरी होने के बाद भी बताया जा सकेगा। प्रारंभिक तौर पर करीब 5 लाख रुपए की रकम की गिनती की जा चुकी है। छोटे नोट ज्यादा होने के कारण गिनती में समय लग रहा है।

मार्केट में कारोबारी के दलाल सक्रिय हैं : कैलाश के दलाल शहर के सभी प्रमुख मार्केट में सक्रिय हैं। वह दलालों को नोट एक्सचेंज कराने वाले ग्राहक लाने के एवज में कमीशन दिया करता था। उसने पुलिस को बताया कि 18 सालों से यही काम कर रहा है। मामले में आगे की जांच इनकम टैक्स डिपार्टमेंट करेगा। पुलिस ने आईटी को सूचना दे दी है।

भोपाल नगर निगम, चुनाव आयोग की मंजूरी के बिना सरचार्ज छूट का ऑफर

भोपाल (नप्र)। लोकसभा चुनाव की आचार संहिता के बीच भोपाल नगर निगम ने चुनाव आयोग की मंजूरी लिए बिना अपने उपभोक्ताओं को अधिभार (सरचार्ज) में छूट देने का ऑफर दे दिया। यह छूट 11 मई को होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत में दी जानी है; लेकिन अधिभार में छूट दी जा सकती है या नहीं, यह निर्णय चुनाव आयोग को करना है। छूट के लिए नगरीय आवास एवं विकास विभाग ने चुनाव आयोग को पत्र लिखा है, लेकिन यह अब तक मिली नहीं है। आचार संहिता में कोई भी नगर सरकार संपत्ति कर, जल उपभोक्ता प्रभार या ठोस अपशिष्ट कचरा प्रबंधन शुल्क में किसी भी तरह की छूट नहीं दे सकती। दरअसल, भोपाल नगर निगम के करीब 5 लाख उपभोक्ताओं को निगम की ओर से एक एसएमएस भेजा गया है। इसमें अधिभार में छूट का ऑफर है। निगम की राजस्व शाखा ने ये एसएमएस उन उपभोक्ताओं को भी कर दिए, जो पिछले वित्तीय वर्ष में अपने तमाम टैक्स व शुल्क जमा कर चुके हैं।

उन्हें भी मैसेज, जो सारे शुल्क चुका चुके

एक उपभोक्ता ने मीडिया को बताया कि निगम के एसएमएस से लगता है कि वे भी बकाएदारों की श्रेणी में हैं। एसएमएस के साथ भेजी गई लिंक भी नहीं खुल रही। इसके जरिए उपभोक्ता अपनी संपत्ति कर या जल उपभोक्ता प्रभार आईडी पर भी नहीं जा पा रहे हैं। राजस्व शाखा के अफसरों का कहना है कि ये लिंक 11 मई को ही ओपन होगी। टल सकती है लोक अदालत... वर्ष 2024 की दूसरी राष्ट्रीय लोक अदालत 11 मई को होनी है। विभाग के सूत्रों का कहना है कि आचार संहिता के कारण यह टल सकती है।

अभी तो विभाग को भी पता नहीं कि छूट देनी है या नहीं: विभाग से हमें एक पत्र आया था। इसके बाद हाई कोर्ट से मार्गदर्शन भी मांगा। हमने केवल अपनी तैयारी पूरी रखने के लिए ये एसएमएस जारी किया है। अधिभार में छूट दी जाएगी या नहीं, इसका निर्णय विभाग हमें अवगत करवाएगा।

- निधि सिंह, अपर आयुक्त भोपाल नगर निगम

जो टैक्स जमा करते हैं, उन्हें 6 प्रतिशत छूट मिलेगी

अफसर बोले- छूट उन्हीं को मिलेगी, जिन पर संपत्ति या अन्य टैक्स बकाया है और जुर्माना लगाया है। जो खाताधारक हर साल अपना संपत्तिकर जमा करते हैं, उन्हें 2024-25 में संपत्तिकर में 6 प्रतिशत की छूट मिलेगी। सभी खाताधारक राष्ट्रीय लोक अदालत में संपत्तिकर, जल उपभोक्ता प्रभार जमा कर लाभ उठा सकते हैं।

गौ-वंश से भरे पिकअप की डम्पर से टक्कर, तीन मौत

- सुबह 4 बजे नींद की झपकी में हुआ हादसा,11 मवेशियों ने मौके पर तोड़ा दम

छिंदवाडा (नप्र)। छिंदवाड़ा के देहात थाना क्षेत्र के झंडा रिंग रोड में शुक्रवार की तड़के डम्पर और पिकअप की आमने सामने की टक्कर हो गई। इस हादसे में जहां पिकअप में भरे 12 गौ-वंश की मौत हो गई। वही एक गौ-वंश घायल हुआ है। गौ तस्करी कर रहे तनवीर पिता हजरूद्दीन (26) आकोट, मोहसिन उर्फ पप्पू पिता नजीर खान (34) अमरावती नागपुर, समीर उर्फ गोलू हफीज खान निवासी ताज नगर नागपुर की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मृत गौ-वंश और मृतकों को कब्जे में ले लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जानकारी अनुसार आज सुबह 4 से 5 बजे के दरमियान गौ-वंश से भरी पिकअप अमरवाड़ा रिंग रोड से तेज गति से जा रही थी। इसी दौरान परासिया रिंग से एक रेत से भरा डम्पर आ रहा था। झंडा रिंग रोड के पास दोनों की आमने सामने की टक्कर हो गई। इस घटना में पिकअप में भरे 11 गौ-वंश की मौत हो गई। एक गौ-वंश गंभीर घायल हो गया। वही पिकअप ले जा रहे तीन लोगों की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मृत गौ-वंश और मृतकों को कब्जे में ले लिया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच में लिया है। डम्पर चालक का भी इस घटना में चोटें आई है। उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उसका इलाज जारी है।

छात्रावास अधीक्षक पर महिला ने किया रेप का केस

- छिंदवाड़ा के मिशन छात्रावास का मामला 11 साल से दुष्कर्म कर रहा था आरोपी

छिंदवाडा (नप्र)। छिंदवाड़ा के मिशन बालक छात्रावास अधीक्षक पर एक महिला ने दुष्कर्म का मामला कोतवाली थाने में दर्ज कराया है। दुष्कर्म का मामला सामने आने के बाद हड़कंप मचा हुआ। दरअसल विधवा ने मिशन बालक छात्रावास के अधीक्षक जैक्सन कुमार पर पिछले 11 साल से बच्चों की देखभाल के नाम पर शारीरिक शोषण का आरोप लगाकर एफआईआर दर्ज कराई है। महिला द्वारा आरोप लगाया गया कि छात्रावास में बच्चों के रहने और देखरेख की एवज में उन्होंने महिला को बहला फुसलाकर शारीरिक संबंध बनाए और फिर शादी करने का कहकर संबंध बनाए और फिर शादी से इंकार कर दिया और अब जान से मारने की धमकी भी दे रहे हैं मामले पर पुलिस ने जांच शुरू कर दी। महिला ने पत्रकारों से चर्चा के दौरान बताया कि उन्होंने जैक्सन कुमार के खिलाफ और रात के 11.30 बजे हमारी शिकायत दर्ज कराई है और अभी एमएलसी के लिए आई हूं । महिला ने बताया कि आरोपी ने उसे शादी का झांसा देकर 11 साल तक उसके साथ दुष्कर्म किया अब शादी की बात पर वह मुकर रहा है। वही जब वह शिकायत करने की बात कहने लगी तो उसे जान से मारने की धमकी दी गई। कोतवाली टीआई ने बताया कि महिला की शिकायत के आधार पर आरोपी के विरुद्ध धारा 376 सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर विवेचना जारी है।

जबलपुर में किशोरी के सिर पर पत्थर पटककर हत्या

शादी में शामिल होने आई थी

जबलपुर (नप्र)। जबलपुर में एक किशोरी के सिर पर पत्थर पटककर हत्या करने का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार खमरिया थाना के बिरनेर गांव में शुक्रवार सुबह 6 बजे 17 वर्षीय किशोरी की हत्या कर लाश को नहर के पास फेंक दिया गया। पुलिस ने पंचनामा कर शव को पीएम के लिए मेडिकल कॉलेज भिजवा दिया है। पुलिस के अनुसार किशोरी पास के ही गांव की रहने वाली थी और रात 10 बजे रिश्तेदारी में हो रही शादी समारोह में शामिल होने आई थी। जब वह घर नहीं लौटी तो उसकी तलाश की गई। आज उसका शव नहर के पास मिला।

भोपाल में नाबालिग से दुष्कर्म

इंस्टाग्राम पर हुई दोस्ती, दोस्त के घर ले जाकर वारदात को दिया अंजाम

भोपाल (नप्र)। भोपाल के गुनगा इलाके में एक 16 वर्षीय नाबालिग से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। आरोपी नाबालिग को उसके एक दोस्त के घर लेकर गया, जहां उसके साथ दुष्कर्म कर उसे पास के गांव में छोड़ दिया। नाबालिग की आरोपी विक्रम मीना नाम से कुछ दिन पहले इंस्टाग्राम पर दोस्ती हुई थी। दोनों के बीच बातचीत होने लगी। इसी बीच आरोपी मिलने का दबाव बनाने लगा। वह मिलने गई तो उसने दोस्त के घर ले जाकर दुष्कर्म किया। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर आरोपी को हिरासत में ले लिया है। पुलिस ने बताया कि नाबालिग जैसे ही आरोपी विक्रम से मिलने के लिए आई वह उसे जबरदस्ती अपनी बाइक पर बैठा कर उसे अचारपुरा में रहने वाले दोस्त के घर ले गया। जहां नाबालिग से ज्यादती की, जिसके बाद वह किशोरी को पास के गांव में ही छोड़कर चला वहां से भाग गया। पुलिस के मुताबिक शाम तक घर नहीं लौटने पर परिजनों ने लड़की की तलाश करना शुरू कर दी थी। तलाशी के दौरान किशोरी उसके भाई को रास्ते में मिली। जब भाई ने पूछताछ की तो नाबालिग ने सारी बात बता दी। दुष्कर्म की बात सुनकर परिजन नाबालिग को लेकर गुनगा थाना पहुंचे और आरोपी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई।

- पिपरिया नपा अध्यक्ष पति, विधायक प्रतिनिधि समेत 10 को 7 साल की जेल

गेहूं खरीदी में करप्शन में कोर्ट ने सुनाया फैसला

नर्मदापुरम (नप्र)। नर्मदापुरम जिले की पिपरिया में गेहूं खरीदी में हुए भ्रष्टाचार के मामले में नपाध्यक्ष पति और विधायक प्रतिनिधि समेत 10 लोगों को सात साल की सजा सुनाई गई है। सजा पाने वालों में शाखा प्रबंधक और तीन महिलाएं भी शामिल हैं। मामला 10 साल पुराना है। फैसला शुक्रवार को पिपरिया सेशन कोर्ट ने सुनाया।

छात्रा दरिंदों से आधे घंटे लड़ी, दांत से काटा

गैंगरेप के बाद बेहोश होती रही, फिर भी पुलिस को मौके पर ले जाकर सबूत दिखाए

शहडोल (नप्र)। शहडोल में हुए गैंगरेप के आरोपियों को पुलिस ने पकड़ लिया है। पुलिस ने उनके खिलाफ जो सबूत जुटाए हैं उसमें पीड़िता का अहम रोल रहा है। दरअसल, घटना के बाद पीड़िता चलने की हालत में भी नहीं थी तब वह पुलिस के साथ घटनास्थल पर पहुंची और उसने पुलिस को वो जगह दिखाई जहां उसके साथ घटना हुई थी। उसने जो बताया उसके मुताबिक पुलिस ने साक्ष्य इकट्ठा किए। साथ ही पीड़िता ने आधे घंटे तक जिस बहादुरी से आरोपियों का मुकाबला किया। उसकी हर कोई तारीफ कर रहा है। संघर्ष के दौरान पीड़िता ने एक आरोपी के हाथ पर दांत से कांटा था। एडीजी डी सी सागर का कहना है कि ये आरोपियों के खिलाफ सबसे बड़ा सबूत है जिसे कोर्ट में मजबूती से रखा जाएगा। दूसरी तरफ जिला प्रशासन ने पांचों आरोपियों के खिलाफ एनएसए की कार्रवाई की है। इनमें से दो आरोपी तो शहर के हिस्ट्री शीटर है। जिनके खिलाफ पहले भी कई मामले दर्ज हैं।

पुलिस ने पीड़िता के बयान लिए मगर नहीं मिला था घटनास्थल

गैंगरेप की घटना 6 मई को देर शाम हुई। जब पीड़िता कोचिंग से लौटते वक्त अपने दोस्त के साथ घटनास्थल से कुछ दूरी पर बातचीत कर रही थी। उसी दौरान पांचों आरोपियों ने दोनों को रोका और पैसे मांगे। जब पैसे नहीं मिले तो दोनों के फोन छीने। पीड़िता के दोस्त को तीन आरोपियों ने पकड़ा और उसके साथ मारपीट की। पीड़िता के मुताबिक दो लोग उसे पकड़कर जंगल के अंदर ले गए। उसने विरोध किया तो बाल पकड़कर घसीटा। पीड़िता को उस वक्त तक अंदाजा नहीं था कि वो उसके साथ क्या करने वाले हैं। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी, पीड़िता और उसके दोस्त को छोड़कर चले गए। दोस्त जैसे तैसे उसे घर ले गया। परिजन ने पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई। पुलिस ने मामले की तफ्तीश शुरू की। लेकिन, उसे घटनास्थल के बारे में सटीक जानकारी नहीं थी। दूसरे दिन पुलिस के आला अधिकारी पीड़िता के घर पहुंचे। उसकी हालत बात करने लायक नहीं थी। वह बार बार बेहोश हो रही थी। पुलिस अफसरों ने पीड़िता से पूछताछ की बजाय उसका हौसला बढ़ाया। उसी समय वह बेहोश हो गई। पिता ने पुलिस को बताया कि शुरूआती उपचार के बाद से जब उसे घर लाया गया तभी से उसकी ऐसी हालत है। करीब आधे घंटे बाद पीड़िता के परिजन ने पुलिस अधिकारियों को बताया कि पीड़िता घटनास्थल पर जाकर पूरा वाकया बताना चाहती है। इसके बाद महिला पुलिस को बुलाया गया। पुलिस पीड़िता को लेकर घटनास्थल पर पहुंची, जो मुख्य सड़क से करीब 300 से 400 मीटर अंदर था।

घटनास्थल पर मिली लाल साड़ी अहम सबूत

पीड़िता के मुताबिक दो आरोपियों ने उसके दोस्त को झाड़ी के पीछे बैठा दिया था। बाकी तीन लोग उसे पकड़ कर नाले की तरफ ले गए। पीड़िता को समझ आ चुका था कि उसके साथ क्या होने वाला है, इसलिए उसने विरोध किया तो मुख्य आरोपी लल्लू गुप्ता ने पेड़ की टहनी से पीड़िता की पिटाई की। पीड़िता पुलिस को वहां ले गई जहां उसके साथ बारी बारी से आरोपियों ने बलात्कार किया। वहां एक गंदी पुरानी लाल साड़ी पड़ी थी। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि लल्लू गुप्ता जब टहनी से उसकी पिटाई कर रहा था तभी उसकी नजर इस साड़ी पर पड़ी थी। उसने बाकी साथियों को रुकने के लिए कहा इसके बाद तीनों ने उसके साथ बलात्कार किया। इसके बाद एक आरोपी उसी के पास रुका, बाकी दो दोस्त के पास चले गए। वहां से दो और आरोपी पीड़िता के पास पहुंचे और उन्होंने भी रेप किया। इसी दौरान पीड़िता ने एक आरोपी के हाथ में दांत से काटकर खुद को बचाने की कोशिश की थी।

आरोपी के हाथ पर काटने का निशान बना सबसे बड़ा सबूत

पुलिस ने घटना के 24 घंटे बाद ही आरोपियों को गिरफ्तार किया। दरअसल घटना होते हुए किसी ने देखा नहीं था, लेकिन जिस जगह वारदात हुई वहां आरोपियों का आना जाना था। पुलिस ने आरोपियों की कुंडली खंगाल ली थी। लेकिन, उनका पता ठिकाना नहीं मिल रहा था। इसके बाद पुलिस को पता चला कि आरोपी उमरिया और रीवा में अपने रिश्तेदारों के घर छिपे हैं। सभी को रीवा और उमरिया के नवादा के जंगलों से गिरफ्तार किया। वारदात को अंजाम देने के बाद पांचों दो बाइक से रवाना हुए थे। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आरोपियों का मेडिकल करवाया। उसमें एक आरोपी के हाथ पर काटे जाने का निशान मिला। पुलिस के मुताबिक ये सबसे बड़ा सबूत है।

आरोपियों में 2 हिस्ट्रीशीटर, हत्या की कोशिश का मामला भी दर्ज

पुलिस ने जिन पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उनमें से दो ऐश्वर्य निधि गुप्ता उर्फ लल्लू गुप्ता (36 साल) और कैलाश उर्फ मन्नू पनिका (29 साल) इलाके के कुख्यात बदमाश हैं। इन पर हत्या की कोशिश, चोरी, लूट अपहरण समेत दर्जन भर से ज्यादा मामले पहले से दर्ज हैं। इन दोनों आरोपियों के घर को प्रशासन ने जमींदोज कर दिया है। स्थानीय लोगों के मुताबिक, 6 महीने पहले तक मुख्य आरोपी लल्लू गुप्ता समोसे, आलूबड़े और कोल्ड ड्रिंक्स की दुकान चलाता था। दुकान की आड़ में वह जुए सट्टे खिलाने का काम भी करता था। वह पहले भी जेल जा चुका है। हत्या के प्रयास के मामले में वह जमानत पर बाहर है। दूसरा आरोपी मन्नू पनिका चोरी के लिए बदनाम है। बाकी तीन आरोपियों का घर मुख्य आरोपी के घर से 1 किमी दूर है। तीन आरोपियों में साहिल कुरैशी (22 साल), मोह. शमीम (18 साल), मोह. अफजल अंसारी (28 साल) हैं।

संपादकीय

देश में हिंदू अल्पसंख्यक होंगे?

प्रधानमंत्री सलाहकर परिषद द्वारा लोकसभा चुनाव के चलते जारी अपनी जनसंख्या रिपोर्ट में आजादी के बाद देश में मुसलमानों की आबादी तेजी से बढ़ने और हिंदुओं की आबादी घटने सम्बन्धी जो रिपोर्ट जारी की गई है, उसकी प्रामाणिकता से भी ज्यादा अहम बात उसके टाइमिंग की है। देश में मतदान का तीसरा चरण पूरा होते ही यह रिपोर्ट जारी करवाई गई। पूरी रिपोर्ट का आशय हिंदुओं में अपनी संख्या और वर्चस्व को लेकर भय पैदा करना ज्यादा है। क्योंकि यह पुराने आंकड़ों पर आधारित है। भारत में 2011 के बाद से सरकार ने जनगणना ही नहीं कराई है। कहा जा रहा है कि अब यह काम 2025 में होगा। लेकिन सचमुच होगा ही, यह कोई नहीं जानता और इस जनगणना के आंकड़े सरकार के एजेंडे के अनुकूल नहीं रहे तो सार्वजनिक भी होंगे या नहीं, कहना मुश्किल है। रिपोर्ट का लुब्बो लुआब यही है कि भारत में 1950 से 2015 के बीच मुसलमानों की आबादी 43.15 फीसदी बढ़ी है। वहीं, हिंदू आबादी 7.82 फीसदी घट गई। आशय यही है कि एक दिन ऐसा आएगा कि हिंदू इस देश में अल्पसंख्यक हो जाएंगे और मुस्लिम बहुसंख्यक। सवाल यह है कि इस बात में कितनी सच्चाई है। रिपोर्ट बताती है कि हिंदुओं की आबादी हिंदू बहुल नेपाल में भी घटी है। परिषद ने ये आंकड़े 167 देशों में 1950 से 2015 के बीच आए जनसांख्यिकी बदलाव के अध्ययन के बाद जारी किए हैं। इन देशों में बहुसंख्यक उन्हें माना गया है, जिनकी आबादी 75 फीसदी से अधिक है। वहीं, अमेरिका की शोध संस्था प्यू रिसर्च के 2020 के अनुमान के मुताबिक भारत में मुसलमानों की दूसरी सबसे बड़ी आबादी है। पहले नंबर पर इंडोनेशिया और तीसरे पर पाकिस्तान है। परोक्ष रूप से यह रिपोर्ट हिंदुओं को अपने वजूद और धर्म की रक्षा के लिए चेताती है। इस रिपोर्ट के आने के बाद भाजपा ने कांग्रेस पर हमले शुरू कर दिए हैं तो कई विपक्षी पार्टियों ने इस पर सवाल उठाए हैं। राजद नेता तेजस्वी यादव ने कहा है कि केंद्र सरकार ने जनगणना किए बिना हिंदू और मुस्लिम आबादी का निर्धारण कैसे कर लिया। केंद्र की भाजपा सरकार वास्तविक मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए हिंदुओं-मुसलमानों के बीच दरार पैदा कर रही है। आप बिना जनगणना कराए ही आंकड़ों पर कैसे पहुंच गए? वहीं, केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि कांग्रेस ने 1971 के बाद वोट बैंक के लिए बांग्लादेशी घुसपैठियों, रोहिंग्या मुसलमानों के लिए बिहार ही नहीं बल्कि पूरे देश को धर्मशाला और चारागाह बना दिया। एक अनुमान के अनुसार, 2024 में भारत की कुल तकरीबन 147 करोड़ की आबादी में मुस्लिमों की जनसंख्या करीब 20 करोड़ है। वहीं, 1947 में आजादी के वक्त करीब 10 करोड़ मुस्लिम भारत में थे। बंटवारे के बाद करीब 3.5 करोड़ मुस्लिम भारत ही रह गए। भाजपा प्रवक्ता सुधांशु द्विवेदी ने कहा कि कांग्रेस मुस्लिमों को आबादी के आधार पर आरक्षण देने पर तुली हुई है तो वह अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और ओबीसी के हिस्से में कटौती करेगी। हकीकत यह है कि मुसलमानों में चार शादियों की इजाजत होने के बाद भी गिने-चुने मुसलमानों की एक से अधिक बीवियां हैं। यही नहीं शिक्षा के प्रसार व आर्थिक दबावों के चलते मध्य व उच्च वर्ग के मुसलमानों की संतानें भी अब दो या तीन ही होती हैं। इसलिए यह दावा कि आने वाले कुछ सालों में मुसलमानों की संख्या हिंदुओं से ज्यादा हो जाएगी, केवल खाम खयाली है। असल मकसद हिंदू वोटों को लामबंद करना है। भाजपा इस बार लोस के तीनों चरणों में तुलनात्मक रूप से कम वोटिंग के कारण चिंता में है। इसीलिए रिपोर्ट का जिन्न बाहर निकाला गया है।

महिलाओं के मानसिक स्वास्थ्य पर विमर्श की दरकार

नजरिया

चित्रा माली

लेखिका महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय क्षेत्रीय केंद्र कोलकाता में गांधी एवं शांति अध्ययन विभाग में सहायक प्रोफेसर हैं।

महिलाओं के द्वारा ही समाज और परिवार की संस्था को कायम रखते हुए एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक परंपरा, संस्कृति और रीति रिवाजों के नाम पर इसे अनवरत आगे बढ़ाया जाता हैं बिना कोई प्रश्न किए क्योंकि इस व्यवस्था में प्रश्न का पूछा जाना विद्रोह है । बहरहाल महिलाओं को गढ़ने की इस प्रक्रिया में उन्हें एक बेहतर बेटी, पत्नी,मां,बहू और अन्य रिश्तों में भी परफेक्ट बने रहने की सीख दी जाती है। इन सीखों और नसीहतों के साथ वे अपनी मां,दादी और नानी की तर्ज पर सामंजस्य स्थापित करने की कोशिश करती रहती है बिना किसी प्रश्न के । इस विमर्श में पितृसत्ता के दोहरे चरित्र को भी देखे जाने की आवश्यकता है । इस व्यवस्था में शादी योग्य कन्या का शिक्षित होना भी आवश्यक है और उसी के साथ कहीं नौकरी करती हो और अच्छी खासी तनख्वाह हो तो बात ही क्या लेकिन इसके साथ ही उसे संस्कारी होना भी आवश्यक है जो पूरे परिवार के साथ सामंजस्य स्थापित कर सुपर वूमन की परिकल्पना को सार्थक करें ।

भारतीय परिवारों में महिलाओं के स्वास्थ्य को कभी गंभीरता से नहीं लिया जाता है जब तक कि वे बीमारी से संघर्ष करती हुई बिस्तरा न पकड़ लें। ऐसे में महिलाओं के मानसिक स्वास्थ्य की किसे परवाह हो सकती है । महिलाओं के मानसिक स्वास्थ्य की समस्याओं को गंभीरता से न लेते हुए हम बड़ी ही आसानी से इसे पाश्चात्य बता सकते है और इसके एवज में कई सारे तर्क दे सकते हैं लेकिन इस पर वर्तमान संदर्भों में बात करने की अत्यंत आवश्यकता है क्योंकि अवसादग्रस्त महिलाओं की संख्या में तेजी से इजाफा हो रहा है और वे कई प्रकार के मानसिक रोगों से ग्रस्त हैं । जिस प्रकार से पूंजीवादी व्यवस्था में मजदूर की हैसियत एक पुर्जे के अतिरिक्त और कुछ नहीं है उसी प्रकार से पितृसत्तात्मक व्यवस्था में भी महिलाओं को,उनकी उपयोगिता को उनके श्रम से आंका जाता है । इस घरेलू श्रम का उसे कोई मेहनताना भी नहीं दिया जाता है और ना ही वे कभी इसकी मांग करती है । महिलाओं के द्वारा ही समाज और परिवार की संस्था को कायम रखते हुए एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक परंपरा, संस्कृति और रीति रिवाजों के नाम पर इसे अनवरत आगे बढ़ाया जाता हैं बिना कोई प्रश्न किए क्योंकि इस व्यवस्था में प्रश्न का पूछा जाना विद्रोह है। बहरहाल महिलाओं को गढ़ने की इस प्रकिया में उन्हें एक बेहतर बेटी, पत्नी,मां,बहू और अन्य रिश्तों में भी परफेक्ट बने रहने की सीख दी जाती है। इन सीखों और नसीहतों के साथ वे अपनी मां,दादी और नानी की तर्ज पर सामंजस्य स्थापित करने की कोशिश करती रहती है बिना किसी प्रश्न के। इस विमर्श में पितृसत्ता के दोहरे चरित्र को भी देखे जाने की आवश्यकता है। इस व्यवस्था में शादी योग्य कन्या का शिक्षित होना भी आवश्यक है और उसी के साथ कहीं नौकरी करती हो और अच्छी खासी तनख्वाह हो तो बात ही क्या लेकिन इसके साथ ही उसे संस्कारी होना भी आवश्यक है जो पूरे परिवार के साथ सामंजस्य स्थापित कर सुपर वूमन की परिकल्पना को सार्थक करें। आज हर कहीं परफेक्ट होने की मुहिम जारी है जिसमें महिलाओं को ब्रेन विथ ब्यूटी के साथ साथ एक बेहतर पत्नी जो अपने पति की हर छोटी बड़ी समस्या को हल करने में सक्षम हो उसकी शारीरिक और मानसिक जरूरतों को आसानी से पूरा कर सके और उसके बच्चों की परवरिश करें उनकी आवश्यकताओं का ध्यान रखें और उनकी सुपर मॉम बन हर काम को चुटकियों में खत्म कर दें। सास ससुर के साथ साथ अन्य रिश्तेदारों की जरूरतों का भी पूरा ध्यान रखते हुए अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करें । जबकि पुरुषों के साथ इस तरह की कोई शर्त नहीं रहती है उसका सिर्फ कमा कर लाना ही परिवार के लिए काफी होता है । परिवार और दफ्तर की अलग

अलग भूमिकाओं में उसके अपने अस्तित्व का कुछ अंश ही सांस ले पाता है या कहे विकसित हो पाता है । बाकी रूटीन लाइफ का हिस्सा बनते बनते कहीं लुप्त हो जाता है। यही लुप्त हिस्सा कहीं न कहीं अवसाद का कारण भी बनता है । लगातार परफेक्ट बनने की चाह भी एक प्रकार की कुंठा को जन्म देती क्योंकि परफेक्ट जैसा कुछ है ही नहीं अन्यथा प्रकृति ने हमें क्यों विविधताओं और भिन्नताओं के साथ निर्मित किया है। अवसाद (डिप्रेशन) और चिंता विकार (एंजायटी) ये दो शब्द आजकल हर कहीं सुने जा सकते हैं । महिलाओं में इनके लक्षणों को हार्मोनल चेंजेस (हार्मोन परिवर्तन) के समय देखा जा सकता है । खासतौर पर मासिक धर्म के पहले के दिनों के आस पास, गर्भावस्था के पूर्व, गर्भावस्था के दौरान या उसके बाद जिसे प्रसवकालीन अवसाद कहा जाता है । ये सभी अवसाद अलग अलग होते हैं। रजोनिवृत्ति के दौरान जिसे पेरिमेनोपॉजल अवसाद कहा जाता है। इसके अतिरिक्त महिलाओं को उचित महत्व न मिलना, उनके अधिकारों का लगातार हनन होना,उनका उचित ध्यान न रखा जाना, उनका लगातार घरेलू और मानसिक हिंसा का शिकार होना,लंबी बीमारी से उपजा या हीनता के बोध से उपजा अवसाद भी हो सकता है । फ्रायड द्वारा विकसित मनोविज्ञान के अनुसार स्त्री लिंग की अनुपस्थिति से उपजे हीनता - बोध में ताउम्र जीती है। केट मिलेट ने फ्रायड की आलोचना की ओर कहा कि महिलाओं में हीनता का कारण मनोवैज्ञानिक नहीं बल्कि सामाजिक है । सिमोन द बोउवार ने महिलाओं को महज जैविक उत्पाद नहीं, बल्कि सामाजिक उत्पाद करार देते हुए इडिपस और कैस्ट्रेशन कॉम्प्लेक्स के विषय में कहा कि यदि लड़के और लड़की दोनों की परवरिश समान सामाजिक वातावरण में की जाए तो दोनों को ही ये ग्रंथियां नहीं झेलनी पड़ेगी। फ्रीडन ने दावा किया कि महिलाएं लिंग की अनुपस्थिति के कारण हीनता के बोध से ग्रसित नहीं होती है क्योंकि उनके पास प्रजनन का पूरा मैकेनिजम है जो जाहिर है कि पुरुषों के पास नहीं है। महिलाओं में अवसाद के सामान्य लक्षण जैसे अत्यधिक या कम सोना,हमेशा सिर दर्द का बना रहना,पाचन संबंधी समस्या, गुस्सा, चिड़चिड़ापन,कार्य करने की क्षमता में कमी, अत्यधिक भय और चिंता,ऐसी चीजें दिखाई और सुनाई देना जो वास्तव में है ही नहीं, भूख न लगना, लगातार उदासी या निराशा की बातें करना,लोगों से दूरी बना लेना, अकेले या चुप रहना,अत्यधिक उच्च या निम्न मनोदशा जिसमें अत्यधिक उत्साह या घोर निराशा और ऐसे विचार या व्यवहार जो काम,परिवार और सामाजिक जीवन में बाधा उत्पन्न करते हैं। महिलाओं में अवसाद के ये लक्षण सामान्य लग सकते हैं लेकिन इनके पीछे के कारणों को जानना अत्यंत आवश्यक है जो कहीं न कहीं सामाजिक पारिवारिक हिंसा व भेदभाव के फलस्वरूप उत्पन्न हुए हैं । समाज और परिवार में आज भी स्त्री - पुरूष में भेद किया जाता है । परिवार में जब कभी भी कोई पुरुष बीमार होता है तो उसके स्वास्थ्य का पूरा ध्यान रखा जाता है वहीं अगर कोई महिला अस्वस्थ होती है तो पहले तो वह खुद ही उसे गंभीरता से नहीं लेती है और यदि स्थिति ज्यादा खराब हो जाती है तो परिवार द्वारा सामान्य इलाज करवा दिया जाता है लेकिन उसके खान पान पर,उसकी मानसिक परेशानियों पर कोई विशेष ध्यान नहीं दिया जाता है। अवसादग्रस्त महिलाओं को मानसिक स्पोर्ट की आवश्यकता होती है जिससे वे भय और चिंता से मुक्त हो सामान्य जीवन यापन कर सकें। महिलाओं के व्यवहार में इन बदलाओं के प्रति जागरूक होने की आवश्यकता है ताकि समय रहते उनकी परेशानियों को समझा जा सके और उनसे उन्हें निजात दिलाई जा सके। इसी के साथ महिलाओं को खुद के प्रति और अपने स्वास्थ्य के प्रति सचेत व जागरूक होने की भी जरूरत है। महिलाओं को स्व-देखभाल की भी आवश्यकता है जो उनके मानसिक स्वास्थ्य को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है ।

राजनीति

सैम पित्रोदा से उपजे कुछ सवाल

प्रो. कन्हैया त्रिपाठी

लेखक भारत के राष्ट्रपति के ओएसडी रह चुके हैं। आप पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय में चेयर प्रोफेसर हैं।

सैम पित्रोदा ने आनन-फानन में कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया। तीसरे चरण का चुनाव हो रहा था। सैम पित्रोदा खेल रहे थे अबूझ खिलाड़ी की तरह कबड्डी-कबाड़ी-कबड्डी। चुनाव के बीच में इन्तेल्क्चुअल कम्युनिटी के बीच खेलने वाले सैम पित्रोदा चित्त हो गए। अपने मान-मर्यादा को खोकर जाते जाते वह कांग्रेस का कुछ वोट खाकर गए। महत्वपूर्ण बात यह है कि सैम पित्रोदा नादान नहीं हैं। वह भारत में राष्ट्रीय ज्ञान आयोग के सूत्रधार रहे हैं। उन्होंने कांग्रेस का खूब लाभ लिया। खूब कांग्रेस से यश प्राप्त किया। देश में इन्टेलेक्चुअल कम्युनिटी को ज्ञान देने वालों को भारत का पता नहीं है शायद। यदि उन्हें पता भी होगा फिर भी आखिर क्या वजह है कि वह कुछ भी बोल जाते हैं। कुछ भी नहीं पता है तो किसी कांग्रेस कैडर से कोचिंग ले लेते देश का तो पता चल जाता। वह ज्ञानी बनकर कुछ भी क्यों बोलते रहे? वह कुछ सोच-समझकर क्या अनर्गल बयानबाजी कांग्रेस की मजबूती के लिए यह सबकुछ कर रहे थे।

दरअसल, यह देश मजावादी लोगों का है। देश की तमाम पोलिटिकल पार्टियों में कुछ ऐसी भी शख्सियतें होती हैं जो मजे लेती रहती हैं। उन्हें पार्टी की कुछ भी पड़ी नहीं होती है। लेकिन इसमें कोई शक नहीं की पार्टियाँ ऐसे लोगों के कारण मात खाती हैं। सैम पित्रोदा कुछ ऐसी ही शख्सियत हैं जो पिछले चुनाव में बोल गए थे-जो हुआ, वो हुआ। इसे बीजेपी ने खूब भुनाया और सैम अंकल को उन दिनों भी समझ नहीं आया था कि 1984 के बारे में जो हुआ वो हुआ, बोलना चाहिए कि नहीं पर बोल गए थे। मतदाता बहुत उहापोह में है तो देश में सन 2024 के लोक सभा चुनाव के तीसरे चरण आते आते बोल गए सैम। बोले तो कुछ हल्का नहीं बोले पूरा का पूरा बम जैसा बोले जिससे कांग्रेस भी धड़ाम से गिरी।

सैम की पहली गलती, इनहेरिटेंस टैक्स का ज़िक्र छेड़ते हुए ये कहा कि इस पर भारत में भी चर्चा होनी चाहिए, जिसे बीजेपी ने एक बड़ा चुनावी मुद्दा बना दिया। सैम की दूसरी गलती, भारत जैसे विविधता से भरे देश को एकजुट रख सकते हैं, जहाँ पूर्व में रहने वाले लोग चाइनीज़ जैसे दिखते हैं, पश्चिम में रहने वाले अरब जैसे दिखते हैं, उत्तर में रहने वाले मेरे ख्याल से गोरे लोगों की तरह दिखते हैं, वहीं दक्षिण में रहने वाले अफ्रीकी जैसे लगते हैं। इससे फ़र्क़ नहीं पड़ता। हम सब भाई-बहन हैं। स्टेट्समैन अख़बार को उन्होंने एक सवाल के उत्तर में जब यह दो गलतियाँ कर दी तो फिर बम फूटेगा ही। यह एक इंटेलेक्चुअल लोगों के बोल हैं। भारत में बात पकड़ने की आदत नहीं उडती हुई चिड़िया पकड़ने की भी आदत है। चुनाव का समय हो, चुनाव चल रहे हों, ऐसे समय में इंटेलेक्चुअल बात हो या सामान्य बात, सब पकड़ ली जाएगी। कोई भी स्व-घोषित या तथाकथित इंटेलेक्चुअल हो, यह न सोचे कि वह कुछ भी कहकर निकल जाएगा और उसकी चल पड़ेगी। सैम पित्रोदा फिर भला किस कांफिडेंस से यह कहकर निकलना चाह रहे थे यह भी बात सोचने वाली है।

भारत के बारे में, भारत के लोगों के बारे में सैम को इसीलिए कहा जाता है कि कुछ भी नहीं पता है। वह ऐसे ऊल-जुलूल बयान कैसे दे सकते हैं। वह इन्हेरिटेंस टैक्स की चर्चा कराना चाहते हैं और देश की विविधता को मजाक का विषय करार देकर भारतीय मानस में हीरो बनने कि इच्छा पालकर निकल जाना चाहते हैं, और यह भी सोचते हैं कि भारत में कुछ भी बोला जा सकता है। इन गलतियों ने इस बार सैम की हड्डी-पसली गला दी। उनकी सारी विद्वत्ता पर सवाल खड़ा कर दिया। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी का पलटवार कि मैं आज बहुत गुस्से में हूँ। मुझे कोई गाली दे, मुझे गुस्सा नहीं आता। मैं सहन कर लेता हूँ। लेकिन आज शहजादे के फिलॉस्फर-सैम पित्रोदा ने इतनी बड़ी गाली दी है, जिसने मुझमें गुस्सा भर दिया है। कोई मुझे ये बताए कि क्या मेरे देश में चमड़ी के आधार पर योग्यता तय होगी? संविधान सिर पर लेकर नाचने वाले लोग चमड़ी के रंग के आधार पर मेरे देशवासियों का अपमान कर रहे हैं। भारत के प्रधानमंत्री जो पूरा अटैक मुद्रा में जनता के बीच हैं। विपक्ष से पुरजोर ताकत के साथ लड़ने की मुद्रा में हैं वह भला ऐसे विषय को कैसे जाने देते, सारी सैम की बुद्धि पर ही सवाल खड़े कर दिए। सैम पर पूरा देश गुस्से से देखने लगा। सैम अब ज्ञान आयोग वाले सैम न होकर अज्ञान के महावीर बन गए।

यह देश बहुत ही कमाल का है। हर समय कुछ ऐसे किस्से के साथ बहता है कि देश के लोग मनोरंजन के मूड में आ जाते हैं। दिलचस्प बात यह है कि अभी हाल ही में मारिया आलम खान के वोट फॉर जिहाद वाला बयान ठंढा भी नहीं हुआ था कि सैम अंकल ने ये दूसरा मुद्दा ला खड़ा कर दिया। बन गया नया न नया बावला। यही तो भारत की जनता को मनोरंजन, बातचीत करने के लिए चाहिए। सैम और मारिया जैसे बहाने जनता भी ढूँढती है। भारत के हर नुक्कड़ पर, गोमटी-चौराहों पर अब मारिया और अंकल सैम बातचीत के लिए मुद्दा हैं। जहाँ चुनाव हो चुके वहां थोडा कम। जहाँ चुनाव चल रहे हैं वहां पुरजोर इन्हीं को लेकर बातचीत हो रही है। यह इस देश के लोकतंत्र की खूबसूरती भी है कि बातें बहुत होती हैं और जनता मजे भी लेती है। देश में जो भी हो सैम के भी परखचे उड़ गए। उन्हें कांग्रेस के उस विशिष्ट पद से हाथ धोना पड़ा और मुह छिपाकर आखिर भागना पड़ा है।

मध्य चुनाव में कांग्रेस के ये बडबोले सैम कांग्रेस पार्टी को अपनी क्षमता अनुसार जो खाद-पानी दिए थे, उसे वे सूद सहित उसूलते हुए उसको घाटा देकर गए हैं। देश में इंटेलेक्चुअल लोग भी कांग्रेस कि डुबाने में पीछे नहीं रहे हैं। उन्होंने भी कांग्रेस को खूब नुकसान पहुँचाया है। इसका फायदा अगर बीजेपी को मिलती है और वह अपने 400 पार के आंकड़े को खड़ा कर लेती हैं तो इसमें निश्चित रूप से इन इंटेलेक्चुअल सैम जैसे अंकल का बड़ा सहयोग भी होगा जो अपने बडबोलेपन से कांग्रेस को मिटटी में मिलाने से पीछे नहीं हटे हैं। सत्यनारायण गंगाराम पित्रोदा जो सैम पित्रोदा के नाम से अब मशहूर हैं उनके जीवन की कहानी भी दिलचस्प है। उन्होंने भारत में आईटी को बढ़ाने में निःसंदेह बड़ी दिलचस्पी ली। राजीव गाँधी के बेहद करीबी थे। वह राजीव गाँधी की मृत्यु के उपरांत निराश हुए और विदेशों में अपने आपको सिमट जाने की भी सोच रखते थे लेकिन कांग्रेस से उनका लगाव भी रहा हा, इससे इनकार नहीं किया जा सकता। उन्होंने अपने तरह से भारत को देखा। यह उनकी दृष्टि है लेकिन उन्होंने जो कहा वह उनकी भावनाओं तक केवल सिमट जाएगी, यह तो बात संभव ही नहीं है।

अब चाहे वह खुद इस्तीफा दिया या उनसे इस्तीफा देकर भागने को बोला गया हो, यह सब कयास जनता लगाएगी ही। कांग्रेस का इससे जो सियासी नुकसान हुआ है उसे तो कांग्रेस को ही झेलना पड़ेगा। उसके लिए उसके ही अपने ही लोग कांटे के जाल बिछा जाते हैं यह इससे ज़रूर तथ्य निकलकर सामने आया है। कांग्रेस के लिए अपने हिसाब से फूल बोने वाले लोग शूल बन जाएंगे, यह उसका अपना दुर्भाग्य है। सैम के बहाने कांग्रेस अपने हार के ठीकरे फोड़ने के बहाने भी अब ढूँढ़ चुकी है, उसका भी कोई फायदा हुआ हो या नहीं लेकिन यह फायदा उसे तो मिल ही गया है। भारत जोड़ो और न्याय यात्रा के बाद हार के ठीकरे फोड़ने के बहाने निःसंदेह सैम अंकल बन ही जाएंगे। जो भी हो सैम पित्रोदा से उपजे सवाल निश्चय ही कांग्रेस को हिला दिए हैं।

गारंटी, विज्ञापन और अविश्वास

कटाक्ष

सुधाकर आशावादी

विज्ञापन युग में गुणवत्ता की कोई गारंटी नहीं होती। क्रेता सावधान का नियम लागू होता है। सावधानी घटी, दुर्घटना घटी की तर्ज पर तनिक सी असावधानी परेशानी का सबब बन सकती है। वैसे जहाँ गुणवत्ता होती है, वहां विज्ञापन की आवश्यकता नहीं होती। यह कह कर गारंटी दी जाती है, कि पहले इस्तेमाल करें, फिर विश्वास करें। मगर पहले इस्तेमाल करने का अवसर मिलेगा, तभी तो विश्वास या अविश्वास की बात होगी। यदि कोई इस्तेमाल करने से ही इंकार कर दे, तो जबरन विश्वास नहीं दिलाया जा सकता। वैसे क्रेता जागरूक हों या न हों, किन्तु उत्पादों की बिक्री करने वाले प्रतिस्पर्द्धी दुकानदार अवश्य जागरूक रहते हैं। वह मार्किट में अपने पडोसी दुकानदारों के माल पर दिव्य दृष्टि गड़ाए रहते हैं, कि माल विज्ञापन के अनुरूप है अथवा नहीं। वह एक दूसरे की शिकायत करने से भी नहीं हिचकते।

गली मोहल्ले के दुकानदारों, रेहड़ी पटरी वालों से लेकर बड़ी बड़ी सियासी दुकानों पर अपना अपना माल बेचने की होड़ मची है। लोग मज़मा लगाकर अपने माल की बिक्री बढ़ाने का जतन कर रहे हैं। कुछ की दुकानों पर विशेष आकर्षण है, भीड़ को देखकर अनायास ही भीड़ बढ़ रही है, मजमे के नायक से प्रभावित होकर कुछ यू ट्यूबर्स उसके इर्द गिर्द इकट्ठा हैं, ये वहीं हैं जो रातोंरात कभी बाबा के ढाबे को मशहूर करते हैं, कभी बड़ा पाव गर्ल की सड़क पर लगने वाले ठेले को। जिनकी स्ट्रीट फूड दुकानों पर भीड़ नहीं लगती, वे भीड़ वाली दुकानों के विरूद्ध दुष्प्रचार करने के नए नए तरीके खोजने में जुटे रहते हैं। कुछ फूड ब्लॉगर तो इसी फ़िराक में रहते हैं, कि किसी भी अच्छी खासी लोकप्रिय दुकान पर जाओ, उसके भोज्य पदार्थों पर मोबाइल कैमरे की नजर घुमाओ तथा बिना दुकानदार की आज्ञा के भोज्य पदार्थ की तारीफ करने लगो। अपनी दुकान की प्रशंसा भला किसे अच्छी नहीं लगती। दुकानदार भी जलेबी, कचौड़ी का एक दौना यू ट्यूबर फूड ब्लॉगर के हाथ पर रख देता है। फिर शुरू होता है जायका प्रदर्शित करने वाली जिह्वा की एक्टिंग का खेल, वाह... क्या जायका है, ऐसा जायका अब से पहले किसी व्यंजन में आया ही नहीं। फिर दुकानदार तुरंत एक दौने में मालपुआ रखकर फूड ब्लॉगर के सम्मुख प्रस्तुत कर देता है और फिर शुरू हो जाती है फूड ब्लॉगर की एक्टिंग, कि यदि अमुक शहर में आओ. तो अमुक हलवाई की गुलाब जामुन, अमुक हलवाई की जलेबी कचौड़ी, अमुक हलवाई की रबड़ी, रसमलाई का जायका लेना मत भूलना, क्योंकि मैंने इनका स्वाद लेकर ही विश्वास किया है। अब फूड ब्लॉगर पर विश्वास करना या न करना यू ट्यूब चैनल्स देखने वालों पर निर्भर रहता है। बात विश्वसनीयता की है। आसानी से किसी पर विश्वास नहीं किया जा सकता।

सदियों से हम जिसे इस्तेमाल करके विश्वास कर रहे हों, कब वह अविश्वसनीय हो जाए, कहा नहीं जा सकता। दुकानदारी राजनीतिक हो या व्यापारिक, विश्वसनीयता की संकट हर तरफ है। एक दूसरे की विश्वसनीयता को कम करने के फेर में प्रतिस्पर्द्धी महाभारत मचाए हुए हैं। कोई फेक वीडियो प्रसारित कर रहा है, कोई भावी आशंकाओं से ग्राहकों को अवगत कराने में जुटा है।

ग्राहक भ्रमित हैं कि किसे सच माने, किसे झूठ। सच तो यही है कि दुकानदार स्वयं ही भ्रमित है। उसे स्वयं ही नहीं पता कि वह जिस उत्पाद का विज्ञापन कर रहा है , वह उत्पाद उसकी दुकान में उपलब्ध है भी या नहीं। वैसे चाहे बाबा का ढाबा हो या किसी आकर्षक लेडी का बड़ा पाव, कुछ समय के लिए आकर्षण से स्वाद के शौक़ीनों को अपने पास बुला सकता है, लेकिन बिना गुणवत्ता के लम्बे समय तक भ्रमित नही कर सकता। यही नियम हर क्षेत्र पर लागू रहता है। चाहे क्षेत्र सामाजिक हो, राजनीतिक हो या चटपटे स्वाद के लिए मशहूर हलवाई की दुकान ।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

संपादक - उमेश त्रिवेदी

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)

RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

विकास के लिए

पूरन सरमा

लेखक व्यंग्यकार हैं।

मोहल्ले के विकास में कोई दो राय नही है अब, क्योंकि चन्दे की रसीदें बड़ी दुरुतगति से काटी जा रही हैं। वे पाँच लोग थे-जिन्हें देखकर सामान्य गृहस्थ थर-थर काँपने लगते थे। वे आते, खीसें निपोरते तथा गन्दे दाँत दिखाकर कहते-'देखिये साहब, थोड़ी देर हमारे साथ भी चलिये-आखिर सामुदायिक विकास का मामला है। अब यह अकेले ही हमारा कार्य तो है नहीं।'

मैं और डर जाता तथा कहता-'भाई, मुझे तो बाजार जाना है। अब बताइये क्या प्रोग्राम है। मेरा मतलब कोई चंदे की बात हो तो मेरा पूरा योगदान है।'

तब उनमें से एक आदमी रसीद बुक लेकर आगे बढ़ता और कहता है कि देखिये कल पौष बड़ों का कार्यक्रम है। भगवान का काम है- जो भी देना हो स्वेच्छा से दे दीजिये। मन में आता है कि स्वेच्छा से तो मैं फूटी कौड़ी भी नहीं देना चाहता। लेकिन मन मार कर कहता-'अब बताइये भी, और क्या दे रहे हैं ?'

'देखिये, अभी तक इक्यावन से कम तो किसी ने दिये ही नहीं हैं। फिर आप तो पढ़े-लिखे हैं। समिति के समझदार तथा सक्रिय सदस्य हैं। अपने लोग ही नहीं समझेंगे इसके महत्त्व को तो और लोग भला क्या देंगे ? फिर साहब इस बहाने कॉलोनी में एक कार्यक्रम हो जाता है तथा मिलना-जुलना हो जाता है।' उनमें से कोई एक आदमी यह रटा हुआ जुमला उगल देता।

मैं यही कह पाता-'सही फरमा रहे हैं आप।

वे एक दूसरे के चेहरे देखते और फिर मुझे देखते और मुझे रसीद पकड़ा कर चलते बनते। यह कहानी यहीं खत्म नहीं होती, कल दीपावली पर अन्नकूट है तो एक दिन होली जलेगी तो किसी दिन मंदिर में किवाड़ लगेंगे।

इसके अलावा विकास समिति को मासिक विकास शुल्क अलग देना है। मंदिर समिति और विकास समिति, दोनों धारायें अलग हैं, लेकिन एकता और अखंडता के लिए इसे मिला दिया गया है।

मेरे सामने समिति के उपाध्यक्ष रहते हैं, वे इन दिनों सबसे बड़े उदासीन है। उन्हें एक पद चाहिए था, वह मिल चुका है, अतः वह सदस्यों की हौसला अफ्जाई के अलावा कुछ नहीं कर पाते। चन्दा वे भी दे देते हैं, ताकि उनके उपाध्यक्ष को किसी प्रकार का खतरा उत्पन्न न हो। पूरी कॉलोनी विस्मित रहती है कि यह विकास कौन कर रहा है। सफाई का तो हाल यह है कि कई बार अहसास होता है कि हम पेरिस में तो नहीं रह रहे।

आम चुनाव

विवेक कुमार साव

लेखक महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय वर्धा में शोधार्थी है।

त्रिकोणीय मुकाबला - बंगाल में गठबंधन, मोदी की गारंटी या दीदी की शपथ

क्या आज की राजनीतिक पार्टियाँ गांधी या फिर हमारे क्रांतिवीरों के मूल्यों पर चल रही है? हमारे क्रांतिवीरों की मूल बात थी, शोषणविहीन समाज की स्थापना। क्या सरकार या पार्टियाँ इन मूल बातों की ओर ध्यान दे रही है । राजनीति को लोकनीति में रूपांतरित करने का जो स्वप्न देखा गया था, क्या वह कभी पूर्ण हो पाएगा ? लोकतंत्र के लिए यह माना जाता है कि सत्ताधारी मजबूत पक्ष के साथ-साथ एक ताकतवर विपक्ष होना चाहिए, जिससे सही मायने में लोकतंत्र बच पाए ; इसे ही विनोबा जी ने 'करेक्टिव' कहा था, क्या एक मजबूत विपक्ष को खत्म करने का प्रयास धराशाही हो पाएगा ? इन दिनों चुनाव में कुर्सी पाने की होड़ में जिस हवा को तेजी से बनाया जा रहा है, क्या वह हवा शोषण विहिन समाज की रचना कर पायेगी ? क्या यह हवा धर्मनिरपेक्षता को और मजबूत कर पायेगी ? सवाल तो और भी बहुत है किंतु जवाब देने के लिए कौन तैयार होगा ? बीते सालों में लोगों में धर्म के प्रति कट्टरता बढ़ी है । बेरोजगारी फैली है, शिक्षा व्यवस्था अव्यवस्थित है, मंहगाई बढ़ी है, भुखमरी में वृद्धि हुई है, मध्यमवर्ग और गरीब हो गया है, अतः कुलमिलाकर कहें तो राजनीतिक चालबाजियों ने देशवासियों की उम्मीदों को चकनाचूर कर दिया है। हिंदुत्व के नाम से राजनीति करने वाली देश की सत्ताधारी पार्टी को करोड़ो रूपये का चंदा बीफ बेचने वाली कंपनी दे रही है, यह सुनकर आपको आश्चर्य लग सकता है, किंतु यह बिल्कुल सत्य है। अगर यह बात आप किसी आस्था के नाम से वोट करने वाले को कहेंगे तो उसकी आस्था, अस्थमा का रूप ले लेगी । इनदिनों राजनेताओं ने अपने राजनीतिक फायदे के लिए धर्म का सहारा लेकर, धार्मिक विचारों के प्रति देशवासियों के मन में उलझने पैदा कर दी हैं। खैर! इनदिनों तो चार सौ पार का नारा खूब सुर्खियों में है। बड़े गर्व से नेता चार सौ पार की बात कर रहे हैं। लेकिन आपने कभी सोचा है कि क्यों यह दावा रोजगार, मंहगाई जैसे मुद्दे पर नहीं हो पा रहा। आप इसपर मंथन करेंगे तो पाएंगे कि यह देश के मुख्य मुद्दों को गायब करने की कोशिश भर है। युवाओं को दो करोड़ रोजगार देने की तरह ही एक साइकॉलजिकल गेम वार है । आपको ज्ञात हो कि अभी महीने पहले ही माननीय नरेंद्र मोदीजी जब बंगाल दौरे पर आए थे तो उन्होंने अपने कोलकाता के विषय में एक संस्मरण बताया और कहा कि मैं बचपन में जब पहली बार कोलकाता आया तो एक आकर्षण था, जरा मैं मेट्रो देखूँ । अगर इस बात को आप ध्यान से देखेंगे तो पाएंगे कि नरेंद्र मोदी का जन्म सन् 1950 में हुआ था और कोलकाता में पहली मेट्रो सन् 1984 में चली थी। अब सवाल यह उठता है कि माननीय मोदी जी को बचपन में ही यह आकर्षण कैसे आ गया। तो खैर मूल मुद्दा यही है कि कुछ भी हो जाये

येन-केन-प्रकारेण लोकसभा चुनाव जीत जाएं। क्या यही लोकतंत्र के गले का हार है ? या फिर लोकतंत्र के गले का फांस साबित होगा ; यह समय तय करेगा।

इसी बीच बंगाल में संदेशखाली में हुए उत्पीड़न का मामला जोर पकड़ चुका था कि इस पर एक और मोड़ आ गया, जब सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल होता है, जिसमें यह दिखता है कि इस घटना में भाजपा का हाथ है । मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने यह आरोप लगाया है कि भाजपा ने पैसे के बल पर झूठ फैलाया है । इसी बीच बंगाल सरकार पर एसएससी घोटाला तो वहीं एक महिला कर्मचारी द्वारा बंगाल के राज्यपाल डॉ. सीवी आनंद बोस के खिलाफ दुर्व्यवहार का आरोप लगाना हालांकि इसकी जाँच अभी जारी है। बंगाल में सवाल यह है कि यहाँ जो बौद्धिक शक्ति मौजूद है उसका उपयोग बंगाल को सोनार बांग्ला बनाने में कैसे हो। बेरोजगारी, महंगाई, शिक्षा अव्यवस्था, भ्रष्टाचार आदि को खत्म कर, आम-आदमियों की समस्याओं का ऐसा विकल्प प्रस्तुत हो, जिससे लोकतांत्रिक अहिंसक तरीकों के प्रति जन में विश्वास बढ़े और दुःखीजनों की समस्याएँ समाप्त हो। वहीं हम देखते हैं कि तृतीय चरण के चुनाव में मालदा उत्तर के 122 नम्बर बूथ पर महिलाओं ने मतदान का विरोध किया, जानकारी के अनुसार उस बूथ पर एक भी वोट नहीं पड़ा । तीसरे चरण के लोकसभा चुनाव तक इतना तो पूर्णतः साफ हो चुका है कि बंगाल जीतने के लिए सिर्फ राष्ट्रीय मुद्दे ही नहीं, बल्कि क्षेत्रिय मसलें भी अधिक महत्वपूर्ण हैं । इतना तो है ही कि इस पूरे प्रकरण का असर चुनाव को त्रिकोणीय बना चुका है, जिसका काफी फायदा भाजपा को हो सकता है । अब, गठबंधन, तृणमूल कांग्रेस और भाजपा के बीच खुलकर झड़प चल रही है । इन सब हलचलों के बीच व हिंसा की छिटपुट घटनाओं के साथ तीसरे चरण की चार लोकसभा सीटों पर चुनाव संपन्न हुआ। (मालदा उत्तर, मालदा दक्षिण, जंगीपुर, मुर्शिदाबाद), राज्य की इन चारों लोकसभा सीट पर लगभग 75.79 फसीदी मतदान हुआ। इसी बीच तृणमूल के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने यह आलोचना करते हुए कहा कि कांग्रेस बंगाल इकाई के कारण बंगाल राज्य का गठबंधन बनना विफल रहा। कुल मिलाकर बंगाल की ओर ध्यान दें तो इंडिया गठबंधन और तृणमूल कांग्रेस के बीच दरार प्रत्यक्ष दिखाई पड़ रही है। बंगाल के लोकल मुद्दों ने पूरे चुनाव के समीकरण को बदला है, बंगाल की लगभग बीस सीटों पर त्रिकोणीय मुकाबला है, यह मुकाबला तृणमूल को परेशान तो करेगा ही, परन्तु हो सकता है भाजपा का कुछ ऐसा किला भी ढह जाए जिसकी उम्मीद भाजपा को भी न हो। हाँ इस त्रिकोणीय मुकाबले में भाजपा को अधिक फायदा मिलने की उम्मीद है। किंतु फिर भी ममता को बंगाल से हिला पाना भाजपा के लिए बहुत मुश्किल का कार्य साबित होगा।

दृष्टिकोण

विवेक कुमार मिश्र

लेखक हिंदी के प्रोफेसर हैं।

सहजता के तार पर दूर तक संभव होती है यात्रा

मनुष्य की दुनिया इतनी आसान नहीं होती जितनी दिखाई देती है। उसकी दुनिया में भौतिक पदार्थ से लेकर चेतना संसार की अपनी भूमिका होती है। उसकी दुनिया में विचार महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और वह विचार के सहारे जीने की राह को बेहतर करता रहता है। भौतिक जरूरतें एक जरूरत की तरह होती हैं वह संसार में चलने के लिए एक कदम की तरह होती है। भौतिक जरूरतों से कहीं ज्यादा हमारे लिए चेतना की भूमियां अपनी भूमिका निभाती हैं। मनुष्य के पास दुनिया भर का विस्तार और दुनिया का हर संसाधन हों पर इससे आगे वह मन, चेतना और आत्मसत्ता के साथ ही चल पाता है। देखा जाए तो मनुष्य घिरा हुआ दिख सकता है पदार्थों के ढ़ेर पर बैठा हो पर यही सब कुछ नहीं होता। उसकी दुनिया में और भी बहुत कुछ होना है जिसे पदार्थ से आगे जाकर देखना होता है । यह सोच सकते हैं कि उसके पास संसाधनों का ढ़ेर है उसे क्या चिंता सब कुछ उसके पास है, उसे परेशान होने की जरूरत नहीं है। यह भी कह सकते हैं कि संसाधन काफी नहीं होते इससे इतर भी दुनिया होती जिसे पाने के लिए दिन रात आदमी चलता रहता है । वह कहां जा रहा है ? क्या कर रहा है ? ऐसा क्यों कर रहा है यह सब जानने के लिए मनुष्य के मन को पढ़ना जरूरी होता है। मनुष्य कहां तक जा सकता है यह संसाधनों से कहीं ज्यादा उसके मन की दुनिया पर निर्भर करता है। वह हमेशा अपनी दुनिया अपने ढ़ंग से तय करता है। यह जब कहते हैं तो साफ है कि हम सब आदमी के मन की बात कर रहे हैं। आदमी अपनी दुनिया अपने ढ़ंग से बसाना चाहता है। उसे बराबर यह लगता है कि वह कुछ ऐसा करें जो उसके हिसाब से हो और वह कुछ ऐसा कर सकें कि यह कहा जाना आसान हो जाएं कि यह सब उसी ने किया है । आदमी को कर्ता होना कहे कि क्रियेटर होना अच्छा लगता है। वह हमेशा गतिशील रहना चाहता है। वह रुकता नहीं वह चलता ही रहता है। यह चलना ही संसार है और जब आप गति करते हैं तो न केवल चलते हैं तथा दुनिया को अपने ढ़ंग से बनाते हैं। जब वह क्रियेटर होता है तो उसके पास एक अलग ही खुशी होती है। यह सुख वहीं पा सकता है जो रचना जानता हों। यह सुख भौतिक संसाधनों से नहीं मिलता न ही विरासत में मिली संपत्ति की तरह होता है यह तो हमारी चेतना पर संस्कार रूप में खुदा होता है। यह हमारी ही दुनिया होती है जिसे कोई और नहीं हम ही बनाते हैं। कई लोग इस तरह होते हैं कि विरासत में ही उनको इतने संसाधन मिले होते हैं कि वो कुछ भी न करें तो भी सब ठीक-ठाक होता है तो कुछ लोगों के सामने कदम कदम पर संघर्ष होता है। एक दुनिया सुलझाते हैं कि दूसरी दुनिया, दूसरी समस्या आ जाती है। जितना आसान संसार लगता है उतना संसार आसान नहीं होता। संसार को समझने के लिए हमें सागर की ओर देखना होता है। सागर अपने विस्तार और गहराई के लिए जाना जाता है । सागर की गहराई अपने आप में रहस्य है। इस रहस्य से मनुष्य की दुनिया को समझा जाता है। मनुष्य की दुनिया सागर के विस्तार से भी कहीं ज्यादा गहराई लिए हुए एक रहस्यमयी संसार है। संसार को समझने के लिए केवल संसार में घूमना या विचरण करना ही काफी नहीं है वल्कि तरह तरह के मनुष्यों से मिलना संसार को समझने में कहीं ज्यादा मददगार होता है। यह दुनिया इतनी भर नहीं है कि कुछ भौतिक यात्राएं कर ली, कुछ जगहों पर चलें गये और संसार को जानने का दावा करने लगे। जो जितना अधिक मनुष्यों के संपर्क में आता है वह उतना ही व्यवहार कुशल होता है। व्यवहार के लिए सामाजिक संपर्क का होना जरूरी होता है। संवाद के माध्यम से ही हम एक दूसरे की दुनिया को जानते हैं । संवाद के लिए चीखना चिल्लाना जरूरी नहीं होता सहज संवाद ही काफी होता है। सहजता के तार पर बैठकर आप दूर तक यात्रा करते हैं। जो सहज नहीं है वह जीवन को उस तरह जी ही नहीं पाता कि जीते जी चले और उसके चलने में ही जीवन अनंत रंगों के साथ दिखे - वह तो बस इतना चाहता है कि वह जैसे है वैसे ही संसार उसके साथ चले और वह संसार के लिए दौड़े।

बहुत सारे लोग ऐसे भी होते हैं कि उनके होने भर से संसार की उपस्थिति हो जाती है। वह आपके साथ होते हैं और इस तरह होते हैं कि बस आपके काम आ सकें। मनुष्य का मनुष्य के काम आ सकना ही मनुष्यता की दिशा में पहला कदम होता है । मनुष्य को चलना ही पड़ता है। अपनी दुनिया में होते हुए भी अन्य की दुनिया के लिए...अन्य संसार के लिए वह चलता ही रहता है। उसका संसार केवल उसी का संसार नहीं होता, वह संसार भर की सांसारिकता को जीवित ढ़ंग से देखते हुए आगे बढ़ता है।

मनुष्य के भीतर करुणा संवेदना की अंतहीन धारा होती है - उसका हृदय संसार करुणा के जल से प्रक्षालित होता रहता है । अपनी करुणा में वह अन्य संसार के लिए जीवित हो उठता है। यह जो जीवन की धारा है वह संसार की सांसारिकता को अपने भीतर समाहित करने के बावजूद कभी भी थकती नहीं है न कहीं एक जगह रुकती है। संसार के समूचे परिदृश्य पर मनुष्य की करुणा दूसरों के जीवन को व्यवस्थित करने के लिए, दुनिया में रहने लायक वातावरण बनाने के लिए काम करती है। जिसके पास साधन नहीं है उसके लिए साधन जुटाने का काम भी करती है । यह मानव स्वभाव का विषय है कि वह केवल अपने लिए जीवन नहीं जीता है। मनुष्य का जीवन संसार उदर पूर्ति तक सीमित नहीं है। उसका यह उद्देश्य भी नहीं होता। न ही वह खाद्य श्रृंखला को लेकर चलता - उसके जीवन संसार में खाद्य सामग्री का उपयोग केवल जीवन को चलाने के लिए होती है। उसके आगे उसका जीवन संसार संसार भर की जरूरतों के साथ जुड़ जाता है ।

संसार में सौंदर्य, जिज्ञासा, रहस्य, चेतना और आध्यात्म को लेकर क्या चिंताएं चल रही है इस दिशा में विचार मनन करना उसका मुख्य काम हो जाता है। मनुष्य के संसार में कैसे सुख की दुनिया को अनंत आनंद की दुनिया के साथ जोड़ा जाएं यह चिंता केंद्र में आ जाती है। मनुष्य कब सुख की दिशा से आनंद की दुनिया में प्रत्यावर्तन करें यह देखना दिलचस्प हो जाता है। वह क्या करें कि दुनिया में आनंद की उपस्थिति हो। इस तरह के सवालों से उलझने का परिणाम है कि मनुष्य के सामने जो सीमित दुनिया है उसका विस्तार होता है। एक मनुष्य कभी भी केवल अपनी दुनिया के लिए अपने लिए ही कार्य नहीं करता है उसके कार्यों में संसार की वे तमाम गतिविधियां शामिल होती हैं जिनके होने से वास्तव में संसार की गतिविधियों को समझने में आसानी होती है। मनुष्य संसार बनाने के लिए ही चलता है। उसके हर कदम में अगला संसार अपना रूप देखता है। मानव समाज एक विरासत को लेकर आगे बढ़ता है। वह कभी भी अकेले नहीं चलता है। उसके पीछे उसकी बहुत बड़ी दुनिया चेतना अवचेतन और सामाजिक परिदृश्य के रूप में चल रही होती है। इस समूह के साथ ही वह अपनी यात्रा में होता है। कहीं भी वह अकेले नहीं चलता। मानव संसार एक अकेले का संसार नहीं है आप कुछ भी अपने लिए या अकेले के लिए नहीं करते हैं। आपके सत्य में आपके संसार में जब-तक अन्य संसार नहीं होता तब तक संसार को संसार के रूप में हम देख ही नहीं पाते। सांसारिक संसार की उपलब्धियां ही मनुष्य के स्वभाव के मूल में हैं। वह हर कदम पर अपनी परिधि का विस्तार करता है। यह विस्तार मनुष्य के स्वभाव का मूल स्वरूप है। वह सत्य के सामाजिक परिसर का निर्माण करने के लिए चलता है। सत्य के सामाजिक परिसर की जब बात करते हैं तो साफ है कि वह संसार को समझने का केवल एक तर्क भर नहीं है न ही वह एक आदमी का सच है। सामाजिक परिसर के सच में पूरा समाज अपने ज्ञान का, सामाजिक अनुभव का पाठ कर आगे बढ़ता है। जब तक हम सबकी गति सामाजिक नहीं होती तब तक हमारे होने का कोई अर्थ नहीं है।

श्रद्धांजलि : गोविंद मालू

मुकेश नागर

(सहकर्मी एवं स्वतंत्र रचनाकार)

उनके जैसी बेजोड़ राजनीति का जोड़ मुश्किल

भाजपा की राजनीति में जिन नेताओं को सुलझा हुआ, परिपक्व और तार्किक नेता माना जाता है गोविंद मालू उनमें एक थे। वे राजनीति करते थे, मीडिया और भाजपा के बीच सेतु का काम करते थे और पार्टी के पक्ष में ऐसे टिप्पणीकार थे, जिसकी काट मिलना आसान नहीं है। उनका असमय जाना भाजपा के अलावा मीडिया के साथियों के लिए भी झटका है। उनकी टिप्पणियां और बयान दूसरे नेताओं की तरह हवाबाजों जैसे नहीं होते थे। वे अपने होमवर्क और रेफरेंस से उसमें नयापन जोड़ते थे। वे इतने बेजोड़ थे कि उनकी जोड़ का पार्टी प्रवक्ता मिलना आसान नहीं!

प्रदेश भाजपा के पूर्व मीडिया प्रभारी एवं मप्र खनिज विकास निगम के पूर्व उपाध्यक्ष गोविंद मालू के अचानक दिव्य ज्योति में विलीन होने की सूचना स्तब्ध करने वाली थी। करीब रोज ही उनसे फोन पर बात होती रही। बीच-बीच में मुलाकात भी। पर, चुनाव की वजह से वे कुछ व्यस्त रहे। लगातार दौरे भी उनकी व्यस्तता का कारण रहे। पर, ये नहीं सोचा था कि था कि उनकी ये व्यस्तता जान लेवा साबित होगी। वे भाजपा के कुशल रणनीतिकार एवं मीडिया प्रबंधन के मंजे हुए खिलाड़ी थे। उन्होंने पत्रकारिता की शुरूआत खेल पत्रकारिता से की थी। स्व गोकुल भूतड़ा के अध्यक्षी कार्यकाल में भाजपा कार्यलय में प्रवेश हुआ। यही से उन्होंने राजनीति का ककहरा सीखा और राजनीति के साथ पत्रकारिता में प्रवेश किया। कदम दर कदम आगे बढ़ते हुए उन्होंने मीडिया के क्षेत्र में अपनी अलग छवि बनाई थी। उन्होंने अपनी पत्रकारिता प्रिंट मीडिया से शुरू की। फिर समय की मांग के अनुसार अपने आपको इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और सोशल मीडिया के माध्यम में स्वयं को पारंगत कर लिया।

क्लॉथ मार्केट बैंक में उनके साथ कई साल साथ में काम किया। किसी भी व्यक्ति की नब्ज को पहचानने की उनकी क्षमता अद्भुत थी। समाचार पत्र पढ़ने की और उसमें भी राजनीतिक विषयों पर पठन और फिर बेबाक टिप्पणी करने में वे बेजोड़ थे। इसी कारण वे मुझसे देश-प्रदेश की राजनीतिक घटना एवं प्रभाव के विषय में चर्चा कर आम आदमी की सोच की थाह लिया करते थे। कई बार पार्टी के निर्णय पर मेरी असहमति होने के बावजूद वे मुझे पार्टी लाईन समझाने का पूरा प्रयास करते थे। एक बार मैंने उनसे कहा था कि आपकी पार्टी और आपके विचार से मैं सहमत नहीं हूं आप क्यों मेरी सहमति के लिए व्यर्थ प्रयास करते हो। अपनी पार्टी लाईन से हटे बिना उनका कहना था कि तुम जैसे लोगों को समझाना जरूरी हैं। तुम्हारे जैसे लोग दस लोगों को पार्टी लाइन से अलग करने की क्षमता रखते हैं। यही करण है कि पार्टी एंव मीडिया में वे बड़े पद पर सुशोभित रहे।

शिवराज सिंह चौहान ने मुख्यमंत्री रहते उन्हें जनआशीर्वाद यात्रा का प्रभारी बनाया था। तब उनसे बहुत चर्चा हुआ करती थी। इस यात्रा में एक-दो बार उनके साथ रहने का अवसर मिला। इस समय उनका मीडिया मैनेजमेंट तारीफ के काबिल देखा। जब भी उनसे चर्चा होती तो वे अपनी इस यात्रा के किस्से जरूर शेयर करते थे। उनके साथ रहते हुए देखा कि वे एक साथ तीन-तीन मोबाइल पर मीडिया के साथियों से, पार्टी कार्यकताओं से वरिष्ठ नेताओं से ऑनलाइन जुड़े रहते थे। हर छोटा-बड़ा पत्रकार अपने पेपर के लिए उनके बयान चाहता था। किसी भी पत्रकार को मुख्यमंत्री से मुलाकात करना हो, तो वे मुलाकात के लिए मालू जी का सहारा लेते थे। कई बार मुख्यमंत्री की व्यस्तता के बाद भी वे किसी तरह मुलाकात का प्रबंधन करा ही देते थे।

वर्तमान लोकसभा चुनाव में सोशल मीडिया और इलेक्ट्रानिक मीडिया में अलग पहचान बना ली थी। सभी विषयों पर उनका अध्ययन एवं होमवर्क अपनी अलग ही छाप छोड़ता था। उनकी सामयिक विषय पर उनकी टिप्पणी सबसे पहले आती थी, जो अकल्पनीय होती। बैंक के सहकर्मियों के लिए वे हमेशा उदार बने रहें। बैंक परिवार को उन्होंने हमेशा परिवार समझा। मीडिया प्रभारी जैसे बड़े पद पर रहने के बाद भी समय का अभाव होने पर भी बैंककर्मियों के सुख-दुख में शामिल होते थे। वे कहते थे कि क्लॉथ मार्केट बैंक मेरा परिवार है और में जो कुछ भी हूं, उसकी शुरूआत मैंने बैंक से की। मेरे परिचय में सबसे पहले क्लाथ मार्केट बैंक है। मोबाईल पर हमेशा उपलब्ध रहना उनकी सबसे बड़ी विशेषता थी। यदि किसी कारण वे फोन नहीं उठा पाते, तो स्वयं फोन लगाकर बात करते थे। आज वो नहीं हैं, पर उनकी लेखनी की धार हमेशा मौजूद रहेगी। एन चुनाव के पहले भाजपा के लिए भी उनके जैसा मीडिया प्रभारी खोजना मुश्किल होगा। वे लेखन, मीडिया प्रबंधन एवं चुनावी चौसर पर मात देने में माहिर थे। उनमें इतनी सारी खासियत थी. कि उन्हें भुला पाना हर किसी के लिए मुश्किल होगा।

उर्दू व्यंग्य

अखतर अली

मंटो की रचनाओं का कोलाज़ अनुवाद एवं संयोजन

ये है मंटो मेरी जान

शारदा सुनो तो।

हां बोलो?

आज कल तुम किसके साथ हो ?

कल महेश के साथ थी और आज रमेश के साथ हूं।

और कल?

कल तो इतवार है कल मैं अपने खुद के साथ रहूंगी।

अरे दीनानाथ आज कल कहां रहते हो ?

आज कल मैं कहीं नहीं रहता। दिन भर सड़क पर चलता हूं , नल का पानी पीता हूं और रात को किसी बंद दुकान की सीढियों पर सो जाता हूं।

लेकिन तुम्हारे पास तो तुम्हारे रहने लायक एक अच्छा सा घर था।

उसे मकान मालिक ने खाली करा लिया है।

क्यों?

वहां पर वह अपनी भैंस रखेगा।

वह तो भैंस के रहने लायक जगह है ही नहीं वहां तो उसकी भैंस बीमार हो जायेगी।

मंटो कल मेरी किताब का विमोचन है आप भी आइयेगा।

विमोचन किस के हाथों होगा?

सेठ दौलत चंद के।

यानि आप अपनी किताब की नथ उतरवाई की रस्म सेठ जी से करवा रहे है।

मंटो तुम ज़रा भी मज़हबी नहीं हो।

कैसी बात कर रहे है मैं तो जब भी जुमा को शराब पीता हूं तो पानी बकायदा मस्जिद के हौज़ का ही लेता हूं।

लेकिन कल तुम मौलाना साहब से मस्जिद के संबंध में क्या कह रहे थे ?

वह मस्जिद के संबंध में नहीं गर्मी के संबंध में कह रहा था।

क्या कह रहे थे ?

यही कि गर्मी में वहां का फ़र्श इतना गरम हो जाता है कि मस्जिद में कदम रखते ही लगता है जहन्नम में आ गये।

जानते हो भारत पाक बटवारे में एक लाख हिंदू और एक लाख मुसलमान मारे गये।

यार तुम्हारे में बात करने की ज़रा भी तमीज़ नहीं है। मत कहो कि एक लाख हिंदू और एक लाख मुसलमान मारे गये। कहो कि दो लाख इंसान मारे गये, कब समझोगे कि बंदूक से मज़हब का शिकार नहीं किया जा सकता।

तुमने कभी किसी औरत को अपने बच्चे को अपना दूध पिलाते हुए देखा है ?

कैसी बात कर रहे हो यह गंदी बात।

फिर भी कभी देखना उस वक्त उसके सीने को गोलाइंया मस्जिद के मेहराब के जैसे लगती है वैसी ही पाकीज़गी से भरपूर।

मैं इस कदर आशिक मिज़ाज हूं कि एक बार तो मैंने एक लड़की से उसे देखे बिना ही मोहब्बत कर ली थी। यह मोहब्बत टेलीफोन पर राँग नंबर पर बात करने के वक्त हुई थी। जब मैंने उससे मोहब्बत का इज़हार किया तो वह बोली- आपने तो मेरे को देखा नहीं है अगर मैं बदसूरत हुई तो ?

मैंने कहा- मैं तब भी तुम से मोहब्बत करुगा क्योकि मैं खुदा नहीं हूं जो सिर्फ़ अच्छे लोगो को ही पसंद करता है।

आप औरत के बारे में क्या राय रखते है?

कुछ औरते बोलती बहुत है लेकिन उनका बदन ख़ामोश रहता है और कुछ औरते चुप रहती हैं लेकिन उनका बदन बहुत शोर मचाता है।

तवायफ़ का कोठा और पीर की मज़ार इन दो जगहों पर मैं नहीं जाता। यहाँ पहली जगह इंसान अपनी औलाद से और दूसरी जगह अपने खुदा से धंधा करवाता है।

आधी रात हो चुकी थी मंटो की पत्नी सफ़िया ने कहा- क्या बात है आप इतने बेचैन क्यों है ? मंटो ने कहा-मेरे पेट में कहानी का हमल ठहर गया है। मेरे को कागज़ और कलम दो मैं रचना को जन्म देकर आता हूं।

मंटो तुमने मेरे से पांच रुपये उधार लिये थे अब वापस देदे वरना मैं तुम्हारा सिर फोड़ ।

ठीक है आप मेरा सिर फोड़ देना लेकिन पहले यह बताइये क्या आप को सिर फोड़ना आता है ? देखिये हर काम करने का तरीका होता है मैं उस आदमी के हाथों अपना सिर नहीं फुड़वा सकता जिसके पास सिर फोड़ने का सलीका भी न हो।

इस्मत चुगताई ने किसी मौके पर कहा था- मंटो की शादी सफ़िया से नहीं मेरे से होनी थी। उसकी बीवी उसे ज़रा भी राईटर होने नहीं देती है। मंटो ने कहा था यह तो बहुत अच्छा हुआ जो मेरी शादी सफ़िया से हुई तुम से होती तो तुम मेरे को ज़रा सा भी शौहर होने नहीं देती।

हर दिल में मोहब्बत की पैदावार नहीं होती। बहुत से दिलो की ये भूमि बंजर भी होती है। कुछ लोग चाह कर भी मोहब्बत पैदा नहीं कर सकते क्योकि उनकी ख्वाहिशे बाँझ होती है।

मैं ऐसी श्रद्धांजलि को निरस्त करता हूँ जिसमे मरने वाले के चरित्र को लांड्री में भेज कर धुलवाया जाये और बकायदा इस्त्री कर के पेश किया जाये।

मैं उस घर को घर नहीं मानता जिसमें चिमटा चूल्हा और तवा न हो।

मुंबई की साहित्य बरदारी में यह बात मज़े लेकर कही जाती थी कि उर्दू साहित्य में दो बाते बहुत अच्छी हुई कि ग़ालिब कहानीकार नहीं हुए और मंटो शायर नहीं हुए, ये वही हुए जो इन्हें होना था।

72.97 मतदाताओं ने उत्साह व विश्वास से किया पुर्न-मतदान: कलेक्टर श्री सूर्यवंशी

बैतूल/मुलताई। मुलताई विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत 4 मतदान केन्द्रों पर शुक्रवार को हुए पुर्न-मतदान में 72.97 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मत का प्रयोग किया। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने बताया कि डोडर रैय्यत, कुंदा रैय्यत, रजापुर और चिखलीमाल मतदान केन्द्रों पर पुर्न-मतदान में मतदाताओं ने उत्साह एवं विश्वास के साथ मतदान किया। मतदान का प्रतिशत यह बताता है कि एक ओर मतदाताओं ने मतदान के प्रति उत्साह दिखाया है, वहीं प्रशासन द्वारा स्वीप के माध्यम से मतदान प्रोत्साहन के लिए किए गए प्रयास सराहनीय रहे। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने स्वीप नोडल अधिकारी श्री अक्षत जैन को टीम वर्क के लिए बधाई दी। श्री सूर्यवंशी ने बताया कि सुबह 7 बजे से लोगों की कतार मतदान केन्द्रों पर लगना शुरू हो गई थी और सुबह से ही मतदान केन्द्रों पर मतदान की गति अच्छी रही।

5 बजे तक हुआ 71.81 प्रतिशत मतदान

पुर्न-मतदान के 4 मतदान केन्द्रों पर शाम 5 बजे तक 71.81 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मत का उपयोग किया। कुल 2181 मतदाताओं में 1105 पुरुष एवं 1076 महिला मतदाता थी। इन दो घंटो में सर्वाधिक मतदान डूडर रैय्यत में 75.95 प्रतिशत काउंट किया गया।

दोपहर 3 बजे डूडर रैय्यत सबसे आगे

प्रति दो घंटे बाद मतदान में वृद्धि होती गई। दोपहर बाद 3 बजे तक 67.93 प्रतिशत मतदाताओं ने मतदान किया। इसमें सर्वाधिक 73.13 प्रतिशत मतदान डूडर रैय्यत मतदान केन्द्र में हुआ। कुल मतदान 2063 मतदाताओं ने मतदान किया। इसमें 1044 पुरुष और 1019 महिला मतदाताओं ने मतदान किया।

दोपहर 1 बजे तक

दोपहर 1 बजे तक कुल 60.16 प्रतिशत मतदाताओं ने मतदान किया। चार मतदान केन्द्रों पर हो रहे मतदान का प्रतिशत हर दो घंटे में आ रहे परिणामों के अनुसार दोपहर एक बजे चिखलीमाल 63.02 प्रतिशत के साथ सबसे उपर रहा। कुल 1827 मतदाताओं में से 907 पुरुष एवं 920 महिला मतदाता ने मतदान किया।

प्रात: 11 बजे तक

पुर्न-मतदान परिणाम के दूसरे दौर में दोपहर 11.00 बजे तक 43.96 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मतों का उपयोग किया। इसमें कुंदा रैय्यत में 50.48 प्रतिशत के साथ सर्वाधिक मतदाताओं ने मतदान किया। इनमें 881 पुरुष और 654 महिला मतदाताओं सहित 1335 लोगों ने मतदान किया।

प्रात: 7 से 9 बजे तक

चारों मतदान केन्द्रों पर सुबह 9 बजे तक 21.83 प्रतिशत मतदान चुका था। जिसमें रजापुर में 15.88, डूडर रैय्यत 27.69, कुंदा रैय्यत 26.96 और चिखली में 20.21 प्रतिशत मतदान किया गया। इसमें सर्वाधिक 27.06 मतदान डूडर रैय्यत में किया गया। 9 बजे तक 347 पुरूष और 316 महिलाओं सहित 663 मतदाताओं ने अपने मत का उपयोग किया।

समिति द्वारा आमला रेलवे प्लेटफार्म पर ठंडे एवं स्वच्छ जल की लगेगी मशीन

बैतूल। पंजाब सेवा समिति, आमला द्वारा रेल यात्रियों की सुविधा के लिए कुछ ही दिन में आमला रेल्वे प्लेटफार्म पर ठंडे एवं स्वच्छ जल की मशीन लगाई जाएगी। इस निर्णय की जानकारी देते हुए समिति के मदनलाल गुगनानी, दाताराम गुगनानी, सुभाष बत्रा, हेमन्त गुगनानी, चरणजीत गुगनानी, सुरेश बत्रा, किशोर गुगनानी, राजीव मदान, नवीन गुगनानी, यश गुगनानी, राजू मदान, राजेंद्र गुगनानी ने बताया कि गर्मी के दिनों में जल सेवा से बढ़ कर कोई सेवा नहीं है, हमें जल के सरंक्षण, संवर्धन, स्वच्छता और बचत पर पूरा ध्यान देना है, जल की प्रत्येक बूंद मानव एवं जीव जगत के कल्याण में लगे, यह हमारा ध्येय रहना चाहिए।

करंट से युवक की दर्दनाक मौत

बैतूल। खेत में सिंचाई करने के लिए गया एक युवक मोटर चालू कर रहा था उसी समय उसे अचानक तेज करंट लग गया जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव का जिला अस्पताल में पोस्टमार्ट्म कर परिजनों को सौंप दिया गया है। अस्पताल चौकी से मिली जानकारी के अनुसार उमेश दयाराम धुर्वे उम्र 18 वर्ष युवक गुरुवार देर शाम खेत पर सिंचाई के लिए गया था जहां डैम में सिंचाई की मोटर से पानी लेकर सिंचाई की जाती है। युवक मोटर चालू करडेम के पास पानी जांचने गया था, जहां उसे अचानक करंट लगा। जहां युवककी भाभी भी साथ थी, उन्होंने उमेश को गिरते देखा तो वह भागते हुए घर पहुंची और परिजनों को घटना की जानकारी दी। परिजन मौके पर पहुंचे तो परिजनों ने देखा कि उमेश वहां बेहोश पड़ा था।

गर्मी और उमस से हलाकान हो रहे लोग

बैतूल। जिला मुख्यालय पर हो रही बारिश और तेज धूप निकलने से गर्मी और उमस लोगों का हाल बेहाल कर रही है। जरूरी काम से घर से निकलने वाले लोग भी अपने आपको ऊपर से नीचे तक ढंककर ही बाहर निकल रहे हैं। वहीं कुछ लोग चश्मे और छाते का उपयोग करते हुए नजर आ रहे हैं। गर्मी के कारण लोगों की हालत खराब हो रही है। लोगों का कहना है कि कभी गर्मी तो कभी बारिश से तेज उमस हो रही है जिससे जीना मुहाल होने लगा है।

सोहागपुर में पिपरिया मार्केटिंग सोसायटी घोटाले में आरोपियों को मिली सजा पर सोशल मीडिया में खासी चर्चा

भाजपा के शासन में दो प्रकार के कानून पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष पुष्पराजसिंह

हीरालाल गोलानी सोहागपुर

सोहागपुर में पिपरिया मार्केटिंग सोसायटी घोटाले में आरोपियों को मिली सजा पर लगभग सभी सोशल मीडिया ग्रुपों पर खासी चर्चा रही। कि पिपरिया बिग ब्रेकिंग न्यूज पिपरिया में समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी में मार्केटिंग सोसाइटी घोटाले में 10 आरोपियों को 7 वर्ष की सजा और जुर्माना। जिसमें शहर की नामी हस्तियां शामिल आरोपियों के नाम राजेंद्र दुबे शाखा प्रबंधक ,नवनीत सिंह नागपाल (डब्लू) ,अजय कुमार महेश्वरी, सतीश कुमार जायसवाल ,हेमराज चौधरी,राघव सिंह,जगदीश अग्रवाल एवं तीन महिलाएं। इधर यह उल्लेखनीय है कि सोहागपुर में प्रदेश के सबसे बड़े फफूंद लगी मूंग बदलने वाले सत्ता पक्ष के रुतु वेयरहाउस किवलारी में केवल कारिंदों पर ही पुलिस में मामला पंजीबद्ध कराकर इतिश्री कर ली गई थी। वहीं प्रशासन की हैरानी बात यह हुई कि उक्त प्रकरण पहले का बताकर रुतु वेयरहाउस को चना खरीदी केंद्र बना डाला गया। ज्ञातव्य है कि फफूंद लगी मूंग के मामले में पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष पुष्पराजसिंह पटैल उक्त मामले को देशद्रोह की संज्ञा देकर कई बार प्रशासन की कार्य-प्रणाली पर तीखी टिप्पणियां की थी। आज भी यह यज्ञ प्रश्न सोहागपुर की जनता-जनार्दन के मध्य चल रहा है कि आखिर क्या प्रशासन को वहीं भ्रष्टाचार करने वालों का वेयरहाउस दिखा? क्या सोहागपुर क्षेत्र में कोई ओर वेयरहाउस नहीं थे? क्या सोहागपुर क्षेत्र में कोई खाली वेयरहाउस नहीं थे? आखिर क्यों स्थानीय प्रशासन ने रुतु वेयरहाउस की अनुशंसा की तथा जिला प्रशासन ने भी आंखें बंद करके चना खरीदी का केंद्र क्यों बना दिया

भाजपा के शासन में दो प्रकार के कानून – पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष पुष्पराजसिंह पटैल ने सुबह सवेरे संवाददाता से चर्चा करते कहा कि सोहागपुर विधानसभा में भाजपा के शासन में दो प्रकार के कानून चल रहे हैं। एक सामान्य जन के लिए,दूसरा भाजपा से सत्तारूढ़ दल से जुड़े लोग।प्रशासन एवं सत्ता के पावर के कारण ही सोहागपुर के रुतु वेयरहाउस जिस ने सड़ा माल बदला उसे ही खरीदी का केंद्र बनाया गया है।

इससे सिद्ध होता है रुतु वेयरहाउस के छाबड़िया परिवार को राजनैतिक संरक्षण प्राप्त है। क्योंकि ऐसे ही दो मामलों में एक में वेयरहाउस मालिक पर एफआईआर दर्ज होती है। लेकिन सत्ता पक्ष के रुतु वेयरहाउस के मालिक छाबड़िया परिवार को बचाकर गरीब कारिंदे मेनेजर आदि पर एफआईआर दर्ज कराई जाती है। इससे सिद्ध होता है कि सत्तारूढ़ पार्टी के लोगों के लिए अलग-अलग कानून की व्यवस्था में दो तरह के कानून चल रहे हैं। आपने रुतु वेयरहाउस के मामले की उच्चस्तरीय जांच करने की मांग की है। ताकि निरीह कर्मचारी को न्याय मिल सके। क्योंकि यह मामला प्रशासन की साख का भी सवाल है?

परशुराम चौक पर लगाया 107 किलो का फरसा

बैतूल। जय दादा परशुराम के उद्घोष के साथ परशुराम चौक पर बेतूल सनातन ब्राह्मण समाज समिति ने 107 किलो वजन के फरते को स्थापित किया। सनातन धर्म के साथ ब्राह्मण शक्ति और एकता का प्रतीक 107 किलो वजन का स्टील का चमचमाता फरसा भगवान परशुराम की शक्ति और जनकल्याण के लिए किए गए उनके योगदानों को याद दिलाता रहेगा। इस स्टील के फरसे की कुल ऊंचाई 30 फीट है। इसे सीमेंट-कांक्रीट के स्ट्रकर पर लगाया गया है। इस फरसे को बनाने में 107 किलो

स्टील का उपयोग किया गया है। जो कि परशुराम चौक की शोभा बढ़ाने के साथ भगवान परशुराम के योगदानों को याद दिलाता रहेगा। 64 राजवंशों का सफाया किया भगवान परशुराम के 21 अभियानों था। वे शिव के अनन्य भक्त थे। एक बार तो उन्होंने भगवान शिव से मिलने से रोकने पर भगवान गणेश पर फरसे से प्रहार किया था, जिससे उनका एक दांत कट गया था और वे एकदंत कहलाए।

आज अक्षय तृतीया पर मंदिर में हुआ अभिषेक और भोजन प्रसादी

शुक्रवार को अक्षय तृतीया और भगवान परशुराम जन्मोत्सव मनाया गया। बैतूल सनातन ब्राह्मण समाज की ओर से सुबह 8.30 बजे से भगवान परशुराम जी का अभिषेक और हवन पूजन का आयोजन किया गया। इन अनुष्ठानों के बाद में दोपहर 12 बजे से 4 बजे तक भोजन प्रसादी वितरण किया गया।

भार्गव समाज ने आरती-पूजन कर मनाया परशुराम जन्मोत्सव

भगवान श्री विष्णु के छठे अवतार माने जाते हैं परशुराम

बैतूल। भार्गव सभा बैतूल द्वारा भगवान परशुराम का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर समाज के वरिष्ठ सदस्य निधीष भार्गव के निवास पर जन्मोत्सव का आयोजन किया गया। जिसमें भगवान परशुराम का विधि-विधान से पूजन कर आरती की गई। समाज के अध्यक्ष दीपक भार्गव ने बताया कि अक्षय तृतीया के दिन वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया पर भगवान विष्णु के छठे

अवतार भगवान परशुराम ने जन्म लिया था। जन्म के समय इनका नाम राम रखा गया था। कुछ समय बाद जब राम को महादेव ने परशु नामक शस्त्र दिया, तो राम जी को परशुराम कहा जाने लगा। इसका अर्थ यह है कि परशुराम जी के जन्म पर परशुराम जयंती मनाई जाती है।

समाज के सचिव सुधीर भार्गव ने बताया कि भगवान परशुराम भार्गव वंश में जन्मे भगवान विष्णु के छठे अवतार माने जाते हैं। उनका जन्म त्रेतायुग में हुआ था। पौराणिक मान्यता है कि अक्षय तृतीया के दिन भगवान परशुराम का जन्म हुआ था, इसलिए उनकी शक्तियां अक्षत मानी जाती है। महादेव ने राम को परशु जिसे फरसा या कुल्हाड़ी भी कहते हैं, भेंट की थी। परशु मिलने के बाद उनका नाम परशुराम पड़ गया, अर्थात परशु रखने वाला राम। तभी से उन्हें परशुराम कहा जाने लगा। माना जाता है कि पृथ्वी पर साधु-संतो और ऋषि-मुनियों की रक्षा के लिए भगवान विष्णु ने परशुराम के रूप में जन्म लिया था।

इसके पश्चात् प्रसादी वितरण कर उपस्थित सदस्यों को स्वल्पाहार कराया गया। आयोजन में मुख्य रूप से शैलेन्द्र, दीपक, गोपाल, बाबू, मनोज, राजेश, मयूर, शुभम, श्रीमति लता, दीप्ति, कविता, मीरा, अर्चना, श्वेता, स्वाति, रजनी, अंजू, शिखा एवं हर्षिता भार्गव उपस्थित रहे। सभी ने आयोजन के लिए निधीष- अर्चना भार्गव का आभार माना।

अवैध रेत भंडारण पर खनिज विभाग ने की कार्यवाही

सेमरिया में खनिज माफिया का रेत का स्टाक पकड़ा, 2 लाख का होगा जुर्माना

बैतूल। आमला क्षेत्र के ग्राम जम्बाड़ा छेत्र के आसपास आने वाले ग्राम सेमरिया मे अवैध रूप से रेत का भण्डारण पर खनिज विभाग द्वारा रेत के अवैध भंडारण पर कार्यवाही करते हुए खनीज माफिया पर लाखों का जुर्माना किया गया है। गुरूवार 9 मई को खनिज विभाग के अधिकारियों टीम ग्राम सोंतलाई एवं कोंडरखापा पहुंची और खनिज माफिया तिलक सिसोदिया के अवैध भंडारण का निरीक्षण किया तो ग्राम सोंनतलाई मे अपने रिस्तेदार साबु कुशवाह के खेत पर रखी हुई 50 ट्राली अवैध उतखनन कर निकाली गई रेत दिनांक 7 और 8 मई की दरम्यानी रात हटाली गई, जिसके बाद हटाई गई रेत के स्थान पर गन्ने का कचरा डाल गया था। जिसके बाद अधिकारियो द्वारा मोके पर पंचनामे की कार्यवाही कर खनिज माफिया के घर ग्राम सेमरिया खुर्द पहुंचकर रेत का अवैध भंडारण पकड़ा गया जहा लगभग 52 घनमीटर रेत का अवैध भंडारण पाया गया खनिज निरीक्षक भगवत नगवंसी द्वारा अवैध रेत भंडारण के संबंध में साधारण रेत (उत्खन्न एवं व्यवसाय) भण्डारण नियम 2009 एवं गौण खनिज नियम 2015 के तहत् लगभग 2 लाख की राशि की जुर्माने की नियमानुसार कार्रवाई की गई है।

पटवारी की मिलीभगत से हो रहा अवैध रेत का कारोबार – ब्लाक के ग्राम जम्बाड़ा छेत्र के आस-पास सोनतलाई हल्के में अवैध रेत का कारोबार जम से हो रहा है। खनिज माफिया सातीर तिलक सिसोदिया को जैसी भनक लगी लगभग 60 ट्राली रेत का भंडारण किया था उसे रातम रात मे जहा तहा खुद के तीन ट्रैक्टर और तीन किराया से लाकर रेत गायप कर दि और जगह जगह अवैध रेत के डंप यह साबित करते है कि अवैध रेत का कारोबार बिना रोकटोक के किया जा रहा है। लोगो का मानना है कि हल्के के पटवारी की मिलीभगत से ही अवैध रेत का कारोबार किया जा रहा है। जबकि राजस्व क्षेत्र में अवैध खनन के लिए पटवारी भी जिम्मेदार होता है। लेकिन यहां तो सब खुलेआम ही किया जा रहा है। जगह जगह रेत के डंप से ट्रेक्टर ट्रालियों से रेत का परिवहन किया जा रहा है। लोगो का कहना है कि जम्बाड़ा छेत्र के आस-पास ट्रालियों से रेत का परिवन हो रहा है। नदियों को छल्ली किया जा रहा है। ऐसे में राजस्व विभाग की कार्यप्रणाली पर बड़ा सवाल खड़ा हो रहा है। आमजनो की शिकायत के बाद खनिज विभाग ने कारवाई की है। बताया जा रहा है कि पटवारी की मिलीभगत से अवैध रेत का कारोबार किया जा रहा थ।

भाजपा का झंडा जलाया, भाजपा कार्यकर्ताओं में आक्रोश, युवक पर एफआईआर की मांग

बैतूल। खेड़ीसावलीगढ़ में लोकसभा चुनाव की आचार संहिता के बीच एक युवक ने बैतूल विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पंचायत बोदी जुनावानी में भाजपा का झंडा जला दिया। जब ग्रामीण मंडल के उपाध्यक्ष चंद्रभान सिंह चंदेल ने इसका विरोध कर झंडा जलाने वाले व्यक्ति से फोन पर बात की तो पहले उसने साफ मना कर दिया और बाद में कहा हां मैने ही जलाया किसी के कहने पर। उस

शख्स के साथ एक व्यक्ति कांग्रेस का झंडा पकड़े हुए दिखलाई दे रहा है। ग्रामीण मंडल के सभी कार्यकर्ताओं ने इस घटना की निन्दा करते हुआ झंडा जलाने वाले व्यक्ति पर सख्त कारवाई की मांग की है।

शासकीय एकलव्य महिला औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था में प्रवेश प्रारंभ

बैतूल। शासकीय एकलव्य महिला औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था बैतूल मे संचालित 08 ट्रेडो मे प्रवेश की प्रक्रिया प्रारम्भ हो चुकी है। इस संस्था मे संचालित इलेक्ट्रीशियन, इलेक्ट्रॉनिक्स मैकेनिक, और आईसीटीएसएम दो वर्षीय पाठ्यक्रम है। इसी प्रकार स्वींइग टेक्नोलॉजी, फ्लोरीकल्चर एण्ड लेण्ड स्केपिंग, स्टेनो अंग्रेजी, स्टेनो हिन्दी एवं कोपा, एक वर्षीय पाठ्यक्रम है। संस्था के प्रवेश प्रभारी दिलीप कुमार सोनी ने यह बताया कि विगत वर्ष से प्रवेश प्रक्रिया डीएसडी पोर्टल के माध्यम से हो रही है। नए सत्र के लिये आवेदक वेबसाइट पर पर पंजीयन, 20 मई तक करा सकते है। इन व्यवसायों में से स्वींइंग टेक्नोलॉजी हेतु योग्यता आठवीं उत्तीर्ण है। शेष सभी सात पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु दसवीं कक्षा उत्तीर्ण होना आवश्यक है। अंग्रेजी माध्यम के छात्राओं के लिये स्टेनो अंग्रेजी ट्रेड एक रोजगार परक अवसर है। संस्था प्राचार्य रेवाशंकर पंडाग्रे ने बताया कि यह संस्था मध्यप्रदेश शासन की एकलव्य योजना अंतर्गत संचालित है जिसमें 50 प्रतिशत सीटे अनुसूचित जनजाति वर्ग की महिलाओं के लिये

आरक्षित है, एवं इस वर्ग की छात्राओ को 1 हजार रूपये प्रतिमाह छात्रवृत्ति एवं भोजन सहित छात्रावास की सुविधा भी उपलब्ध है। कौशल विकास विभाग द्वारा महिला आईटीआई बैतूल को ग्रीन आईटीआई के रूप मे विकसित किया जा रहा है, जिसके तहत महिला सशक्तिकरण अंतर्गत महिलाओ को रोजगार प्रदान करने हेतु विशेष प्रयास किये जा रहे है।

कृषि उपज मंडी में स्थापित स्ट्रॉंग रूम की सुरक्षा व्यवस्था के लिए अधिकारियों की ड्यूटी

नरसिंहपुर। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार लोकसभा निर्वाचन- 2024 के अंतर्गत 26 अप्रैल 2024 को मतदान समाप्ति के पश्चात ईव्हीएम, व्हीव्हीपीएटी कृषि उपज मंडी नरसिंहपुर में स्थापित स्ट्रांग रूम में रखी गई हैं। स्ट्रांग रूम सील हो जाने के पश्चात मतगणना का कार्य 4 जून 2024 तक स्ट्रांग रूम से बाहर एवं मंडी परिसर में 24 घंटे सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए राजपत्रित अधिकारियों, सहायक अधिकारियों एवं भृत्यों की ड्यूटी लगाई गई है।कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती शीतला पटले ने पूर्व में जारी आदेश में लगाये गये राजपत्रित अधिकारियों की ड्यूटी में संशोधन कर नवीन आदेश जारी किया है। उक्त दल डिप्टी कलेक्टर श्री मनोज कुमार चौरसिया के नियंत्रण एवं पर्यवेक्षण में अपना कार्य सम्पादित करेंगे।जारी नवीन आदेश के अनुसार 2, 7, 12, 17, 22 व 27 मई व एक जून को प्रातः 7 बजे से दोपहर 3 बजे तक क्रीड़ा अधिकारी पीजी कॉलेज नरसिंहपुर श्री अर्पित सक्सेना, सहायक ग्रेड- 3 खाद्य शाखा श्रीमती विनीता वर्मा व भृत्य जिला शिक्षा केन्द्र नरसिंहपुर श्री प्रहलाद परते, दोपहर 3 बजे से रात्रि 11 बजे तक सहायक प्राध्यापक पीजी कॉलेज नरसिंहपुर श्री सतीश बैस, मंडी उप निरीक्षक तेंदूखेड़ा श्री विनोद अग्रवाल व भृत्य जिला शिक्षा केन्द्र नरसिंहपुर श्री टीकाराम चौधरी और रात्रि 11 बजे से प्रातः 7 बजे तक व्हीएएस उप संचालक पशु चिकित्सा सेवायें नरसिंहपुर डॉ. अखिल गजभिये, श्रम निरीक्षक श्रम पदाधिकारी नरसिंहपुर श्री ऋषि कुमार पटैल व भृत्य श्री बैनीप्रसाद ठाकुर की ड्यूटी लगाई गई है।इसी तरह 3, 8, 13, 18, 23, 28 मई व 2 जून को प्रातः 7 बजे से दोपहर 3 बजे तक व्हीएएस उप संचालक पशु चिकित्सा सेवाएं नरसिंहपुर डॉ. श्रेया दुबे, सहायक ग्रेड 3 कृषि उपज मंडी करेली श्री राजेश परिहार व भृत्य जिला शिक्षा केन्द्र नरसिंहपुर श्री संतोष डेहरिया, दोपहर 3 बजे से रात्रि 11 बजे तक सहायक यंत्री राअबाई सागर नहर संभाग गोटेगांव श्री प्रशांत कुमार, सहकारी निरीक्षक उपायुक्त सहकारिता नरसिंहपुर श्री शितांशु धुर्वे व भृत्य जिला संयोजक जनजाति विभाग नरसिंहपुर श्री रूपेश साहू और रात्रि 11 बजे से प्रातः 7 बजे तक सहायक जिला आबकारी अधिकारी नरसिंहपुर श्री उमेश कुमार मिश्रा, श्रम निरीक्षक श्रम पदाधिकारी नरसिंहपुर श्री नीरज कुमार पटेल व भृत्य मध्यप्रदेश राज्य सहकारी विपणन संघ मर्यादित नरसिंहपुर श्री देवराज की ड्यूटी लगाई गई है।इसी तरह 4, 9, 14, 19, 24, 29 मई व 3 जून को प्रातः 7 बजे से दोपहर 3 बजे तक अनु. अधि. लाईट मिशनरी नलकूप नरसिंहपुर श्रीमती लक्ष्मी जयसवाल, लिपिक कृषि उपज मंडी गोटेगांव श्री विनय पांडे व भृत्य मध्यप्रदेश राज्य सहकारी विपणन संघ मर्यादित नरसिंहपुर श्री पंकज पटेल, सहायक ग्रेड 3 सहायक संचालक पिछड़ा वर्ग कार्यालय नरसिंहपुर श्री आशीष सोनी व भृत्य राअबा लोधी नहर नरसिंहपुर श्री प्रशांत और रात्रि 11 बजे से प्रातः 7 बजे तक उमाशि शासकीय उमावि केरपानी श्री सुगम कुमार लोधी, लिपिक जिला योजना मंडल नरसिंहपुर श्री राहुल सिंह ठाकुर व भृत्य जिला संयोजक आदिम जाति कल्याण विभाग नरसिंहपुर श्री प्रदीप चौकसे की ड्यूटी लगाई गई है।जारी आदेश के अनुसार उक्त दल अपने निर्धारित ड्यूटी दिनांकों व समय पर कृषि उपज मंडी नरसिंहपुर में बनाये गये स्ट्रांग रूम स्थल पर अनिवार्य रूप से उपस्थित रहकर अपने दायित्वों का निर्वाहन करना सुनिश्चित करेंगे। स्ट्रांग रूम के बाहर संधारित उपस्थिति लागबुक में हस्ताक्षर करेंगे। प्रभारी अधिकारी निगरानी, सुरक्षा निर्धारित ड्यूटी के दौरान यह सुनिश्चित करें कि कृषि उपज मंडी परिसर में अनाधिकृत व्यक्ति बिना परिचय पत्र के प्रवेश न करे। प्रभारी, अधिकारी निगरानी, सुरक्षा व्यवस्था निर्धारित ड्यूटी अनुसार ड्यूटी समय पूर्ण होने के पश्चात अगले राजपत्रित अधिकारी निगरानी, सुरक्षा के ड्यूटी में उपस्थित होने के पश्चात ही परिसर के बाहर निकलेंगे।

पिकअप वाहन में क्रूरता से ठूंस-ठूंस कर मवेशी ले जा रहे तीन लोगों पर कार्रवाई

गुना। जिले की आरोन पुलिस द्वारा पिकअप वाहन में क्रूरता पूर्वक मवेशियों को भरकर ले जा रहे वाहन को पकड़कर वाहन चालक पर कार्रवाई की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार फरियादी पर्वत सिंह पुत्र मेंहताव भील निवासी ग्राम चीकटा थाना आरोन ने शिकायत दर्ज कराई कि वह तथा गांव के किशन भील, कान्हा उर्फ सुनील भील, मांगी लाल भील स्कूल के पास बैठे थे। तभी सुबह आरोन तरफ से एक पिकअप लोडिंग आरजे 17 जीबी 1750 का चालक अपने वाहन में क्रूरता पूर्वक अवैध रुप से भैंसों को एवं भैंस के बच्चों को भर कर लेजा रहा था। जिसे उन्होंने रोक कर चैक किया तो वाहन के अन्दर पांच भैंस एवं तीन भैस के बच्चे क्रूरता पूर्वक भरे हुये थे। जिनके पैर बंधे हुये थे जो एक दूसरे के ऊपर पडी थीं जिनको काफी पीडा हो रही थी। पूछताछ में ड्रायवर ने अपना नाम सौरभ खान पुत्र छोटे खां निवासी लोधीपुरा थाना जावर जिला झालावाड़ बताया। साथ ही उक्त सभी भैंसों को आरोन हाट से खरीद कर ग्राम इमलिया के पास से भर कर लोधीपुरा थाना जावर तरफ ले जाना बताया गया। उक्त ट्रक मे ड्रायबर के साथ पीछे भैंसों के पास डाले में दो व्यक्ति बैठे थे। जिनसे नाम पता पूछा तो उन्होंने अपने नाम इसराइल पुत्र मुसाव खां निवासी ग्राम सालय, सावुद्दीन पुत्र रजाक खां निवासी सालय का होना बताया। इस दौरान ड्राइवर से भैंसों के कागज मांगे तो नहीं होना बताया। तभी अंधेरे का लाभ उठा कर उक्त वाहन ड्राइवर मौके से भाग गया। वहीं भैंसों के पास बैठे इसराइल खां, सावुद्दीन खां को ग्रामीणों ने पुलिस के हवाले कर दिया।

बदनावर में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आमसभा को संबोधित किया

कांग्रेस के राज में देश में बम के गोले फूटते थे किंतु मोदी के राज में किसी देश की हिम्मत नहीं कि वह भारत की ओर आंख उठा कर देख ले : सीएम डॉ. मोहन यादव

धार। भगवान राम कहाँ पैदा हुए सबको पता है। अगर नहीं पता है तो सिर्फ कांग्रेसियों को। भगवान राम का मंदिर बना तो सबको खुशी हुई, अगर खुशी नही हुई तो बस एक पार्टी के लोगो को। अयोध्या में राम मंदिर बनकर तैयार हुआ।

यह बात मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने बदनावर अनाज मंडी में आयोजित आमसभा में जनता को संबोधित करते हुए कही। भाजपा प्रत्याशी सावित्री ठाकुर के पक्ष में आमसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री यादव ने कहा कि कोरोना के टीके लगाकर प्रधानमंत्री ने सबको संजीवनी दी है। 100 से ज्यादा देश मे दवाई बांटी है। कांग्रेस के राज में देश मे बम के गोले फूटते थे। किंतु मोदी जी के राज में किसी देश की हिम्मत नही की वह भारत की ओर आंख उठा कर देख ले। देश के दुश्मनों के घर मे घुसने का साहस किसी मे है तो वह है नरेंद्र मोदी में। भारत ने पाकिस्तान की सीमा पर जाकर आतंकवाद के अड्डो को नष्ट किया। किन्तु कांग्रेस के लोगो ने सेना की तारीफ करने के बजाय सर्जिकल स्ट्राइक के सबूत मांगे।

उन्होंने कहा कि दुनिया के अंदर मोदीजी की साख बढ़ी है। हर काल हर युग में बदनावर का अपना अस्तित्व रहा है। छटी शताब्दी में आचार्य जिनशेन द्वारा हरिवंशपुराण की रचना भी इसी बदनावर की धरती पर हुई है यह सौभाग्य की बात है। क्षेत्र में उड़िया शैली का उड़निया मंदिर, नागेश्वर मंदिर, एकवीरा मंदिर और कोटेश्वर महादेव मंदिर इसकी पहचान है। हम लोग जब भगवान का नाम लेते है तो भी विपक्षियों को आपत्ति होती है। आप को जिसका नाम लेना हो उसका लीजिए लेकिन हमें भगवान का नाम लेने से कोई रोक नही सकता है। हमें यह समझ में नही आता है कि उनको भगवान से क्या तकलीफ।

उन्होंने कहा कि में परमपूज्य गुरूदेव जिनेंद्रमुनिजी मसा के कार्यक्रम में आना चाहता था पर समयावभाव के कारण नही आ सका और यहीं से उनको प्रणाम करता हूं और तपस्वियों की अनुमोदना करता हूं। आपको आने वाली 13 मई को कमल खिलाकर मोदीजी के हाथ मजबूत करना है। उपस्थित जनसमुदाय के बीच उन्होंने नारा लगवाया कि 13 मई कांग्रेस गई...

स्वागत भाषण देते हुए पूर्व उद्योग मंत्री दत्तीगांव ने कहा कि भाजपा ने हर वर्ग के जीवन मे खुशियां लाने का काम किया है। बदनावर करोड़ो के विकास के काम भाजपा के शासन में हुए। कांग्रेस सिर्फ गांधी परिवार तक सीमित है। सारे निर्णय गांधी परिवार ही लेता है। अगर ऐसा नही होता तो सरदार वल्लभभाई पटेल देश के प्रधानमंत्री बन गए होते। दत्तीगांव ने कहा की हम मिलकर क्षेत्र के विकास की रफ्तार आगे बढाते रहेंगे। सभा को भाजपा प्रत्याशी सावित्री ठाकुर ने भी संबोधित करते हुए जनमत मांगा।

भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम में भाजपा के जिला संगठन प्रभारी श्याम बंसल, लोकसभा चुनाव संयोजक प्रभु राठौड़, विधानसभा प्रभारी दिलीप पटोंदिया, पूर्व राज्यमंत्री राजेश अग्रवाल, प्रहलाद सिंह सोलंकी, नगर पंचायत अध्यक्ष मीना यादव, भाजपा जिला उपाध्यक्ष धर्मेंद्र शर्मा, जितेंद्र जाट, जिला मंत्री विक्रम पटेल, मण्डल अध्यक्ष प्रितेश सिंह पंवार, देवेंद्र मोदी, पवन डोड, धर्मेंद्र राठौड़, मुन्नालाल पटेल, अल्पसंख्यक मोर्चा जिलाध्यक्ष जहांगीर लाला, महेंद्रसिंह सक्तावत, नरेद्र राठौड़, दिनेश गिरवाल, रजनीश मालवीय, शिवराम सिंह रघुवंशी, प्रेमचंद परमार आदि मंचासीन थे। कार्यक्रम का संचालन पूर्व राज्यमंत्री महेंद्र सिंह पिपलीपाडा व मनोज कवि ने किया। आभार नगर पंचायत अध्यक्ष मीना यादव ने माना।

कदम की कविता पर केंद्रित पेंटिंग्स की नुमाइश अंतर्संबंधों को व्यक्त करती हैं

खंडवा। प्रतापराव कदम के तीस साल पहले आये संकलन 'एक तीली बची रहेगी' में प्रतिकार का प्रतीक तत्व आज भी उनकी कविताओं में शिद्दत से मौजूद हैं और आजके समय में यह रोशनी के मानिंद है। इन कविताओं में राजनीतिक व सामाजिक चेतना के दर्शन होते हैं। कला गुरु बैजनाथ सराफ का प्रयास स्तुत्य है कि उन्होंने बड़ी संख्या में बच्चों को कला-कविता की उस दुनिया में प्रविष्ट किया जिसकी कोई सरहद नहीं होती उक्त विचार कवि संपादक लेखक सुधीर सक्सेना ने रवींद्रनाथ टैगोर के जन्मदिन पर पूनमचंद गुप्ता वोकेशनल कालेज और रंगाकृति कला समूह के साझा आयोजन 'प्रतापराव कदम की कविताओं पर केंद्रित ड्राइंग एवं पेन्टिग्स की नुमाइश' में अध्यक्षीय वक्तव्य में कहे। मुख्य अतिथि रवीन्द्र व्यास इंदौर ने कहा -कविता उस पर नजर रखती है जो चीज गुम हो रही है, अनेक कविताओं का उदाहरण देते श्री व्यास ने कवि रघुवीर सहाय को रेखांकित करते कहा आसपास परिदृश्य पर सूक्ष्म दृष्टि व आब्जर्वेशन से ही यह संभव है वह बंधे बंधाए संयोजन को तोड़ती है, गुरु बैजनाथ के शिल्प अलग ध्यान खींचते हैं, उनके कई पोट्रेट तो अद्भुत है ।कवि संपादक मोहन सिगोरिया ने श्री बैजनाथ सराफ को सिद्ध पुरुष की उपमा दी जो कला साधना में लगा है, उन्होंने कदम की कविता 'फजर की नमाज़ के बखत इमलीपुरा' का भी प्रमुखता से उल्लेख करते कहा कि समय और समाज सजग कवि ही ऐसी कविता लिख सकता है। कवि प्रतापराव ने अपनी दो कविताओं का वाचन किया। डॉ. रश्मि दीक्षित ने कला गुरु और कदम को कला कविता का प्रकाश पुंज बताया। मंगला चौरे ने कहा- कविता यथार्थ से परिचित कराती है।कवि नीरज पाराशर ने भी विचार व्यक्त किये। आकाशवाणी कार्यक्रम प्रमुख राजेश पाठक व सतीश पटेल ने कहा - कला कविता के अंतर्संबंधों को प्रमुखता से उकेरता यह कार्यक्रम है।

कार्यक्रम का प्रारंभ बैजनाथ श्राफ द्वारा रवीन्द्र नाथ टैगोर के चित्र का रेखांकन से हुआ। इस अवसर पर कला साधकों क्रमशः जैनब मैमुन, आकृति अत्रे,अनुमति सोनी हर्षिता पाठक तन्वी सोनी, गति छापरे ,दविशा पटेल, तन्वी पाटीदार, वाणी शर्मा श्रीमती हेमलता व्यास श्रीमती शानू शर्मा,आविषेक कुशवाह, तनु तंतुवाय,प्राची राजपूत रुद्राक्ष कोटवानी, भावना आहुजा, गीत आहुजा, मोक्षा जैन, संस्कृति कुमुद, सृष्टि सोहनी सहर्ष हुमड़, अक्षिता जैन,इरम मेनन,इंसिया सैफी, सलोनी चौहान का सम्मान भी किया, इन साधकों ने कदम की कविता पर सौ से अधिक रेखांकन, पेंटिंग्स ही नहीं बनायी कविता पर भी विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम का संचालन जैनब मैमुन और आकृति अत्रे ने किया,अंत में आभार संयोजक सतीश पटेल ने व्यक्त किया। खचाखच भरे हाल में शहर के गणमान्य डॉ सीमा कदम, डॉ समीर दीक्षित, महेंद्र हुमड़, सबिहा सैफी, विदुषी सिंग, ब्रह्मानंद पाराशर, शिव शंकर यादव, अर्जुन सिंह बुंदेला भी उपस्थित थे।

सर्व ब्राह्मण समाज द्वारा परशुराम जन्मोत्सव पर महा रुद्राभिषेक किया गया

धार। सर्व ब्राह्मण समाज द्वारा परशुराम जयंती के पावन पर्व पर धारेश्वर मंदिर में महा रुद्राभिषेक किया उपस्थित ब्राह्मण जोड़ों ने विधि विधान और मंत्र के साथ पंचामृत से भगवान परशुराम जी का स्नान करवाया पश्चात पूजा अर्चना और महा आरती की गई .सर्व ब्राह्मण समाज द्वारा श्रद्धालुओं के लिए फलाहार की व्यवस्था भी की गई.

परशुराम मंदिर में की गई महाआरती...– सर्व ब्राह्मण समाज और कॉलोनी वासियों द्वारा वसंत विहार स्थित परशुराम मंदिर परिसर में परशुराम जन्मोत्सव पर दोपहर 12 बजे महाआरती का आयोजन भी किया गया जहां समाज के साथ-साथ श्रद्धालुओं ने भी धर्म लाभ लिया इसके पश्चात महिला मंडल द्वारा भगवान परशुराम के भजन प्रस्तुत किए गए.

मतदान की भी दिलाई गई शपथ.. – सर्व ब्राह्मण समाज द्वारा समाज में जागरूकता लाने के उद्देश्य से आमजन को मतदान करने की शपथ दिलाई.समाज के इस कार्य की भूरी भूरी प्रशंसा की गई कार्यक्रम में विशेष रूप से समाज अध्यक्ष विश्वास पांडे, कार्यवाहक अध्यक्ष धर्मेंद्र जोशी, संयोजक अशोक शास्त्री , शोभायात्रा प्रभारी ऋषि भार्गव, गोटू शुक्ला प्रवीण शर्मा , प्रेम रावल ,अनिल तिवारी, ज्ञानेंद्र त्रिपाठी, पीयूष जोशी ,जितेंद्र पांड्या वरदान तिवारी, नमन रावल ,राजा शर्मा, पुनीत तिवारी ,मंगेश शर्मा आदि उपस्थित थे.

सामूहिक सरल विवाह सम्मेलन संपन्न

नरसिंहपुर। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी अक्षय तृतीय पर्व पर दूल्हादेव महाराज,डोकरघाट,नरसिंहपुर में सामूहिक सरल विवाह सम्मेलन संपन्न हुआ। श्री दादा दूल्हादेव मंदिर समिति के तत्वावधान में आयोजित इस सम्मेलन में 105 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे। सम्मेलन के साथ-साथ भंडारा भी रखा। जिसमें सुबह से लेकर देर शाम तक लोगों ने प्रसादी ग्रहण की। सम्मेलन के पहले समिति के अध्यक्ष इंजी. सुनील कोठारी ने बताया कि समिति के सभी पदाधिकारियों सदस्यों एवं विभिन्न संगठनों व क्षेत्रीय नागरिकों के सहयोग से इस वर्ष भी यह सम्मेलन आयोजित किया गया। जिसमें 110 जोड़ो ने रजिस्ट्रेशन कराया था परंतु मुहूर्त अवसर पर पहुंचने वाले 105 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे।विवाह संस्कार गायत्री परिवार के आचार्यों के द्वारा संपन्न कराया गया जिसमे भारत विकास परिषद नरसिंहपुर के सदस्यो ने भी सहयोग प्रदान किया। सभी जोड़ों को मंगलसूत्र, पायल,बिछिया, बर्तन एवं अन्य उपहार समिति के द्वारा दिए गए साथ ही कई लोगों ने व्यक्तिगत तौर पर भी उपहार दिए।

डिसेंट क्रिकेट अकादमी ने एक और खिताब किया अपने नाम

जहां एक ओर पूरी दुनिया भर में आईपीएल की धूम मची हुई है वहीं क्षेत्रीय क्रिकेट के खिलाड़ी भी धूम मचाए हुए हैं

धार। जहां एक और पूरी दुनिया भर में आईपीएल की धूम मची हुई है वहीं क्षेत्रीय क्रिकेट के खिलाड़ी भी धूम मचाए हुए है . जगह-जगह कई प्रतियोगिताएं हो रही है जिसमें क्रिकेट खिलाड़ी अपना जलवा बिखेर रहे हैं । धार की डिसेंट क्रिकेट अकादमी ने एक और खिताब अपने नाम किया.

इसी क्रम में उज्जैन जिले के बड़नगर में खेली गई ट्वेंटी- ट्वेंटी प्रतियोगिता में डीसेंट स्पोर्ट एकेदमी की टीम द्वारा जावरा को क्वार्टर फाइनल और उज्जैन की टीम को सेमीफाइनल में हराने के बाद फाइनल मुकाबला बड़नगर और डीसेंट क्रिकेट एकेदमी धार के बीच खेला गया । एकेडमी के अध्यक्ष सचिन बाफना ने जानकारी देते हुए बताया कि टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए डीसेंट ने निर्धारित 20 ओवर में 184 रन 9 विकेट के नुकसान पर बनाये ,जिसमें सर्वाधिक मोहन ने 56 रन , प्रवीण राठौर ने 49 रन और सौरभ सिंह ने नाबाद 23 रन की पारी खेली ।

वहीं बड़नगर की ओर से जितेंद्र सिरवी ने सर्वाधिक 3 विकेट लिए साथ ही बड़े लक्ष्य का पीछा करने उतरी बड़नगर की टीम के लिए शुरू से ही खेल मुश्किल भरा रहा ।

जिसमे डीसेंट की मजबूत गेंदबाजी के आगे इतने बड़े लक्ष्य को पार पाना आसान नहीं था, इसलिए बड़नगर की टीम 150 रन पर सभी

10 विकेट खोकर आल आउट हो गयी । जिसमें सर्वाधिक रन विशाल पटेल ने 54 रन बनाए, वहीं गेंदबाजी में डीसेंट की और से पूरब जोशी ने 4 विकेट अरुण यादव ने 3 विकेट और सौरभ, प्रवीण, मोहन ने क्रमशः 1-1 विकेट लिए , पूरब जोशी को 4 विकेट लेने के लिए प्लेयर ऑफ द मैच अवार्ड दिया गया ,वही प्रतियोगिता का सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज का श्रेय भी पूरब को मिला , वही बल्लेबाजी में केतन कूचेकर ने सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज का अवार्ड अपने नाम किया कर डीसेंट का सितारा चमकाया । राजेश डाबी साहित क्रिकेट प्रेमियों एवम अकैडमी के मेम्बर

सचिन बाफ़ना,विधि बाफना– कपिल यादव, कृष्ण शिन्दे ,गौरव जोशी , यूनुस शेख़,सचिन नरवारिया, निलेश चौधरी ने टीम की इस जीत पर बधाई दी और उज्ज्वल भविष्य की कामना की .

पुलिस विभाग की बेशकीमती जमीन पर अतिक्रमण/कब्जा करने की जुगत..

नर्मदापुरम- संजीव डे राय

पुलिस विभाग की जमीन पर कब्जा किए जाने की नियत से एक बार फिर उसपर कचरा मिट्टी डालकर भराव किया जाने लगा.. यहां गौर करने वाली बात यह है कि वीआईपी मार्ग पर पड़ने वाली पुलिस विभाग की बेशकीमती भूमि बचाने के लिए विभाग ने ऐसा कोई प्रयास नहीं किया जिससे इस बेशकीमती जमीन पर अतिक्रमण न हो.. जबकि इस जमीन के टुकड़े से लगभग पुलिस अधीक्षक कार्यालय की जमीन तार फैंसिंग कर बाकायदा सुरक्षित की गई है फिर इस बेशकीमती टुकड़े पर ऐसा कोई कुछ प्रयास नहीं ऐसा क्यों..? क्या विभाग का ही ऐसा कोई संरक्षण इस जमीन के टुकड़े को ठिकाने लगाने की जुगत कर रहा ..? क्योंकि एक दो साल से टुकड़ा भराव किया जा रहा, पर समाचार-पत्र में समाचार लगने के बाद कुछ महीने इस टुकड़े पर कचरा मिट्टी भराव गतिविधियां शांत रही अब भराव वाली गतिविधियां फिर तेज क्या दो कदम आगे हो गई। अब इस टुकड़े पर कचरा डालकर जलाया जाने लगा वह भी हरे वृक्षों के नीचे जिससे पेड़ हटाने की झंझट नहीं पड़े। बहरहाल हम तो केवल इशारा ही कर सकते हैं। जबकि सरकारी बेशकीमती जमीन की रखवाली और बचाने की जिम्मेदारी तो प्रशासन में बैठे आला अधिकारियों की होती है। जो यहां अपने दायित्वों को लेकर बिल्कुल सजग नहीं। सरकारी बेशकीमती रकबों पर वैसे ही रसूखदारों के पहले से कब्जें है। कलेक्टर के बस्ते में कागज बंद हैं।

नजूल में फाइल गायब है ऐसे में अगर पुलिस विभाग के इस बेशकीमती रकबे पर किसी तरह का आधिपत्य या अतिक्रमण हो जाएं तो कोई आश्चर्य नहीं लेकिन यह पुलिस विभाग की दूसरी बड़ी नाकामी मुख्यालय पर होगी कि नागरिकों की संपत्ति की रक्षा करने वाली पुलिस अपनी संपत्ति बचाने के काबिल नहीं, क्योंकि इससे पहले खेल एवं युवा कल्याण विभाग जो पुलिस विभाग के अधीनस्थ है को नगर के रसूखदार ने ही लाखों का फटका लगा रखा है। लाखों की राशि वसूली को लेकर पुलिस अधीक्षक ने तहसीलदार को बाकायदा कार्यालयीन पत्र लिखा। पर रसूखदार परिवार की फटकार से तहसीलदार ने पुलिस अधीक्षक के पत्र के उत्तर में टालमटूली वाला जबाव लिखते हुए कितनी राशि किस संस्था से वसूल की जाना है स्पष्ट करें.. आरआरसी प्राप्त होते ही कारवाई शुरू कर देंगे लिखकर अपनी जान बचाई, और प्रतिलिपि कलेक्टर को अग्रेषित कर रसूखदार को भी बचा लिया। खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा दी गई लाखों की अनुदान राशि वाली फाइल तब से पुलिस अधीक्षक कार्यालय से लापता है। इस मामले को ही लगभग 20 साल हो चले..

विदिशा जीआरपी में पदस्थ आरक्षक की हादसे में मौत

टीआई की कार से लौट रहे थे भोपाल; 2 साल पहले मिली थी अनुकंपा नियुक्ति

भोपाल (नप्र)। विदिशा से ड्यूटी कर भोपाल लौट रहे आरक्षक की कार को सांची के नजदीक तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर मार दी। हादसे में आरक्षक की मौत हो गई। जबकि कार में सफर कर रहे उसके दो साथी घायल हो गए। दोनों घायलों को जिला अस्पताल विदिशा में भर्ती कराया गया है। भोपाल पुलिस ने मर्ग दर्ज कर डायरी सांची पुलिस को भेज दी है। विदिशा जीआरपी में पदस्थ आरक्षक मनोज कुमार ने बताया कि सोनू शर्मा भोपाल के खजानकी बाग में रहते हैं। वह जीआरपी विदिशा में आरक्षक के पद पर पदस्थ है। गुरुवार रात करीब 10.30 बजे ड्यूटी पूरी कर वह अपने साथी उदयवीर और लक्ष्मण के साथ कार से भोपाल लौट रहा था। सोनू की कार जब सांची के नजदीक पहुंची, तभी सामने से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने कार को टक्कर मार दी। हादसे में आरक्षक सोनू शर्मा और उसके साथी गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी को इलाज के लिए जिला अस्पताल विदिशा भेजा गया। यहां डॉक्टर्स ने मेडिकल जांच के बाद सोनू शर्मा को भोपाल के हमीदिया अस्पताल रैफर किया था। बकौल मनोज कुमार सोनू शर्मा, जिस कार में सफर कर रहे थे, वह कार विदिशा जीआरपी थाना प्रभारी की है।

सांची से भोपाल के बीच सोनू की मौत

इलाज के लिए सांची से भोपाल रैफर हुए सोनू शर्मा को हमीदिया अस्पताल के डॉक्टर्स ने मेडिकल जांच के बाद गुरुवार-शुक्रवार की दरम्यानी रात मृत घोषित कर दिया। हमीदिया अस्पताल के डॉक्टर्स ने सोनू को इलाज के लिए अस्पताल लेकर पहुंचे अटेंडेंट को बताया कि मरीज की करीब आधा घंटे पहले मौत हो चुकी है। इसके साथ कोहेफिजा पुलिस को आरक्षक सोनू शर्मा की मौत की सूचना दी। इस पर पुलिस ने मर्ग दर्ज किया है।

सोनू के सिर से हो रही थी ब्लीडिंग

विदिशा जीआरपी में पदस्थ आरक्षक मनोज कुमार ने बताया कि सोनू कार में आगे ड्राइवर के बगल से बैठा हुआ था। ट्रक की टक्कर से सोनू के सिर से खून का फव्वारा फूट गया। विदिशा जिला अस्पताल में डॉक्टर्स ने सोनू को फर्स्ट एड दिया था। बावजूद इसके उसके सिर से ब्लीडिंग बंद नहीं हो रही थी। इसके चलते

डॉक्टर्स ने सोनू को भोपाल के हमीदिया अस्पताल रैफर किया था।

साथी आरक्षकों के साथ थाना प्रभारी की कार से निकला था सोनू: आरक्षक मनोज कुमार के मुताबिक गुरुवार शाम को ड्यूटी पूरी होने के बाद थाना प्रभारी की कार से सोनू साथी आरक्षक उदयवीर और लक्ष्मण के साथ भोपाल के लिए निकला था। तब किसी को भी थाने से रवाना होने के कुछ ही मिनटों बाद हादसा होने का अंदेशा नहीं था।

दो साल पहले आरक्षक पद पर हुई थी अनुकंपा नियुक्ति: सोनू शर्मा के बहनोई राजीव चौबे ने बताया कि ससुर अयोध्या प्रसाद शर्मा रेलवे में सीनियर आरक्षक थे। तीन साल पहले हार्ट अटैक से उनकी मृत्यु हो गई थी। दो साल पहले उन्हीं के स्थान पर सोनू शर्मा की आरक्षक पद पर अनुकंपा नियुक्ति हुई थी। सोनू अपनी ड्यूटी के लिए रोजाना भोपाल से विदिशा जाता था। गुरुवार को भी वह सामान्य दिनों की तरह ड्यूटी से भोपाल लौट रहा था, तभी रास्ते में हुए हादसे में उसकी मौत हो गई।

चार बहनों का इकलौता भाई था सोनू

राजीव चौबे ने बताया कि चार बहनों में सोनू इकलौता भाई था। उससे बड़ी दो बहनों की शादी हो चुकी है। दो बहनों और मां सरोज शर्मा के साथ वह भोपाल के खजानकी बाग में रहता था। बकौल राजीव, सोनू की बड़ी बहन नेहा शर्मा, यूपी पुलिस में सब इंस्पेक्टर हैं। जबकि सबसे छोटी बहन मुस्कान पढ़ाई कर रही हैं।

एक-दूसरे को बचाने में डूबे, एक साथ उठी 3 अर्थियां

एक युवक आईसीयू में भर्ती, भोपाल में पिकनिक मनाए गए थे 7 दोस्त

भोपाल (नप्र)। भोपाल में शुक्रवार को एक साथ तीन दोस्तों की अर्थियां उठीं तो गांव के हर शख्स की आंख नम हो गई। आसपास के गांवों से भी लोग अंतिम यात्रा में शामिल होने पहुंचे। दोपहर बाद श्मशान घाट पर एक साथ परिजन ने तीनों चिताओं को अग्नि दी तो पूरा माहौल सिसकियों में डूब गया। तीनों युवकों की मौत गुरुवार को बिलखिरिया के घोड़ा पछाड़ डैम में डूबने से हो गई थी। ये तीनों अपने चार अन्य दोस्तों के साथ पिकनिक मनाने घोड़ा पछाड़ डैम पहुंचे थे। यहां दाल-बाटी बनाई। खाने के बाद बरतन धोने पानी की तरफ गए। फिर नहाने के लिए डैम में उतर गए। एक युवक नहाते- नहाते गहरे पानी में चला गया और डूबने लगा। उसे बचाने बाकी युवक एक-एक कर पानी में उतरे। इनमें से तीन की मौत हो गई।

पिकनिक मनाने गए थे 7 दोस्त

बिलखिरिया थाना प्रभारी वीरेंद्र सेन ने बताया कि पिपलिया पेंदे खां और बाग सेवनिया निवासी संजय मेहर (26), नितिन

नरबड़े (23), अर्जुन मालवीय (20), दुर्गेश घाड़गे, शुभम अहीरे, सुमित साकले और अजय डांकसे शाम करीब 4 बजे पिकनिक मनाने 3 बाइक से घोड़ा पछाड़ डैम गए थे। ये सभी प्राइवेट नौकरी करते हैं। करीब 6 बजे नहाने के दौरान अर्जुन गहरे पानी में डूबने लगा। उसे बचाने नितिन, संजय और अजय गए। वे भी डूबने लगे। अजय जैसे-तैसे बाहर आया। दूसरे दोस्तों ने पुलिस को फोन कर सूचना दी। पुलिस, नगर निगम और एसडीआरएफ की टीम ने मौके पर पहुंचकर सर्चिंग अभियान चलाया। 2 घंटे बाद नितिन और संजय के शव निकाल लिए गए। इसके बाद अंधेरे की वजह से रेस्क्यू बंद कर दिया गया। शुक्रवार सुबह फिर सर्चिंग शुरू की गई इसके बाद सुबह 9.30 बजे अर्जुन का शव भी बरामद कर लिया गया।

एक साथ निकली तीनों की अंतिम यात्रा: पोस्टमार्टम के बाद शव परिजन को सौंप दिए गए। ये गांव पहुंचे तो चीख-पुकार मच गई। तीनों दोस्तों की शव यात्रा एक साथ निकाली गई। ग्रामीणों ने बताया कि अर्जुन, नितिन और संजय में गहरी मित्रता थी। तीनों साथ-साथ रहते थे। साथ ही घूमने जाते थे।

जहां नहाने उतरे थे, वहां दलदल था

संजय मेहर के भाई चेतन ने बताया, सभी दोस्त जहां नहा रहे थे, वहां दलदल था। अजय की हालत भी गंभीर है। वह प्राइवेट हॉस्पिटल के आईसीयू में भर्ती है। अर्जुन के भाई मनीष मालवीय ने कहा कि पार्टी के बाद सभी नहाने गए थे। इसी दौरान हादसा हो गया।

भोपाल के एमपी नगर में 7 दुकानों में भीषण आग

प्रगति पेट्रोल पंप के पीछे कबाड़ी की दुकानों में आग लगी; 4 दिन में पांचवीं बड़ी घटना

भोपाल (नप्र)। भोपाल के एमपी नगर जोन-2 में कबाड़ी की 7 दुकानों में आग लग गई। ये दुकानें प्रगति पेट्रोल पंप के पीछे हैं। आग इतनी भीषण थी कि 2 घंटे में काबू आ पाई। आग से इलाके में दशहत फैल गई। गुरुवार रात 1 बजे दुकानों में आग लगी थी। फतेहगढ़, पुल बोगदा, माता मंदिर फायर स्टेशन से दमकलें मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया।

इस वजह से तेजी से फैली आग

फतेहगढ़ के फायर फाइटर शाहनवाज अहमद ने बताया कि कबाड़ में प्लास्टिक, नॉयलोन और कागज होने से आग तेजी से फैली। आग की लपटें काफी ऊंची उठ गईं। इस कारण उसे बुझाने में खासी मशक्कत करना पड़ी। दुकानों के आसपास भी काफी कबाड़ जमा था। आग लगने की वजह फिलहाल सामने नहीं आई है।

लगातार पांचवीं घटना

भोपाल में आगजनी की यह लगातार पांचवीं बड़ी घटना है। 7 मई की दोपहर अयोध्या नगर और टीटी नगर में आगजनी की दो बड़ी घटनाएं हुईं। एक मामले में 3 लड़कियों का पुलिस को रेस्क्यू करना पड़ा। बुधवार सुबह पौने 4 बजे गौतम नगर में चार दुकानों में भीषण आग लग गई। फर्स्ट फ्लोर पर रहने वाले एक परिवार को रेस्क्यू भी करना पड़ा। बुधवार रात कलेक्टर परिसर में कमिश्नर कार्यालय के पास सहकारिता विभाग के ऑफिस में आग लग गई। इससे ऑडिट फाइलें, फर्नीचर जल गया।

दिग्विजय सिंह ने शुरू की चौथे चरण की तैयारी

- रतलाम के बाद खरगोन में करेंगे चुनावी सभा, वीडी शर्मा ने पूछा- कमलनाथ-नकुल कहां हैं

भोपाल (नप्र)। राजगढ़ लोकसभा सीट के मतदान से फी होकर पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह ने चौथे चरण की तैयारी शुरू कर दी है। इस लोकसभा चुनाव में पहली बार उन्होंने गुरुवार को रतलाम के सैलाना में चुनावी सभा की। अब शुक्रवार को खरगोन में सभा करेंगे। दिग्विजय के सक्रिय होने और पूर्व सीएम कमलनाथ के प्रचार में नहीं दिखने पर बीजेपी सवाल उठा रही है। बता दें कि लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण में मध्यप्रदेश की 9 सीट पर 7 मई को मतदान हुआ था। वोटिंग में राजगढ़ सीट पर सबसे ज्यादा 75.36 प्रतिशत मतदान हुआ। अब तक चुनाव प्रचार के दौरान दिग्विजय सिंह राजगढ़ छोड़कर प्रदेश में दूसरी जगह प्रचार के लिए नहीं गए। यहां तक कि चुनाव लोकल मुद्दों और स्थानीय सांसद तक सीमित रखने की भी कोशिश की।

वीडी बोले- सर्च वारंट निकलेगा, तब पता चलेगा

बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने कहा- मीडिया के मित्र मुझसे पूछ रहे हैं कि कमलनाथ जी कहां हैं? तो कह रहे हैं कि हमें ही पता नहीं लग रहा कहां हैं। सर्च वारंट निकलेगा, तभी पता चलेगा।

आदिवासी सीटों पर करेंगे प्रचार

शुक्रवार को दिग्विजय सिंह खरगोन लोकसभा क्षेत्र के कांग्रेस उम्मीदवार पोरलाल खरते के समर्थन में प्रचार करेंगे। सुबह बड़वानी में कांग्रेस कार्यकर्ताओं से मुलाकात के बाद अंजराड़ा, ओसाड़ा, बमनाली फाटे, आवली, सावरीयापानी, बोकराटा, गंधावल, राजपुर में नुक्कड़ सभा करेंगे।

दिग्विजय ने अकेले संभाली प्रचार की कमान

पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह करीब 33 साल बाद परंपरागत राजगढ़ सीट से लोकसभा का चुनाव लड़ रहे हैं। दिग्विजय सिंह ने चुनाव में बड़े नेताओं की सभा से परहेज किया। राजगढ़ में चुनाव प्रचार के दौरान सोनिया गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी की सभा नहीं हुई। प्रदेश के बाहर के नेताओं में राजस्थान के पूर्व सीएम अशोक गहलोत और पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट ने ही दो-दो सभा की। इनके अलावा, दिग्विजय सिंह खुद ही प्रचार करते रहे।

मतदान के एक दिन पहले और मतदान के दिन

- प्रिंट मीडिया में एमसीएमसी कमेटी से पूर्व प्रमाणित राजनैतिक विज्ञापन ही हो सकेंगे प्रकाशित

भोपाल (नप्र)। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन ने बताया कि मध्यप्रदेश के 29 लोकसभा संसदीय क्षेत्रों में चार चरणों में निर्वाचन प्रक्रिया पूरी कराई जा रही है। पहले, दूसरे और तीसरे चरण के सभी लोकसभा संसदीय क्षेत्रों में शांतिपूर्ण मतदान सम्पन्न हो चुका है। चौथे व प्रदेश में अंतिम चरण में शेष रहे 8 लोकसभा संसदीय क्षेत्रों में 13 मई को मतदान होगा। श्री राजन ने बताया कि चौथे व प्रदेश में अंतिम चरण के मतदान के एक दिन पहले और मतदान के दिन प्रकाशित होने वाले राजनैतिक विज्ञापनों को एमसीएमसी कमेटी से पूर्व प्रमाणित कराना होगा। कमेटी से पूर्व प्रमाणित विज्ञापन ही प्रिंट मीडिया में प्रकाशित हो सकेंगे। श्री राजन ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा प्रिंट मीडिया में मतदान से पूर्व दिवस और मतदान के दिन प्रकाशित होने वाले राजनैतिक विज्ञापनों के लिये विशेष व्यवस्था दी गई है। आयोग के नियमानुसार प्रिंट मीडिया में प्रकाशन के लिए विज्ञापनों को पूर्व प्रमाणन के लिए राजनैतिक दल/आवेदकों को मतदान से पूर्व दिवस और मतदान के दिन प्रचार विज्ञापन के प्रकाशित होने की प्रस्तावित तिथि से दो दिन पहले जिला/राज्यस्तरीय मीडिया सर्टिफिकेशन एवं मॉनीटरिंग कमेटी (एमसीएमसी) को आवेदन देकर पूर्व प्रमाणन कराना होगा। कमेटी से पूर्व प्रमाणन के पश्चात ही समाचार पत्रों में ऐसे प्रचार विज्ञापन प्रकाशित किये जा सकेंगे। श्री राजन ने बताया कि चौथे व प्रदेश में अंतिम चरण में 8 लोकसभा संसदीय क्षेत्रों देवास (अजा), उज्जैन (अजा), मंदसौर, रतलाम (अजजा), धार (अजजा), इंदौर, खरगौन (अजजा) एवं खंडवा में 12 मई एवं मतदान तिथि 13 मई को प्रकाशित होने वाले राजनैतिक विज्ञापनों को एमसीएमसी कमेटी से पूर्व प्रमाणित कराना होगा।

चौथे चरण के मतदान के लिये आज

शाम 6 बजे से बंद हो जाएगा चुनाव प्रचार

भोपाल (नप्र)। लोकसभा निर्वाचन-2024 के चौथे चरण में मध्यप्रदेश के जिन 8 लोकसभा संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों में सोमवार 13 मई को सुबह 7 से शाम 6 बजे तक मतदान होना है, वहां पर 11 मई की शाम 6 बजे से चुनाव प्रचार बंद हो जायेगा। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने बताया है कि संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में मतदान समाप्ति के लिये निर्धारित समय के 48 घण्टे से पहले से चुनाव प्रचार बंद करने का प्रावधान है। प्रचार-प्रसार समाप्त होने की समय-सीमा के बाद बाहरी क्षेत्र के उन व्यक्तियों को, जो उस लोकसभा संसदीय निर्वाचन क्षेत्र के मतदाता नहीं हैं, उन्हें वह निर्वाचन क्षेत्र छोड़ना होगा। इस हेतु जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा सघन निगरानी अभियान भी चलाया जाता है। गौरतलब है कि लोकसभा निर्वाचन के चौथे व मध्य प्रदेश के अंतिम चरण में 8 लोकसभा संसदीय क्षेत्रों देवास (अजा), उज्जैन (अजा), मंदसौर, रतलाम (अजजा), धार (अजजा), इंदौर, खरगौन (अजजा) एवं खंडवा में 13 मई को मतदान होना है।

वन विहार में खूब मस्ती कर रहे बाघ शावक

रातापानी सेंचुरी से रेस्क्यू किए थे 2 शावक; भोपाल में क्वारेंटाइन सेंटर में रखा

भोपाल/मंडीदीप (नप्र)। भोपाल के जंगल से जुड़ी रातापानी सेंचुरी से बाघ के 2 शावकों का गुरुवार को रेस्क्यू किया गया था। 8 घंटे चले रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद वे पिंजरे में फंसे थे। इन शावकों को भोपाल के वन विहार नेशनल पार्क में क्वारेंटाइन सेंटर में रखा गया है। जहां वे खूब मस्ती कर रहे हैं। एक्सपर्ट का कहना है कि रेस्क्यू के दौरान वे सहमे थे, लेकिन पिंजरे से बाहर निकलते ही वे मस्ती के मूड में है। वन विहार के डिप्टी डायरेक्टर एसके सिन्हा ने बताया, बाहर से जब भी किसी बाघ का रेस्क्यू करते हैं तो उन्हें 21 दिन के लिए क्वारेंटाइन सेंटर में रखा जाता है। रातापानी सेंचुरी से लाए गए दोनों शावकों को भी क्वारेंटाइन सेंटर में रखा है। वे पूरी तरह से स्वस्थ हैं। उन्हें जंगल में कब छोड़ना है, यह निर्णय वरिष्ठ अधिकारी लेंगे। वन विहार में उनकी सेहत का पूरा ख्याल रखा जा रहा है।

जंगल में एकसाथ थे इसलिए बच गए

रातापानी सेंचुरी के रेंज ऑफिसर कार्तिकेय शुक्ला ने बताया कि जब दोनों का रेस्क्यू किया गया, तब वे सहमे हुए थे। एक अच्छी बात ये भी है कि दोनों शावक जंगल में साथ में थे। इसलिए बच गए। अलग-अलग होते तो शायद बच नहीं पाते। अब वे वन विहार में खा-पी रहे हैं। हालांकि, जंगल का माहौल अलग था और बाड़े का अलग है, लेकिन एक-दो दिन में वे ढल जाएंगे।

बाघिन और एक शावक की हो चुकी मौत: बता दें कि बाघिन और एक 6 माह के शावक की 2 मई को मौत होने की सूचना मिली थी। इसके बाद 5 मई रविवार को दाहोद क्षेत्र के झिरी रेंज में बाघिन का शव बरामद किया गया था। इस बाघिन ने 3 शावकों को जन्म दिया था। उसमें से बाघिन और बच्चे की मौत की हो गई। तभी से बाकी दो शावकों को लेकर पिछले एक सप्ताह से वन विभाग का अमला चिंतित था। वन अमला दो अनाथ शावकों की तलाश में दिन-रात जंगल की खाक छान रहा था। उनकी चिंता दोनों नन्हें शावकों को जंगल में अन्य हिंसक वन्य जीवों से बचाने को लेकर थी। पिंजरे लगाए गए, पर चंचल शावक वन अमले के बिछाए जाल में नहीं फंस रहे थे, लेकिन गुरुवार को वे पिंजरे में आ गए।

दो दिवसीय मातृभाषा समारोह आज से

भोपाल (नप्र) सुभाष खेल मैदान, शक्ति नगर में 11 एवं 12 मई 2024 (शनिवार एवं रविवार) को मातृभाषा मंच के द्वारा मातृभाषा समारोह-24 का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर सायं 6 बजे से सांस्कृतिक आयोजन एवं पारंपरिक भोजनों के स्टॉल लगाये जायेंगे। मातृभाषा मंच प्रतिवर्ष यह आयोजन करता है। समारोह में भोपाल नगर के 17 भाषायी परिवार भाग ले रहे हैं। उल्लेखनीय है कि मातृभाषा के महत्व को अंतरराष्ट्रीय जगत द्वारा मान्यता प्रदान करते हुये संयुक्त राष्ट्र संघ ने 21 फरवरी को अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस घोषित किया है। इस अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस की जनक भारत की बाँग्ला भाषा है। समाज में मातृभाषा के व्यवहारिक प्रयोग को बढ़ाने, मातृभाषा के प्रयोग से परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत की धरोहर को सहेज कर उसे नवीन पीढ़ी को सौंपने की आवश्यकता है। मातृभाषा मंच, भोपाल शहर में इसी दिशा में विगत छः वर्षों से सक्रिय संस्था है। पूर्व में किये गये सफल आयोजनों में भाषायी समाजों के कलाकारों ने सांस्कृतिक छटा बिखेरी थी और लोगों ने भाषायी संस्कृतियों के पारंपरिक व्यंजनों का लुत्फ उठाया था।

शिवराज की सभा का टेंट उड़ा, आंधी चलने का अलर्ट

एमपी के कई जिलों में बूंदाबादी; 13 मई तक बारिश और ओले के आसार

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में तेज गर्मी के बीच पिछले तीन दिन से लगातार बारिश हो रही है। शुक्रवार को मंदसौर में शिवराज सिंह चौहान की सभा से पहले शहर में तेज हवाओं के साथ बूंदाबांदी हुई। इससे पंडाल का टेंट उड़ गया। सभा में आए लोगों को हाल में बैठाया गया। शुक्रवार को फिर भोपाल, इंदौर, उज्जैन समेत मध्य प्रदेश के कई जिलों में मौसम बदला और रिमझिम बारिश हुई। मौसम विभाग ने नीमच, मंदसौर, रतलाम, उज्जैन, विदिशा, इंदौर, देवास, शाजापुर, भोपाल, रायसेन, सीहोर और सागर में बिजली चमकने के साथ हल्की आंधी चलने का अनुमान भी जताया है। यहां 40 किमी प्रति घंटे तक हवा की रफ्तार रह सकती है। मौसम विभाग ने 13 मई तक आंधी, बारिश और ओले गिरने का अलर्ट जारी किया है। इससे गर्मी से थोड़ी राहत भी मिल सकती है। भोपाल की सीनियर वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया, अभी तीन वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) एक्टिव हैं। वहीं, साइक्लोनिक सर्कुलेशन सिस्टम और हवा का रुख भी बदला हुआ है। इस वजह से प्रदेश में बारिश का दौर है। कुछ जिलों में ओले भी गिर सकते हैं।

म.प्र.में अगले तीन दिन ऐसा मौसम

11 मई: भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, श्योपुरकलां, मुरैना, भिंड, दतिया, शिवपुरी, गुना,

अशोकनगर, विदिशा, सागर, दमोह, छतरपुर, पन्ना, सतना, रीवा, मऊगंज, सीधी, सिंगरौली, नीमच, मंदसौर, रतलाम, झाबुआ, अलीराजपुर, बड़वानी, धार, आगर-मालवा, राजगढ़, शाजापुर, देवास, खरगोन, खंडवा, हरदा, बैतूल, नर्मदापुरम, रायसेन में गरज-चमक के साथ हल्की बारिश हो सकती है।

12 मई: इस दिन नीमच, मंदसौर, रतलाम और झाबुआ ही ऐसे जिले हैं, जहां धूप खिली रहेगी। बाकी सभी जिलों में मौसम बदला रहेगा। यहां गरज-चमक के साथ बारिश हो सकती है। वहीं, आंधी चलने का अनुमान भी है।

13 मई: इंदौर, देवास, बड़वानी, खरगोन, खंडवा, विदिशा, बैतूल, रीवा, मऊगंज, सीधी, सिंगरौली, पन्ना, दमोह, कटनी, मैहर, शहडोल, अनूपपुर, उमरिया, जबलपुर, मंडला, सिवनी, बालाघाट, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, बैतूल में भी मौसम बदला रहेगा।